दैनिक
आदित्यवर्ण तमसः परस्तात्
नव प्रदेश
प्रदेश के साथ पूरा देश...

अंदर के पृष्ठों पर ◆◆ 2 | छत्तीसगढ़ 4 | अभिव्यक्ति 11 | कारोबार/खेल

रायपुर, गुरुवार, 26 मार्च 2026 शुक्ल पक्ष-अष्टमी, विक्रम संवत -2083 / वर्ष-15 अंक- 46 पृष्ठ-12 मूल्य-4 रुपए रायपुर, बिलासपुर, भोपाल, जबलपुर व रांची से एक साथ प्रकाशित

लाल आतंक पर भारी पड़ी किताबें, खामोश पड़े 123 स्कूलों में फिर गूंजी बच्चों की किलकारियां

पवन शाहा/सुकमा

कभी नक्सल भय और हिंसा की छाया में सिमटा सुकमा जिला अब शिक्षा के उजाले से नई पहचान गढ़ रहा है। जिन इलाकों में कभी सन्नाटा और दहशत पसरी रहती थी, वहां अब स्कूलों में बच्चों की चहल-पहल और कक्षाओं की रौनक लौट आई है। शासन के ताजा आंकड़े इस बदलाव की सशक्त कहानी बयां कर रहे हैं। नियद नेल्लानार ने नक्सल अंचल में ज्ञान की नई रोशनी फैलाई है। वर्ष 2006 में नक्सल प्रभाव ■ शेष पृष्ठ 8 पर

पहले

अब

■ **नियद नेल्लानार' से नक्सल अंचल में ज्ञान की नई रोशनी, गांव-गांव**

पोटाकेबिनों में एआई शिक्षा की क्रांति

नक्सल प्रभावित वनांचल क्षेत्रों के पोटाकेबिन विद्यालयों में अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) आधारित शिक्षा शुरू हो गई है। जिला प्रशासन की इस अभिनव पहल का उद्देश्य बच्चों को डिजिटल युग के अनुरूप 'फ्यूचर रेडी' बनाना है।

सुदूर वनांचल क्षेत्रों में रहने वाले बच्चों को आधुनिक तकनीक से जोड़ना हमारी प्राथमिकता है। हमारा उद्देश्य केवल उन्हें शिक्षित करना नहीं, बल्कि उन्हें डिजिटल युग के अनुरूप 'फ्यूचर रेडी' बनाना है। एआई आधारित शिक्षा के माध्यम से बच्चों में नई तकनीकी समझ विकसित होगी, जिससे वे आत्मविश्वास के साथ वैश्विक प्रतिस्पर्धा में भाग ले सकेंगे। यह पहल उनके उज्ज्वल भविष्य और बेहतर रोजगार के अवसरों के द्वार खोलेगी।

- अमित कुमार, कलेक्टर, सुकमा

नवप्रदेश विशेष

आस्था, प्रकृति और रोमांच का संगम बनेगा भोरमदेव अप्रैल से जंगल सफारी, करियाआमा से होगी शुरुआत

जितेन्द्र नामदेव/ कवर्धा

कबीरधाम जिले का भोरमदेव अभ्यारण्य अब प्रकृति प्रेमियों और साहसिक पर्यटन के शौकीनों के लिए एक नए अनुभव का केंद्र बनने जा रहा है। जंगल सफारी शुरू होने के बाद भोरमदेव आने वाले श्रद्धालु मंदिर दर्शन के साथ वन्यजीवन का रोमांच भी महसूस कर सकेंगे। यह पहल भोरमदेव को छत्तीसगढ़ के प्रमुख पर्यटन स्थलों में स्थापित करने ■ शेष पृष्ठ 8 पर

■ **भोरमदेव अभ्यारण्य में खुलने जा रहा रोमांच का नया द्वार**

वन्यजीवों से भरा क्षेत्र, हर पल नया अनुभव

भोरमदेव अभ्यारण्य जैव विविधता से समृद्ध क्षेत्र है, जहां बाघ, तेंदुआ, गौर, चीतल, सांभर, भालू और जंगली सुअर जैसे वन्यजीव पाए जाते हैं। सफारी के दौरान इन प्राणियों को उनके प्राकृतिक परिवेश में देखना पर्यटकों के लिए खास आकर्षण होगा। साथ ही पक्षियों और तितलियों की विविधता इस अनुभव को और खास बनाएगी।

जंगल से जुड़ाव ही वन संरक्षण की असली ताकत

भोरमदेव अभ्यारण्य हमारी अमूल्य प्राकृतिक धरोहर है। जंगल सफारी का उद्देश्य केवल पर्यटन को बढ़ावा देना नहीं, बल्कि लोगों को प्रकृति और वन्यजीवों के करीब लाना है। नियंत्रित प्रवेश, सुरक्षा व्यवस्था और स्थानीय सहभागिता के जरिए इस पहल को संतुलित और दीर्घकालिक बनाया जा रहा है, ताकि पर्यटन के साथ संरक्षण भी मजबूत हो।

- निखिल अग्रवाल, डीएफओ, कबीरधाम

आज बेबाक

खुद को तुर्रम खां समझने वाले टपोरी डोनाल्ड ट्रंप की सारी हेकड़ी निकल गई। उसके एकतरफा सीजफायर के एलान के बावजूद ईरान दे दनादन इजराइल और खाड़ी देशों पर बम बरसा रहा है। नतीजतन ईरान को बातचीत की टेबल पर लाने के लिए ट्रंप भारत शरणं गच्छामि हुआ है। उसने भारतीय पीएम मोदी से मध्यस्थता करने की गुहार लगाई है। ये है भारत की ताकत। इधर हमारे देश का फेलवर विपक्ष भारत की विदेश नीति को फेल बता रहा है। गाली वाली बाई गाल बजा रही है कि - भारत को पाकिस्तान की विदेश नीति से सीख लेनी चाहिए। हा..हा.. हा..।

जग्गी हत्याकांड : केस री-ओपन, 1 अप्रैल को होगी फाइनल हियरिंग

बिलासपुर/नवप्रदेश। बहुचर्चित रामअवतार जग्गी हत्याकांड मामले में नया मोड़ आ गया है। सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर केस री- ओपन हो गया है। 1 अप्रैल को इस मामले में फाइनल हियरिंग होगी। जिसमें अमित जोगी, स्टेट, सतीश जग्गी और सीबीआई को अपना पक्ष रखने की छूट दी गई है। आपको बता दें कि, 4 जून 2003 में एनसीपी नेता राम अवतार जग्गी की गोली मार हत्या कर दी गई थी। इस हत्याकांड में अमित जोगी का नाम सामने आया था। इस मामले में 31 आरोपी बनाए गए थे। जिसमें से बुलठू पाठक और सुरेंद्र सिंह सरकारी गवाह बन गए थे।

जंग: ट्रंप के समझौते के दावे पर ईरान ने कहा- अमेरिका के पास ताकत होती तो जीत चुका होता

ट्रंप को नहीं थोपने देंगे शर्तें, ईरान ने ठुकराया युद्धविराम का प्रस्ताव

नई दिल्ली (ए.)। मिडिल ईस्ट में जारी युद्ध के बीच ईरान ने अमेरिका की युद्धविराम योजना को सिरे से खारिज कर दिया है। बुधवार को अधिकारियों ने बताया कि पाकिस्तान के माध्यम से तेहरान को 15 सूत्रीय प्रस्ताव प्राप्त हुआ, लेकिन ईरान ने इसे अस्वीकार करते हुए इजरायल और खाड़ी देशों पर हमले तेज कर दिए। मिडिल ईस्ट में जारी तनाव के बीच ईरान ने साफ कहा है कि पश्चिम एशिया में चल रहे युद्ध को तभी समाप्त किया जाएगा, जब उसकी अपनी शर्तें पूरी की जाएंगी। अमेरिकी राष्ट्रपति ■ शेष पृष्ठ 8 पर

पश्चिम एशिया संकट पर पीएम मोदी ने की सर्वदलीय बैठक

नई दिल्ली/ए.। पश्चिम एशिया में जारी तनावपूर्ण हालात को लेकर केंद्र सरकार ने बुधवार को सर्वदलीय बैठक की। बैठक में सुरक्षा मामलों की कैबिनेट समिति से जुड़े सभी प्रमुख मंत्री शामिल हुए। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में गृह मंत्री अमित शाह, विदेश मंत्री एस जयशंकर और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण भी शामिल हुए। इसके अलावा स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा और संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू भी बैठक में मौजूद हैं। सरकार इस बैठक के जरिए सभी दलों को मौजूदा स्थिति से अवगत करा रही है। बैठक में विदेश सचिव विक्रम मिस्री प्रतिभागियों के सामने विस्तृत प्रस्तुति देने वाले हैं, जिसमें पश्चिम एशिया के हालात, भारत के हित और सुरक्षा से जुड़े पहलुओं पर जानकारी दी जाएगी। विपक्ष की ओर से कांग्रेस के तारिक अनवर और मुकुल वासनिक, समाजवादी पार्टी के धर्मेंद्र यादव और बीजद के सस्मित पात्रा शामिल हुए हैं।

अमेरिका ने ईरान को युद्ध विराम करने भेजी 15 सूत्रीय योजना

वाशिंगटन (वार्ता)। अमेरिका ने पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष को समाप्त करने के उद्देश्य से ईरान को 15 सूत्रीय प्रस्ताव दिया है जो 28 फरवरी को युद्ध शुरू होने के बाद से सबसे महत्वपूर्ण राजनयिक पहल हो सकती है। हालांकि ईरान ने किसी भी प्रकार की बातचीत होने से स्पष्ट इनकार किया है। न्यूयॉर्क टाइम्स ने अधिकारियों के हवाले से बताया कि यह प्रस्ताव पाकिस्तान में मध्यस्थों के माध्यम से भेजा गया था। समाचार एजेंसी रॉयटर्स ने भी इस मामले से परिचित सूत्रों के हवाले से इस योजना की पुष्टि की है।

होर्मुज की आड़ में हिंद महासागर में बढ़ा चीनी जहाजों का जमावड़ा

नई दिल्ली/ए.। पूरी दुनिया का ध्यान इस समय होर्मुज जलडमरूमध्य में जारी तनाव और तेल आपूर्ति पर टिका है, लेकिन इसी बीच चीन ने बेहद चतुराई से भारतीय समुद्री सीमा के पास अपनी सक्रियता को नई ऊंचाइयों पर पहुंचा दिया है। रक्षा विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि चीन का एक और अत्याधुनिक 'अनुसंधान' जहाज 'शी यान 6' हिंद महासागर क्षेत्र में प्रवेश कर चुका है। यह इस क्षेत्र में सक्रिय चीन का तीसरा बड़ा जहाज है, जो भारत की समुद्री सुरक्षा के लिए गंभीर चुनौती पेश कर रहा है।

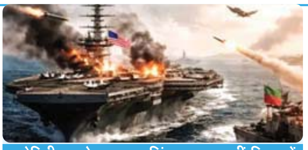

अमेरिकी युद्धपोत अब्राहम लिंकन पर दाग दीं मिसाइलें

नई दिल्ली (ए.)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान पर हमला भले ही कुछ दिनों के लिए रोक दिया हो, लेकिन तेहरान पीछे हटने को तैयार नहीं है। मिडिल ईस्ट में तनाव फिर से बढ़ गया है। ईरान ने दावा किया है कि बुधवार को उसने अमेरिकी युद्धपोत अब्राहम लिंकन पर क्रूज मिसाइलें दागी हैं। ईरानी सेना ने सरकारी टीवी पर जारी एक बयान में अमेरिका को चेतावनी देते हुए कहा कि जब इस स्ट्राइक ग्रुप के जहाज उनकी रेंज में आएंगे तो और भी मिसाइलें दागी जाएंगी। ईरान की सेना ने बयान में कहा गया, 'ईरानी नौसेना की कादर क्रूज मिसाइलों ने अमेरिका के यूएसएस अब्राहम लिंकन कैरियर को निशाना बनाया और उसे अपनी जगह बदलने पर मजबूर कर दिया।

ईरान युद्ध से हिला फिलीपींस, घोषित की नेशनल एनर्जी इमरजेंसी

नई दिल्ली (ए.)। ईरान युद्ध के चलते वैश्विक स्तर पर तेल और गैस की कीमतें आसमान छू रही हैं, जिससे कई देशों में ऊर्जा संकट गहरा गया है। ईंधन आपूर्ति बाधित होने और अर्थव्यवस्था पर पड़ रहे व्यापक असर को देखते हुए फिलीपींस ने राष्ट्रीय ऊर्जा आपातकाल की घोषणा कर दी है। राष्ट्रपति फर्डिनेंड मार्कोस जूनियर ने आदेश जारी कर यह ऐलान किया। सरकार के मुताबिक, ईंधन आपूर्ति में भारी कमी का खतरा मंडरा रहा है। राष्ट्रपति मार्कोस ने कहा कि ऊर्जा आपूर्ति की स्थिरता बनाए रखना।

खल्लारी हादसा : पीसीसी जांच दल ने पाया केबल के अंदर नायलॉन रस्सी

महासमुंद/नवप्रदेश। जिले में स्थित प्रसिद्ध खल्लारी माता मंदिर में हुए रोपवे हादसे की जांच के लिए छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी (पीसीसी) द्वारा गठित 6 सदस्यीय दल ने बुधवार को घटनास्थल का निरीक्षण किया। जांच दल ने हादसे की मुख्य वजह रोपवे संचालन में गंभीर खामियां बताई हैं। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज के निर्देश पर गठित इस जांच दल का नेतृत्व खल्लारी विधायक एवं कांग्रेस कमेटी के जिलाध्यक्ष द्वारिकाधीश यादव ने किया। टीम में सरायपाली विधायक चातुरी नंद, पूर्व प्रभारी महामंत्री अमरजीत चावला और प्रदेश कांग्रेस ओबीसी विभाग के अध्यक्ष केशव चंद्राकर शामिल थे।

CGPSC सिलेक्टेड कैंडिडेट्स को देनी होगी जॉइनिंग : सुको

■ **छत्तीसगढ़ सरकार की याचिका सुप्रीम कोर्ट में खारिज, हाईकोर्ट के नियुक्ति आदेश को सही ठहराया**

बिलासपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग (सीजीपीएससी) भर्ती 2021 में चयनित उम्मीदवारों को अब राज्य सरकार को जॉइनिंग देनी होगी। सुप्रीम कोर्ट ने राज्य शासन की विशेष अनुमति याचिका को खारिज कर दी है।

सरकार ने हाईकोर्ट के आदेश को चुनौती देते हुए याचिका दायर की थी। सुप्रीम कोर्ट ने चयनित उम्मीदवारों को नियुक्ति देने के हाईकोर्ट के फैसले को सही ठहराया है। दरअसल, सीजीपीएससी -2021 में गड़बड़ी सामने आने के बाद राज्य शासन ने सीबीआई जांच की घोषणा की थी। सीबीआई इस केस की जांच कर रही है। जबकि, एग्जाम में सिलेक्टेड उम्मीदवारों को राज्य शासन ने जांच का हवाला देकर नियुक्ति आदेश नहीं दिया है। इससे परेशान होकर डिप्टी कलेक्टर और डीएसपी के पद पर चयनित उम्मीदवारों ने ■ शेष पृष्ठ 8 पर

बस्तर में लाल आतंक की टूटी कमर

■ **नक्सली लीडर पापा राव ने 17 साथियों के साथ किया आत्मसमर्पण**

जगदलपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ को नक्सल मुक्त बनाने की दिशा में बुधवार 25 मार्च सबसे बड़ा दिन साबित हुआ। बस्तर में बचे आखरी बड़े कैडर का नक्सली पापा राव ने जगदलपुर में अपने साथियों के साथ सरेंडर कर दिया। इनमें 8 महिला नक्सली समेत 10 पुरुष नक्सलियों ने सरेंडर किया। नक्सलियों ने एके-47 सहित 12 हथियार, कारतूस और कैश के साथ सरेंडर किया। पुलिस महानिदेशक अरुण गौतम ने संविधान की प्रतियां देकर उनका स्वागत ■ शेष पृष्ठ 8 पर

उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा का बड़ा दावा

प्रेस कॉन्फ्रेंस में उपमुख्यमंत्री एवं गृह मंत्री विजय शर्मा ने इस घटना को ऐतिहासिक और निर्णायक बताते हुए कहा कि अब तकनीकी रूप से माओवाद का पूरा नेतृत्व समाप्त हो चुका है। बस्तर में अब केवल 40-45 नक्सली ही बचे हैं, जो जल्द ही मुख्यधारा में आ जाएंगे। हमारा लक्ष्य 31 मार्च 2026 तक पूरे प्रदेश से नक्सलवाद का पूर्ण खात्मा है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह की दृढ़ इच्छाशक्ति और संकल्प के अनुरूप 31 मार्च तक नक्सलवाद के पूर्ण उन्मूलन का लक्ष्य निर्धारित है। इसी क्रम में कुख्यात नक्सली कमांडर पापा राव का समय रहते अपने साथियों के साथ आत्मसमर्पण करना एक सार्थक कदम है।

- विष्णु देव साय, मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

गरमा-गरम

सौगात: 4.95 लाख से अधिक भूमिहीन कृषकों के खातों में 495 करोड़ रुपये ट्रांसफर

भूमिहीन कृषि श्रमिकों की नवरात्रि हुई समृद्धः साय

■ **सुशासन सरकार की सतत पहल से किसान, मजदूर और महिलाओं को मिल रहा मजबूत आर्थिक संबल**

रायपुर/नवप्रदेश। किसानों की खुशियों भरी होली के बाद अब भूमिहीन कृषि श्रमिकों के लिए भी यह नवरात्रि समृद्धि और आत्मविश्वास का संदेश लेकर आई है। छत्तीसगढ़ में सुशासन सरकार की योजनाएं अब सीधे जनजीवन में परिवर्तन का आधार बनती दिख रही हैं। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने बलौदाबाजार जिले में दीनदयाल उपाध्याय भूमिहीन कृषि मजदूर कल्याण योजना के अंतर्गत आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यह बात कही।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने बलौदा बाजार में आयोजित कार्यक्रम में प्रदेश के 4 लाख 95 हजार 965 भूमिहीन कृषि मजदूरों के खातों में 495 करोड़ 96 लाख 50 हजार रुपये की राशि अंतरित की। उन्होंने कहा कि यह पहल केवल आर्थिक सहायता नहीं, बल्कि श्रम और सम्मान को सशक्त करने की दिशा में एक निर्णायक कदम ■ शेष पृष्ठ 8 पर

पीएम मोदी की गारंटी को पूरा किया जा रहाः सीएम

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गारंटी के तहत किए गए वादों को सरकार द्वारा तेजी और पारदर्शिता के साथ पूरा किया जा रहा है। उन्होंने उल्लेख किया कि धान खरीदी में अंतर की राशि मिलने से किसानों ने इस वर्ष उत्साह और संतोष के साथ होली मनाई, वहीं अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर महतारी वंदन योजना के अंतर्गत महिलाओं को मिली राशि ने उनके आत्मनिर्भरता के संकल्प को और मजबूत किया है। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राहियों को प्रतीकात्मक रूप से गृह प्रवेश कराते हुए मकानों की चाबियां भी सौंपीं।

सीएसपीडीसीएल की रैंकिंग में सुधार 14वीं एकीकृत रेटिंग में मिला ग्रेड 'ए'

■ **भारत सरकार के मिनिस्ट्री ऑफ पावर ने 2026 में जारी की सूची**

रायपुर/नवप्रदेश। भारत सरकार के मिनिस्ट्री ऑफ पावर ने छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के विद्युत उपभोक्ताओं की सेवाओं में उल्लेखनीय सुधार को सराहा है। हाल ही में देश के 54 विद्युत वितरण कंपनियों की रैंकिंग में छत्तीसगढ़ को ए रेटिंग दी है। यह सीएसपीडीसीएल की प्रशासनिक दक्षता और कसावट का नतीजा बताया जा रहा है।

माननीय मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय, मुख्यमंत्री के सचिव श्री सुबोध कुमार सिंह एवं ऊर्जा सचिव डॉ. रोहित यादव इस उपलब्धि के लिए सभी अधिकारी-कर्मचारियों को बधाई दी है। सीएसपीडीसीएल के प्रबंध निदेशक श्री भीमसिंह कंवर ने बताया कि भारत सरकार व्दारा जारी 14वीं वार्षिक एकीकृत रेटिंग एवं रैंकिंग (इंटीग्रेटेड रेटिंग एंड रैंकिंग) ऑफ पावर डिस्ट्रीब्यूशन यूटिलिटीज में छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ■ शेष पृष्ठ 8 पर

सिद्धपीठ भानेश्वरी मंदिर की अनोखी आस्था: भभूति से दूर होते हैं कष्ट, नवरात्रि में उमड़ता है श्रद्धालुओं का सैलाब

■ सिंघोला स्थित मंदिर में नौ दिनों तक विशेष पूजा-अर्चना, माता तालाब और समाधि स्थल बन रहे आकर्षण का केंद्र

राजनांदगांव / नव प्रदेश। शहर से लगे ग्राम सिंघोला स्थित सिद्धपीठ माता भानेश्वरी मंदिर आज श्रद्धा और आस्था का प्रमुख केंद्र बन चुका है। यहां दूर-दूर से श्रद्धालु अपनी मनोकामनाएं लेकर पहुंचते हैं माता भानेश्वरी गांव सिंघोला की ही बेटी थी । स्थानीय मान्यता के अनुसार, माता भानेश्वरी की कृपा से भक्तों के दुख, कष्ट और रोग दूर हो जाते हैं। खासकर नवरात्र के पावन अवसर पर मंदिर में आस्था का अद्भुत सैलाब उमड़ पड़ता है।

मंदिर की सबसे अनोखी मान्यता माता भानेश्वरी की समाधि से जुड़ी हुई है। बताया जाता है कि माता ने अपनी मृत्यु की भविष्यवाणी एक वर्ष पहले ही कर दी थी और अपने भक्तों को संकेत दे दिया था कि वे निर्धारित समय पर समाधि लेंगी। उनके निर्देश पर मंदिर परिसर में ही समाधि स्थल तैयार किया गया और 3 नवंबर 1975 को उन्होंने समाधि ले ली ग्रामीणों के बताए अनुसार । इसके बाद यहां भव्य मंदिर का निर्माण हुआ, जो आज एक सिद्धपीठ के रूप में प्रसिद्ध है।

मंदिर के पुजारी दिलीप ठाकुर के अनुसार, नवरात्र के दौरान यहां नौ दिनों तक विशेष पूजा-अर्चना, ज्योति कलश स्थापना और भजन-कीर्तन का आयोजन किया जाता है। इस दौरान हजारों श्रद्धालु माता के दर्शन कर अपने जीवन की समस्याओं से मुक्ति की कामना करते हैं।

माता भानेश्वरी मंदिर की भभूति को लेकर भी गहरी आस्था है। श्रद्धालुओं का विश्वास है कि इस भभूति में अद्भुत चमत्कारी शक्ति है, जिससे मानसिक और शारीरिक कष्ट दूर हो जाते हैं। कई भक्त अपने अनुभव साझा करते हुए बताते हैं कि उन्हें यहां आकर राहत और सकारात्मक ऊर्जा मिली है। मंदिर परिसर के पास स्थित ÷माता तालाब÷ भी श्रद्धालुओं के लिए विशेष महत्व रखता है। मान्यता है कि माता भानेश्वरी इस तालाब में स्नान करती थीं। तालाब के बीच हाल ही में मां दुर्गा का सुंदर मंदिर भी बनाया गया है, जो श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र बन गया है और पूरे परिसर को आध्यात्मिक वातावरण प्रदान करता है।नवरात्र के दौरान यहां भव्य मेले का आयोजन भी किया जाता है, जिसमें आसपास के गांवों और शहरों से हजारों लोग शामिल होते हैं। भक्ति संगीत, भजन-कीर्तन और पूजा-पाठ से पूरा वातावरण भक्तिमय हो जाता है।

> माताजी जब लगभग 11वर्ष की थी तो वह गोबर का कांड बिनने गई हुई थी तभी उस दौरान भानेश्वरी माता के सामने अचानक एक बूढ़ी माई प्रकट हुई उस बूढ़ी मे ने भानेश्वरी माता जी को बटरा का दाना दिया और उसको खाने के लिये कहा खाने के बाद जब माता भानेश्वरी गांव वापस आई तो उनके पूरे शरीर में मोती के जैसे दाने उभर गए थे एवम उनमें अद्भुत शक्ति प्राप्त हो गई थी
>
> **- ईश्वर लाल निषाद**, मंदिर कमेटी सदस्य

न्यूज गैलरी

कमलाकांत शुक्ला इंस्टीट्यूट में फाइनेंशियल अवेयरनेस विषय पर अतिथि व्याख्यान

भाटापारा / नवप्रदेश। कमलाकांत शुक्ल इंस्टीट्यूट में वाणिज्य संकाय के विधार्थियों हेतु फाइनेंशियल अवेयरनेस विषय पर अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया। अतिथि व्याख्यान हेतू कृष्ण गुप्ता, रीजनल मैनेजर सीडीएसएल तथा रवि आर्य, सेबी एवं एनसीएफई सिक्योरिटी मार्केट ट्रेनर विषय विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य स्नातक के विद्यार्थियों को वित्तीय विषय में बेहतर समझ एवं उससे सम्बन्धित महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान करना था। कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय की प्राचार्या - डॉ. वंदना चौहान एवं मुख्य अतिथि द्वारा द्वीप प्रज्वलन कर किया गया इस अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित श्री रवि आर्य एवं कृष्ण गुप्ता ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए फाइनेंशियल प्लैनिंग, कैपिटल मार्केट एवं फाइनेंशियल डिसीजन मेकिंग से संबंधित महत्वपूर्ण तथ्यों एवं बिंदुओं पर चर्चा की । जिससे वाणिज्य संकाय के विद्यार्थी में काफी उत्साहित दिखा । महाविद्यालय के संचालक मनीष शुक्ला एवं प्राचार्य डॉ वंदना चौहान के मार्गदर्शन एवं नेतृत्व में समय समय पर ऐसे व्याख्यान आयोजित होते रहते है।

इस अवसर पर वाणिज्य संकाय के सभी छात्र-छात्राए,सहायक प्राध्यापक डॉ मयंक कुमार सिंह, सरोजनी वर्मा एवं अन्य सभी सहायक प्राध्यापक एवं स्टॉफ भी उपस्थित रहे ।

लोहिया जयंती पर महासमुंद में श्रद्धांजलि समाजवादी विचारों पर चलने का संकल्प

महासमुंद / नवप्रदेश। समाजवादी चिंतक डॉ. राम मनोहर लोहिया की जयंती के अवसर पर महासमुंद स्थित लोहिया चौक में उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, लोहियावादी कार्यकर्ताओं एवं गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति से आयोजन गरिमामय रहा। इस अवसर पर वक्ताओं ने लोहिया जी के समाजवादी विचारों को याद करते हुए उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। उन्होंने कहा कि सामाजिक समानता, आर्थिक न्याय और अंतिम व्यक्ति तक विकास पहुंचाने का उनका संदेश आज भी अत्यंत प्रासंगिक है और समाज को नई दिशा देने में मार्गदर्शक सिद्ध हो रहा है। कार्यक्रम के दौरान नगर पालिका अध्यक्ष निखिलकांत साहू को लोहिया चौक के सौंदर्यीकरण कार्य के लिए विशेष रूप से सम्मानित किया गया।

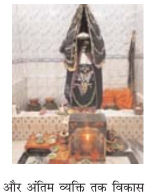

'मुख्यमंत्री ने हितग्राहियों से किया सीधा संवाद'

बलौदाबाजार/ नवप्रदेश।मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज दीनदयाल उपाध्याय भूमिहीन कृषि मजदूर कल्याण योजना के अंतर्गत आयोजित राशि वितरण कार्यक्रम में पंडित चक्रपाणि शुक्ल हायर सेकेंडरी स्कूल मैदान से प्रदेशभर के हितग्राहियों से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सीधा संवाद किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने हितग्राहियों से योजना के लाभ और उनके जीवन में आए बदलावों की जानकारी ली।संवाद के दौरान जशपुर जिला के हितग्राही कन्हैया ने बताया कि मुख्यमंत्री के बटन दबाते ही राशि उनके खाते में पहुंच गई। उन्होंने बताया कि पिछले वर्ष प्राप्त राशि का उपयोग बकरी पालन में किया था और इस वर्ष की राशि का उपयोग प्रधानमंत्री आवास में करेंगे। उन्होंने योजना से मिल रहे लाभ के लिए आभार जताया। मुख्यमंत्री ने कन्हैया को शुभकामनाएं दीं।इसी तरह जांजगीर-चांपा जिला के राजेंद्र कुमार ने बताया कि प्राप्त राशि से उन्होंने किराना दुकान को आगे बढ़ाने की योजना बनाई है, जिससे परिवार में खुशी का माहौल है।बालोद जिला के यादव राम निषाद ने मुख्यमंत्री से संवाद के दौरान कहा कि वे उनसे बात कर भावुक हो गए हैं। उन्होंने बताया कि उनकी छोटी किराना दुकान है, जिसे वे इस सहायता से और विकसित करना चाहते हैं।वहीं गरियाबंद जिला के नरेश निर्मलकर ने बताया कि पिछले वर्ष उन्होंने योजना की राशि से घर निर्माण और बच्चों की पढ़ाई में सहयोग लिया था। इस वर्ष भी राशि का सदुपयोग करने का संकल्प व्यक्त करते हुए उन्होंने योजना के प्रति संतोष जताया।

अंचल के गांवों में धूमधाम के साथ मनाया जा रहा चैत्र नवरात्र का पर्व

धरसीवां / कूंरा । अंचल के गांवों में बड़े ही धूम धाम के साथ मनाया जा रहा है चैत्र नवरात्र का पर्व । नगरपंचायत कूंरा के हटरी चौंक मां जय कंकाली मंदिर में भक्तों द्वारा 140 मनोकामना ज्योति कलस प्रज्जवलित कराए गए है तो वहीं नगर के चंडी मंदिर में 36 , महामाया मंदिर में 39 , शीतला मंदिर में 28 साथ ही कूंरा नगर में 7 घरों में भी मनोकामना ज्योति कलस जलाने के साथ साथ जवांरा बोए गए है । सोमवार को पंचमी पूजा कर समस्त स्थानों पर माता जी का विशेष श्रृंगार कर पूजा अर्चना किया गया । देवी देवालयों सहित घरों में रोजाना माता सेवा की भजन कीर्तन से क्षेत्र का माहौल पूर्ण रूप से भक्ति भाव में लीन है । माता जी का दर्शन व आशीर्वाद पाने श्रद्धालुओं का भीड़ रोजाना मंदिरों में सुबह शाम जुट रहे है और पूजा में शामिल हो रहे है । वही अंचल के ग्रामपंचायत धरसीवां , चरौदा , बरतनारा , मुर्रा , पंडरभट्ठा , भैंसमुड़ा , तिवरैया , कपसदा , टाडा , मोहदी , गोढ़ी , नगरगांव सहित आदि गांवो में भी नवरात्र पर्व को बड़े ही धूम धाम के साथ मनाए जा रहे है ।

मुख्यमंत्री ने 4 लाख 95 हजार 965 भूमिहीन परिवारों को दी 495 करोड़ से अधिक की सौगात

प्रदेश की जनता को योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ दिलाने सरकार प्रतिबद्ध: साय

बलौदाबाजार/ नवप्रदेश। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय बुधवार को प्रदेश के 4 लाख 95 हज़ार 965 भूमिहीन हितग्राहियों को 495 करोड़ 96 लाख रुपए की सौगात दी। उन्होंने बलौदाबाजार स्थित पंडित चक्रपाणी शुक्ल हायर सेकेण्डरी स्कूल ग्राउंड में आयोजित दीनदयाल उपाध्याय भूमिहीन कृषि मजदूर कल्याण योजना अंतर्गत राशि अंतरण समारोह में डीबीटी से सीधे हितग्राहियों के खाते में राशि अंतरित की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री साय का का पारम्परिक खुम्हरी पहना कर स्वागत किया गया।दीनदयाल उपाध्याय भूमिहीन कृषि मजदूर कल्याण योजना के तहत हितग्राहियों के खाते में सीधे 10 हज़ार रुपये की धनराशि प्रत्येक हितग्राही के मान से अंतरित की गई इसके लिए राज्य सरकार की ओर से 495 करोड़ 96 लाख 50 हजार रुपये की राशि का प्रावधान किया गया है। इस सूची में 22 हजार 28 बैगा और गुनिया परिवार भी शामिल है। बलौदाबाजार - भाटापारा जिला अंतर्गत कुल 23568 हितग्राहियों के खाते में 23 करोड़ 56 लाख रूपए से अधिक की राशि अंतरित हुई।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने बलौदाबाजार की ऐतिहासिक और धार्मिक धरा को नमन करते हुए कहा कि हमारी सरकार प्रदेश की जनता को शासकीय योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ दिलाने प्रतिबद्ध है। दीनदयाल उपाध्याय भूमिहीन कृषि मजदूर कल्याण योजना इसी क्रम में फलिभुत हुआ है। इस योजना के तहत ऐसे कृषि भूमिहीन मजदूरों को सालाना 10 हजार रुपए मिल रहा है जो अन्य किसानों के यहां मजदूरी कर रहे हैं। हमने पिछले साल भी इस योजना के तहत राशि अंतरित किया था और उस राशि का बहुत अच्छा सदुपयोग हितग्राहियो ने किया है।मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार ने मोदी की गारंटी के तहत अधिकांश वायदे को पूरा किया है। इसमें प्रमुख रूप से 18 लाख पीएम आवास की स्वीकृति, महतारी वंदन योजना,प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान 3100 रुपए में खरीदी आदि शामिल है। हमने इस वर्ष धान की अंतर की राशि होली से पहले एकमुश्त अंतरित किया है ताकि किसान खुशी के साथ होली मना सकें।हमारी सरकार ने दो साल में 10 हजार 500 करोड़ के सिंचाई परियोजनाओं को स्वीकृत किया है ताकि अधिक से अधिक किसानों के खेत तक पानी पहुंच सके।सुरभि गोधाम योजना के तहत हर जिले में 10 -10 गोधाम का निर्माण किया जा रहा है।

जिसमें मवेशियों के लिये चारा पानी, आश्रय,चरवाहा, चिकित्सक की व्यवस्था रहेगी। इससे सड़क पर पशुओं का विचरण रुकेगी और दुर्घटना में कमी आएगी।

सरकार किसानों के हितों और उनकी आय में वृद्धि के लिए प्रतिबद्ध: रंजना

धमतरी / नवप्रदेश। ग्रामीण सेवा सहकारी समिति छाती में चना एवं सरसों की समर्थन मूल्य पर खरीदी का शुभारंभ आज विधिवत रूप से संपन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष एवं धमतरी की पूर्व विधायक श्रीमती रंजना डीपेंद्र साहू शामिल हुईं। उनके आगमन पर समिति पदाधिकारियों एवं ग्रामीणों द्वारा आत्मीय स्वागत किया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत विधिवत पूजा-अर्चना के साथ हुई, जिसके पश्चात चना और सरसों खरीदी का शुभारंभ किया गया, इस दौरान क्षेत्र के ग्राम छाती, उडेना, झिरिया, डाही, सरसोंपुरी, गोपालपुरी, कंडेल, बोड़रा, सारंगपुरी सहित आसपास के गांवों के किसान बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि श्रीमती रंजना साहू ने अपने उद्बोधन में कहा कि किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य दिलाने के लिए समर्थन मूल्य पर खरीदी अत्यंत महत्वपूर्ण पहल है, इससे किसानों को आर्थिक मजबूती मिलती है और वे आत्मनिर्भर बनते हैं । सरकार किसानों के हितों के संरक्षण और उनकी आय में वृद्धि के लिए प्रतिबद्ध है।

उन्होंने किसानों को फसल परिवर्तन (क्रॉप रोटेशन) अपनाने के लिए भी प्रेरित करते हुए कहा कि चना, सरसों जैसी दलहन एवं तिलहन फसलों की खेती से न केवल मिट्टी की उर्वरता बनी रहती है, बल्कि उत्पादन लागत भी कम होती है और किसानों को बेहतर लाभ मिलता है, तो वहीं फसल विविधीकरण से जोखिम कम होता है ।

श्रीमद्भागवत कथा सुनने उमड़ रही भीड़

भाटापारा / नवप्रदेश। ब्लाक के ग्राम अमलीडीह निवासी भगवती प्रसाद वर्मा के यहां श्रीमद् भागवत कथा महापुराण ज्ञानयज्ञ सप्ताह का आयोजन किया जा रहा है। व्यासपीठ से पं. श्री रोहिणी कुमार पाठक अपनी सुमधुर वाणी से भगवान श्री कृष्ण और रुखमणी जी की दिव्य लीला का वर्णन कर रहे हैं।

पं. श्री पाठक ने कहा कि भगवान श्री कृष्ण और रुखमणी जी का विवाह प्रेम, भक्ति, और समर्पण का प्रतीक है। उन्होंने बताया कि रुखमणी जी ने अपने प्रेम और विश्वास से भगवान श्री कृष्ण को अपने जीवन में आकर्षित किया, और भगवान श्री कृष्ण ने उनके प्रेम को स्वीकार कर उन्हें अपनी जीवनसंगिनी बनाया।

आज की कथा श्री कृष्णा - रुखमणी विवाह प्रसंग रहा, जिसका उल्लेख पं. श्री रोहिणी कुमार पाठक जी ने बहुत ही सुंदर किया। उन्होंने बताया कि कैसे भगवान श्री कृष्ण ने रुखमणी जी को उनके प्रेम और भक्ति के कारण अपनाया, और कैसे उन्होंने अपने जीवन को एक दूसरे के लिए समर्पित किया।

पं. श्री पाठक ने आगे बताया कि रुखमणी ने भगवान श्री कृष्ण के लिए अपने जीवन को समर्पित कर दिया था, और भगवान श्री कृष्ण ने भी उन्हें अपने जीवन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बनाया। उन्होंने बताया कि कैसे भगवान श्री कृष्ण ने रुखमणी को उनके पिता के घर से प्रस्थान कराकर अपने साथ ले गए, और कैसे उन्होंने उनका विवाह किया।

नाली के प्रदूषित पानी से अमतिया तालाब में लाखों मछलियां मरीं, मुआवजे की मांग

नगरी / नवप्रदेश। नगर पंचायत नगरी के अंतर्गत स्थित अमतिया तालाब में नालियों से आ रहे प्रदूषित पानी के कारण बड़ी संख्या में मछलियों की मौत का गंभीर मामला सामने आया है। इस घटना से तालाब में मछली पालन कर रहे लाखों रुपये का आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। जिसमें प्राप्त जानकारी के अनुसार, नगर पंचायत द्वारा अमतिया तालाब को मछली पालन के लिए लीज पर दिया गया था। लीजधारी का आरोप है कि नगर की नालियों का गंदा और दूषित पानी सीधे तालाब में मिल रहा है, जिससे पानी की गुणवत्ता खराब हो गई और हजारों मछलियां मर गईं।

लीजधारी ने बताया कि इस अप्रत्याशित घटना से उसे भारी आर्थिक क्षति हुई है। उन्होंने शासन-प्रशासन से उचित मुआवजा प्रदान करने की मांग की है, साथ ही भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए नालियों के पानी की समुचित निकासी और उपचार की व्यवस्था करने की अपील की है।

स्थानीय नागरिकों ने भी प्रशासन से मांग की है कि तालाब में गंदे पानी के प्रवेश को रोकने के लिए ठोस एवं प्रभावी उपाय किए जाएं, ताकि पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ मछली पालन करने वाले लोगों को भविष्य में इस प्रकार की क्षति का सामना न करना पड़े। इस मामले में वार्ड पार्षद अलका साव ने भी गंभीर चिंता व्यक्त की है।

छाती में शेड निर्माण कार्य का विधायक ने किया भूमिपूजन

धमतरी/ नवप्रदेश। विधायक ओंकार साहू आज ग्राम छाती में शेड निर्माण कार्य के भूमिपूजन कार्यक्रम में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने विधिवत पूजा-अर्चना कर निर्माण कार्य का शुभारंभ किया।

कार्यक्रम में उपस्थित ग्रामवासियों को संबोधित करते हुए विधायक श्री साहू ने कहा कि क्षेत्र के समग्र विकास के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। ग्राम छाती में बनने वाला यह सार्वजनिक शेड स्थानीय लोगों के लिए सामाजिक, सांस्कृतिक एवं सामुदायिक गतिविधियों का प्रमुख केंद्र बनेगा, जिससे ग्रामीणों को विभिन्न आयोजनों में सुविधा प्राप्त होगी।इस अवसर पर ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष खिलेन्द ध्रुव ने अपने वक्तव्य में कहा कि विधायक श्री ओंकार साहू के नेतृत्व में क्षेत्र में लगातार विकास कार्य हो रहे हैं।

सिहावा में वीबीजी रामजी से तालाब निर्माण कार्य शुरू

नगरी / नवप्रदेश। ग्राम पंचायत सिहावा में ग्रामीण विकास को गति देने के उद्देश्य से ड्डक्क त्न क्रन्रू त्न योजना के अंतर्गत निजी तालाब निर्माण कार्य का शुभारंभ किया गया। इस कार्य से न केवल जल संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि किसानों को सिंचाई सुविधा उपलब्ध होने से उनकी आर्थिक स्थिति में भी सुधार होगा।

इस महत्वपूर्ण कार्य में ग्राम पंचायत की सक्रिय भूमिका देखने को मिल रही है। सरपंच श्रीमती उषा देवी नाग के नेतृत्व में पंचायत द्वारा योजनाबद्ध तरीके से कार्य को आगे बढ़ाया जा रहा है। वहीं उप सरपंच सुनील सिंह सर, सचिव संतोष ध्रुव एवं प्रभारी रोजगार सहायक गुलाब निषाद के मार्गदर्शन में निर्माण कार्य सुचारू रूप से संचालित हो रहा है।

ग्राम पंचायत के समस्त पंचों का भी इस कार्य में सराहनीय सहयोग मिल रहा है, जिससे योजना का क्रियान्वयन तेजी से किया जा रहा है। पंचायत प्रतिनिधियों ने बताया कि इस तालाब निर्माण से वर्षा जल का संचयन होगा, जिससे भविष्य में जल संकट से निपटने में मदद मिलेगी।ग्रामीणों ने भी इस पहल का स्वागत करते हुए पंचायत की सराहना की है। उनका मानना है कि इस तरह के कार्य गांव के विकास के लिए अत्यंत आवश्यक हैं और इससे रोजगार के अवसर भी सृजित हो रहे हैं।

ग्राम पंचायत सिहावा का यह प्रयास क्षेत्र में विकास की एक नई दिशा तय कर रहा है।

राजनीति: जिलाध्यक्ष द्वारकाधीश यादव की अध्यक्षता में जिला कांग्रेस की बैठक

कांग्रेस का बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करने पर जोर

महासमुंद/ नवप्रदेश। संगठनात्मक ढांचे को बूथ स्तर तक सशक्त बनाने के उद्देश्य से जिला कांग्रेस कमेटी की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता करते हुए जिलाध्यक्ष द्वारकाधीश यादव ने संगठन विस्तार को सर्वोच्च प्राथमिकता बताते हुए सभी पदाधिकारियों को सक्रिय भूमिका निभाने के निर्देश दिए।

उन्होंने ब्लॉक एवं मंडल अध्यक्षों सहित सभी जिम्मेदार कार्यकर्ताओं से अपने-अपने क्षेत्रों में तेजी से कमेटियों के गठन की प्रक्रिया पूर्ण करने को कहा। उन्होंने स्पष्ट किया कि मजबूत संगठन ही चुनावी सफलता की कुंजी है।

बैठक में विशेष रूप से उपस्थित जिला प्रभारी हितेंद्र ठाकुर (पूर्व जिलाध्यक्ष, बलौदाबाजार) ने जानकारी दी कि अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के मार्गदर्शन में 'संगठन सृजन अभियान' संचालित किया जा रहा है। इसके तहत प्रदेशभर में कमेटियों के गठन की नियमित समीक्षा की जा रही है। उन्होंने निर्देशित किया कि बूथ, पंचायत एवं वार्ड स्तर पर सर्वसम्मति से पारदर्शी और ईमानदार तरीके से कमेटियों का गठन सुनिश्चित किया जाए। उल्लेखनीय है कि हाल ही में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने महासमुंद जिले के दो विधानसभा क्षेत्रों का दौरा कर कमेटी गठन की प्रगति की समीक्षा की थी, जिससे इस अभियान की गंभीरता स्पष्ट होती है।पूर्व विधायक विनोद चंद्राकर ने भी बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि कमेटी गठन को पूरी गंभीरता से लिया जाना चाहिए, क्योंकि यही संगठनात्मक संरचना आगामी चुनावों में जीत का आधार बनेगी। इस अवसर पर शहर कांग्रेस अध्यक्ष गुरमीत चावला, जिला कोषाध्यक्ष निर्मल जैन, ब्लॉक अध्यक्ष खेमराज सिन्हा, देवनाथ साहू, श्रीमती अन्नू चंद्राकर, करण दीवान, दाऊलाल चंद्राकर, मंडल अध्यक्ष खिलावन बघेल, अमर चंद्राकर, महिला कांग्रेस अध्यक्ष सोनम बंसोड़, दिव्येश चंद्राकर, जसबीर ढिल्लो, पार्षद मुस्ताक खान विक्की, ढेलू निषाद, अमन चंद्राकर, राजू साहू, बसंत चंद्राकर, तुलसी साहू, हर्षित चंद्राकर, इमरान कुरैशी, छन्नू साहू सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

महिला उद्यमियों को दिया गया मार्केट डेवलपमेंट असिस्टेंस का प्रशिक्षण

बलौदाबाजार / नवप्रदेश। केंद्र सरकार की रैम्प योजना के अन्तर्गत सीएसआईडीसी छत्तीसगढ़ के मार्गदर्शन में चॉइस कंसल्टेंसी सर्विसेज द्वारा मंगलवार को जनपद पंचायत सभाकक्ष कसडोल में मार्केट डेवलपमेंट असिस्टेंस विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में महिला उद्यमिता को बढ़ावा देने, उन्हें बाजार से जोड़ने, राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर बाजार विस्तार के अवसर प्रदान करने के सम्बन्ध में महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। कार्यशाला के दौरान महिला उद्यमियों हेतु उपलब्ध मार्केट डेवलपमेंट असिस्टेंस योजनाएं, राज्य एवं राष्ट्रीय स्तरीय मेलों व प्रदर्शनी में उत्पाद ब्राडिंग, पैकेजिंग एवं लेबलिंग सुधार, गुणवत्ता प्रमाणन, ई-कॉमर्स एवं डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से बिक्री विस्तार, सरकारी सहायता करने की प्रक्रिया बताई गई।

100 मीटर ब्रेस्टस्ट्रोक में निखिल और अनुष्का को सिल्वर

खेलो इंडिया नेशनल ट्राइबल गेम्स तैराकी में छत्तीसगढ़ को 2 मेडल

कर्नाटक और ओडिशा को मिला गोल्ड

रायपुर/नवप्रदेश। खेलो इंडिया नेशनल ट्राइबल गेम्स 2026 के तहत तैराकी स्पर्धाओं में बुधवार को 100 मीटर ब्रेस्टस्ट्रोक (पुरुष और महिला वर्ग) का फाइनल मुकाबला बेहद रोमांचक रहा। प्रतियोगिता के दौरान स्विमिंग पूल पर खिलाड़ियों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिली। छत्तीसगढ़ को तैराकी में 2 मेडल मिले हैं। 100 मीटर ब्रेस्टस्ट्रोक में निखिल और अनुष्का ने सिल्वर मेडल जीता है, जबकि कर्नाटक और ओडिशा को गोल्ड मेडल मिला है। इलेक्ट्रॉनिक स्कोरबोर्ड के अनुसार, फाइनल में अलग-अलग राज्यों के तैराकों ने भाग लिया, जिसमें कर्नाटक, असम, महाराष्ट्र, मेघालय और छत्तीसगढ़ के खिलाड़ियों का प्रदर्शन खास रहा। आज उद्घाटन समारोह में केंद्रीय मंत्री मनसुख मांडविया और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय मौजूद रहे। यह प्रतियोगिता 3 अप्रैल तक चलेगी, जिसमें कुल 7 खेलों का आयोजन किया जाएगा।

प्रमुख परिणाम

- कर्नाटक के मनीकांत एल ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 1:07.41 मिनट में रेस पूरी कर पहला स्थान हासिल किया।
- छत्तीसगढ़ के निखिल जल्को ने 1:11.77 मिनट के समय के साथ अच्छा प्रदर्शन किया।
- महाराष्ट्र के पलाश मंगई ठाकुर भी मुकाबले में मजबूत दावेदार रहे।
- अन्य प्रतिभागियों में असम और मेघालय के तैराकों ने भी प्रतिस्पर्धा को कड़ा बनाया।

प्रमुख परिणाम

- ओडिशा की रिंकी मुर्मू ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 1:25.81 मिनट में रेस पूरी कर पहला स्थान हासिल किया।
- छत्तीसगढ़ की अनुष्का भगत ने 1:29.10 मिनट के समय के साथ दूसरा स्थान प्राप्त किया।
- ओडिशा की अंजली मलिक ने 1:37.74 मिनट के साथ तीसरा स्थान हासिल किया।
- मेघालय और गुजरात की खिलाड़ियों ने भी फाइनल में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

ट्राइबल गेम में छत्तीसगढ़ को 2 मेडल मिले

पदक तालिका पुरुष

स्वर्ण पदक: मनीकांत एल (कर्नाटक)- 1:07.41
रजत पदक: निखिल जल्को (छत्तीसगढ़) – 1:11.77
कांस्य पदक: पलाश मंगई ठाकुर (महाराष्ट्र) – 1:11.69

पदक तालिका महिला

स्वर्ण पदक: रिंकी मुर्मू (ओडिशा) – 1:25.81
रजत पदक: अनुष्का भगत (छत्तीसगढ़) – 1:29.10
कांस्य पदक: राखी नोतिया (त्रिपुरा) – 1:34.70

सेम इवेंट महिला वर्ग

इलेक्ट्रॉनिक स्कोरबोर्ड के अनुसार, फाइनल रेस में ओडिशा, कर्नाटक, छत्तीसगढ़, त्रिपुरा, गोवा और मेघालय की खिलाड़ियों ने भाग लिया। रेस के दौरान अंत तक मुकाबला खुला रहा और समय के मामूली अंतर ने परिणाम तय किए।

प्रबंध निदेशक कंवर ने किया अतिरिक्त पॉवर ट्रांसफार्मर ऊर्जीकृत

रायपुर/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री अधोसंरचना विकास योजना के अंतर्गत रायपुर शहर की विद्युत वितरण व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त हुई। रायपुर शहर के मध्य संभाग अंतर्गत 33/11 केवी विद्युत उपकेन्द्र रजबंधा में 8 एमवीए के एक अतिरिक्त ट्रासफार्मर को प्रबंध निदेशक (डिस्ट्रीब्यूशन) भीमसिंह कंवर के निर्देशन में चार्ज किया गया। 33/11 केवी रजबंधा सबस्टेशन में 5 एमवीए के पॉवर ट्रासफार्मरों की क्षमता को बढ़ा कर 8 एमवीए की गई। इस अपग्रेडेशन के साथ ही रजबंधा उपकेन्द्र की कुल क्षमता 10 एमवीए से बढ़कर 13 एमवीए हो गई है।

इस कार्य को पूर्ण करने में कुल 90 लाख रूपये की लागत आई। क्षमता वृद्धि से जयस्तंभ चौक, मौहदापारा, रविभवन, रजबंधा क्षेत्र के लगभग दो हजार से अधिक उपभोक्ता लाभान्वित होंगे। गर्मी के मौसम में बढ़ने वाले लोड को देखते हुए यह महत्वपूर्ण कदम उठाया गया जिससे घरेलू एवं व्यवसायिक उपभोक्ताओं को लो वोल्टेज की समस्या से निजात मिलेगी और गुणवत्तापूर्ण बिजली आपूर्ति होगी। इस अवसर पर रजबंधा क्षेत्र के उपभोक्ताओं के लिए समाधान शिविर भी लगाया गया ।

रायपुर में महिला से चेन स्नेचिंग: इवनिंग वॉक पर निकली थी

रायपुर/नवप्रदेश। रायपुर के टिकरापारा थाना क्षेत्र के रावतपुरा (फेस-2) इलाके में महिला शिक्षक के साथ चेन स्नेचिंग हुई है। स्कूटी सवार अज्ञात बदमाश ने महिला के गले से करीब 30 हजार रुपए कीमत की सोने की चेन और लॉकेट झपट लिया। पीड़िता रानू साहू ने बताया कि, वो रावतपुरा कॉलोनी फेस-2 में रहती है। सोमवार (23 मार्च 2026) की रात करीब 9:45 बजे वो अपनी सहेली दिव्या वर्मा के साथ खाना खाकर टहलने निकली थीं। जैसे ही वे सतबहनिया मंदिर के पास पहुंचीं, तभी पीछे से एक काले रंग की स्कूटी पर सवार होकर एक अज्ञात युवक आया। इससे पहले कि महिलाएं कुछ समझ पातीं, युवक ने झपट्टा मारकर उनके गले से सोने की चेन (लॉकेट सहित) खींच ली। वारदात के तुरंत बाद शिक्षिका और उनकी सहेली चोर-चोर चिल्लाते हुए स्कूटी के पीछे भागीं, लेकिन अंधेरे और स्कूटी की तेज रफ्तार के कारण आरोपी गलियों में ओझल हो गया।

बंदियों की आस्था नमकीन अब ब्रांडेड कैटेगरी में शामिल

रि-ओपन हुआ रायपुर सेंट्रल जेल का कैफे, अगले महीने से ओपन माइक भी होगा

रायपुर/नवप्रदेश। रायपुर सेंट्रल जेल एडमिनिस्ट्रेशन नए टैलेंट को मौका देने के लिए जल्द ही ओपन माइक प्रोग्राम शुरू करने जा रहा है। जेल अधीक्षक योगेश सिंह क्षत्री ने बताया कि अगले महीने के अंत तक जेल कैफे में ओपन माइक शुरू किया जाएगा।

इसमें यंग टैलेंट को परफार्म करने का मौका मिलेगा। इसके लिए कोई अतिरिक्त चार्ज नहीं लगेगा। इसके अलावा जेल में कैदियों के हाथ से बनाए जाने वाले चार तरह के स्नैक्स (नमकीन/मिक्चर) को भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण यानी का अप्रूवल भी मिल गया है। ये चारों किसी ब्रांड प्रोडक्ट्स की तरह नई पैकेजिंग के साथ ग्राहकों को प्रोवाइड किए जा रहे हैं। इन नमकीन को पिछले दिनों विधानसभा सत्र के दौरान विधायकों और मंत्रियों को लंच में भी परोसा गया था। दरअसल, लगभग छह महीने तक जेल की कैफे रिनोवेशन के नाम पर छह महीने तक बंद थी। इसे हाल ही में नए कलेवर के साथ रि-ओपन किया गया है। ये कैंटीन दो पाली में चलती है। सुबह 7 बजे से दोपहर 12-12:30 बजे तक और दोपहर 3 बजे से शाम 6:30 बजे तक एक दिन में औसतन बिक्री की बात की जाए तो करीब 600 से ज्यादा समोसे और 300 से ज्यादा प्लेट मूंग बड़े की ब्रिकी होती है।

'मेंटल और ऑटो' ने युवक को चाकू मारकर लूटा मोबाइल

रायपुर/नवप्रदेश। रायपुर के खमतराई थाना क्षेत्र में चाकू मारकर मोबाइल लूट करने वाले 2 आरोपियों को पुलिस ने कुछ ही घंटों में गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों की पहचान धनेश टंडन उर्फमेंटल और टिकेश्वर निषाद उर्फ ऑटो के रूप में हुई है। जानकारी के मुताबिक, दुर्गेश यादव 23 मार्च की रात ट्रांसपोर्ट नगर से लौट रहा था। इसी दौरान पीछे से आए दो युवकों ने उनसे गाली-गलौज करते हुए मारपीट की और मोबाइल लूट लिया। विरोध करने पर आरोपियों ने उनके पेट और पीठ पर चाकू से हमला किया और मौके से भाग गए। मामले की रिपोर्ट दर्ज होने के बाद पुलिस ने तत्काल कार्रवाई शुरू की। घटना स्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच और स्थानीय पूछताछ के आधार पर आरोपियों की पहचान की गई। इसके बाद पुलिस टीम ने घेराबंदी कर दोनों को अलग-अलग स्थानों से गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों के कब्जे से लूटा गया मोबाइल फोन बरामद किया गया है।

सात पीढ़ियों से संजोई जा रही महेश्वरी साड़ियों की विरासत

छत्तीसगढ़ के मीडिया दल ने महेश्वर में देखा लूम से लेकर खूबसूरत साड़ी बनने तक का सफर

रायपुर/नवप्रदेश। पत्र सूचना कार्यालय, रायपुर द्वारा आयोजित मध्य प्रदेश मीडिया प्रवास के तहत छत्तीसगढ़ के मीडिया प्रतिनिधिमंडल ने आज ऐतिहासिक नगरी महेश्वर का दौरा किया। यहाँ पत्रकारों ने विश्व प्रसिद्ध महेश्वरी साड़ियों के निर्माण की बारीकियों को समझा और यह देखा कि कैसे एक कच्चे धागे से लेकर करघे (रूमशद्व) के माध्यम से एक अत्यंत सुंदर बुनी हुई साड़ी तैयार की जाती है।

मीडिया दल ने अजीज अंसारी (Handweave India) के हैंडलूम सेटअप का विशेष भ्रमण किया। अजीज अंसारी का परिवार पिछली 7 पीढ़ियों से इस पारंपरिक उद्योग से जुड़ा हुआ है। पत्रकारों से चर्चा करते हुए उन्होंने बताया कि उनके पास वर्तमान में 100 हैंडलूम का सेटअप है, जहाँ शुद्ध सूती और रेशमी धागों से कलाकृतियां उकेरी जाती हैं। इन हस्तनिर्मित साड़ियों की रेंज 3,000 रुपये से लेकर 12,000 रुपये तक होती है, जो अपनी गुणवत्ता और बारीक बुनाई के लिए देश-विदेश में प्रसिद्ध हैं। भ्रमण के दौरान केंद्र सरकार के कपड़ा मंत्रालय द्वारा संचालित 'नेशनल हैंडलूम मिशन' की भूमिका और इसकी पृष्ठभूमि पर विस्तार से चर्चा की गई। पत्रकारों को बताया गया कि भारत में कृषि के बाद हैंडलूम क्षेत्र रोजगार का दूसरा सबसे बड़ा स्रोत है। इसी महत्व को देखते हुए, बुनकरों को स्थायी आजीविका प्रदान करने और उनके बुनियादी ढांचे के आधुनिकीकरण के उद्देश्य से इस मिशन की रूपरेखा तैयार की गई है। इस मिशन के माध्यम से बुनकरों को उन्नत करघे, कच्चे माल की आपूर्ति और रियायती ऋण जैसी वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है।

आर्थिक, सामाजिक और शैक्षणिक विकास के लिए व्यापक सर्वेक्षण जरूरी : डॉ. कुसमरिया

पिछड़ा वर्ग के सामाजिक विसंगतियों को दूर करेगा आयोग: निषाद

रायपुर/नवप्रदेश। मध्यप्रदेश राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष डॉ. रामकृष्ण कुसमरिया ने कहा कि अन्य पिछड़ा वर्ग के आर्थिक, सामाजिक और शैक्षणिक विकास के लिए व्यापक सर्वेक्षण अत्यंत आवश्यक है, जिसे सांख्यिकीय विभाग को सौंपा जाना चाहिए। उन्होंने सुझाव दिया कि पंचायत स्तर पर प्रतिवर्ष सम्मान कार्यक्रम आयोजित किए जाएं तथा देशभर के पिछड़ा वर्ग आयोगों का राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित कर साझा मुद्दों और प्रस्तावों पर चर्चा की जाए। छत्तीसगढ़ राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के सभागार में आज एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसमें मध्यप्रदेश राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष डॉ. रामकृष्ण कुसमरिया मुख्य अतिथि के रूप में उक्त विचार व्यक्त किए। उन्होंने अपने छत्तीसगढ़ प्रवास के दौरान आयोग के कार्यों की समीक्षा की तथा विभिन्न महत्वपूर्ण सुझाव दिए। छत्तीसगढ़ राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष श्री नेहरू राम निषाद ने कहा कि अन्य पिछड़ा वर्ग में शामिल विभिन्न जातियों की सामाजिक स्थिति, ग्रामीण एवं शहरी दोनों क्षेत्रों में विविध रूप में देखने को मिलती है। उन्होंने सामाजिक विसंगतियों को दूर करने और समाज के अंतिम व्यक्ति तक शासन की योजनाओं का लाभ पहुंचाने की आवश्यकता पर जोर दिया।

बैठक में पिछड़ा वर्ग कल्याण आयोग के अध्यक्ष श्री आर.एस. विश्वकर्मा, उपाध्यक्ष श्रीमती चंद्रकांति वर्मा, मछुआ कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष श्री भरत लाल मटियारा, उपाध्यक्ष डॉ. लखन धीवर, रजककार विकास बोर्ड के अध्यक्ष श्री प्रहलाद रजक सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। छत्तीसगढ़ राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के सचिव द्वारा पावर पाइंट प्रजेन्टेशन के माध्यम से प्रस्तुतीकरण के माध्यम से छत्तीसगढ़ में पिछड़ा वर्ग के हितों के संरक्षण और संवर्धन हेतु किए जा रहे कार्यों की जानकारी दी। उन्होंने आयोग की संरचना, शक्तियों तथा प्राप्त शिकायतों एवं जाति समावेशन से जुड़े प्रकरणों की विस्तृत जानकारी दी गई। बैठक में अन्य पदाधिकारियों ने भी अपने विचार रखे और पिछड़ा वर्ग के उत्थान के लिए समन्वित प्रयासों पर बल दिया।

अवैध अफीम पर सख्ती, नक्सल समर्पण पर सरकार का भरोसा: साय

रायपुर (वार्ता)। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने राज्य में कानून-व्यवस्था और सुरक्षा से जुड़े अहम मुद्दों पर अपनी सरकार का रुख स्पष्ट करते हुए अवैध गतिविधियों के खिलाफकड़ी कार्रवाई का संकेत दिया और कहा कि प्रदेश में कहीं भी अफीम की अवैध खेती को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और इसमें संलिप्त लोगों के खिलाफबिना किसी भेदभाव के सख्त कदम उठाए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने बताया कि दुर्ग जिले में सामने आए एक मामले के बाद सभी जिलों के कलेक्टरों को सतर्क रहने और ऐसे मामलों पर तुरंत कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं। प्रशासन द्वारा कई स्थानों पर जांच और चिन्हांकन की प्रक्रिया भी शुरू की गई है। उन्होंने दोहराया कि प्रभावशाली व्यक्तियों की संलिप्तता भी कार्रवाई में बाधा नहीं बनेगी। विदेश नीति को लेकर विपक्ष के आरोपों पर प्रतिक्रिया देते हुए श्री साय ने केंद्र सरकार का बचाव किया।

नवाचार: दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण के लिए पेश की 'नेविनॉट' और 'साइनएक्स' तकनीक

समाज कल्याण सचिव से मिले युवा इनोवेटर रवि

रायपुर/नवप्रदेश। यूनिसेफ द्वारा सम्मानित 'ग्लोबल यूथ इनोवेटर' और 'एलियन इनोवेशंस' के 21 वर्षीय संस्थापक रवि किरण ने छत्तीसगढ़ शासन के समाज कल्याण विभाग के सचिव श्री भुवनेश यादव से मुलाकात की। इस मुलाक़ात में उनके साथ स्टार्टअप में ऑपरेशंस और पार्टनरशिप की जिम्मेदारी संभाल रहीं हर्षिता भी उपस्थित थीं। विशेष बात यह है कि ये दोनों ही युवा अपनी इंजीनियरिंग की पढ़ाई के साथ-साथ इस नवाचार के जरिए समाज में बदलाव ला रहे हैं। इस अहम मुलाक़ात का मुख्य उद्देश्य दिव्यांगजनों को सशक्त बनाने और उनके दैनिक जीवन को अधिक स्वतंत्र व सुलभ बनाने के लिए विकसित किए गए अत्याधुनिक उपकरणों– 'नेविनॉट' और 'साइनएक्स' – का प्रदर्शन करना था।

बैठक के दौरान सचिव यादव के समक्ष इन 'मेड इन इंडिया' तकनीकों की कार्यप्रणाली और हजारों दिव्यांगों के जीवन में इनके सकारात्मक प्रभाव पर विस्तृत चर्चा की गई। रवि ने दृष्टिबाधित लोगों के लिए भारत का पहला टॉर्च के आकार का कॉम्पैक्ट सहायक उपकरण 'नेविनॉट' प्रस्तुत किया। यह उपकरण बिना पारंपरिक छड़ी के बाधा-मुक्त और सुरक्षित रूप से चलने में मदद करता है। इसमें सटीक रूप से बाधाओं का पता लगाने के लिए एडवांस्ड लिडार सेंसर और अलर्ट के लिए टैक्टाइल वाइब्रेशन की सुविधा है। इसके साथ ही श्रवण एवं वाक् बाधित (मूक-बधिर) व्यक्तियों के लिए 'साइनएक्स' का भी प्रदर्शन किया गया। यह स्मार्ट डेस्क-आधारित एआई उपकरण बिना किसी दुभाषिए के रीयल-टाइम संवाद को संभव बनाता है। यह 97.6 प्रतिशत सटीकता के साथ सांकेतिक भाषा को पहचानकर उसे तुरंत आवाज में बदल देता है, और 'स्पीच-टू-टेक्स्ट' फीचर के जरिए सामने वाले की बातों को स्क्रीन पर दिखाता है।

समाज कल्याण सचिव श्री भुवनेश यादव ने इन नवाचारों की गहरी सराहना करते हुए बेहद सकारात्मक प्रतिक्रिया दी। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि तकनीक के माध्यम से दिव्यांगजनों के जीवन स्तर को ऊंचा उठाना और उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोड़ना शासन की प्राथमिकताओं में से एक है।

सुविचार

आपके प्रति लोगों का कैसा नजरिया है इसकी ज्यादा चिंता न करें क्योंकि ज्यादातर ऐसे लोग आपका मूल्यांकन करते हैं जिनका खुद का कोई मूल्य नहीं होता।

अब आया ऊंट पहाड़ के नीचे

खुद को दुनिया का चौधरी समझने वाले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ईरान ने सारी दादागिरी निकाल कर रख दी। डोनाल्ड ट्रंप की सनक का खामियाजा इजराइल सहित अन्य खाड़ी देशों को भी भुगतना पड़ रहा है जिन पर ईरान के लगातार हमले जारी हैं। हालांकि डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के साथ बातचीत होने का दावा करते हुए पांच दिनों के संघर्ष विराम की घोषणा की है इसके बावजद ईरान हमले जारी रखे हुए है। अब डोनाल्ड ट्रंप इस जंग से बाहर निकलने का रास्ता तलाश रहे हैं लेकिन उन्हें कोई राह नहीं सुझ रही है। अंततः उन्हें भारत की सरण में आना पड़ा है। डोनाल्ड ट्रंप को इस बात का ऐहसास हो चुका है कि ईरान को यदि कोई समझा सकता है तो वह देश सिर्फ भारत ही है। यह बात वे पहले से जानते थे लेकिन भारतीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ बात करने का उनका मुंह नहीं रह गया था। इस जंग के शुरू होने से पहले उन्होंने भारत की पीठ पर छूरा भोकने में कोई कसर बाकी नहीं छोड़ी थी। कभी उन्होंने भारत की इकोनॉमी को डेड बताया था तो कभी भारत पर पचास प्रतिशत टैरिफ लगाकर व्यापार समझौते के लिए अनुचित दबाव बनाया था। यही नहीं बल्कि पाकिस्तान के खिलाफ भारत द्वारा किये गये आपरेशन सिंदूर को स्थगित कराने का भी उन्होंने झूठा श्रेय लूटा था यही वजह है कि वे भारत से ईरान युद्ध के मामले में बात करने की हिम्मत नहीं कर रहे थे लेकिन आखिरकार ऊंट को पहाड़ के नीचे आना ही पड़ा। डोनाल्ड ट्रंप ने भारतीय पीएम नरेन्द्र मोदी को फोन करके उनसे मिडिल ईस्ट के ताजा हालातों के बारे में चर्चा की और होर्मूज को खोलने के लिए भारत से मदद की गुहार लगाई है। गौरतलब है कि होर्मूज पर ईरान ने अपना एकाधिकार कायम कर लिया है और वहां समुद्र के नीचे बारूदी सुरंग बिछा रखी है। बगैर ईरान की मर्जी के वहं परिंदा भी पर नहीं मार सकता। डोनाल्ड ट्रंप की ईरान को दी गई धमकी भी जब बेकार गई तो ट्रंप को घुटने टेकने पड़े और अब उसने भारत से फरियाद की है कि वह ईरान को बातचीत की टेबल पर बात करने के लिए मनाये और होर्मूज को खुलवा कर अमेरिका को इस जंग से बाहर निकाले। डोनाल्ड ट्रंप और नरेन्द्र मोदी के बीच और क्या बात हुई है इसका तो खुलासा नहीं हो पाया है लेकिन यह तो यह है कि डोनाल्ड ट्रंप ने गिडगिड़ाते हुए भारत से इस मामले में हस्तक्षेप की गुजारिश की है। बहरहाल पीएम मोदी को डोनाल्ड ट्रंप के झांसे नहीं आना चाहिए और अपनी निष्पक्षता बरकरार रखनी चाहिए। वैसे भी इस जंग से भारत का कोई लेना देना नहीं है। ईरान भारत का सहयोग कर ही रहा है। भारत के तेल और गैस टैंकर होर्मूज से लगातार आ रहे हैं। यह आफत डोनाल्ड ट्रंप ने खुद बुलाई है। इससे उन्हें खुद ही निपटने देना चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट का ऐतिहासिक फैसला

अनुसुचित जनजाति के लोग जो धर्म पविर्तन के बावजूद आरक्षण का लाभ लेने से बाज नहीं आते थे उनके खिलाफ सुप्रीम कोर्ट ने ऐतिहासिक फैसला सुनाया है। आंध्रप्रदेश हाईकोर्ट में एक अनुसुचित जाति के व्यक्ति ने ईसाई धर्म अपनाने के बावजूद अनुसुचित जाति जनजाति अधिनियम के तहत अपने लिए आरक्षण की मांग करते हुए एक याचिका दाखिल की थी जिसे हाईकोर्ट ने खारिज कर दिया था। इस मामले को उसने सुप्रीम कोर्ट में चुतौनी दी तो सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट के फैसले को बरकरार रखते हुए यह आदेश पारित किया है कि हिन्दु, सिख और बौद्ध धर्म छोड़कर यदि कोई अनुसुचित जाति का व्यक्ति अन्य धर्म अपनाता है तो वह आरक्षण और अन्य वैधानिक लाभ का पात्र नहीं हो सकता। क्योंकि संवैधानिक प्रावधानों के अनुसार धर्म परिवर्तन के साथ उसका अनुसुचित जाति का दर्जा खत्म हो जाता है। निश्चित रूप से सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला ऐतिहासिक है। लंबे समय से इसे लेकर बहस चल रही थी लेकिन सरकार भी वोट बैंक की राजनीति के चलते इस मामले में स्थिति को स्पष्ट नहीं कर रही थी जिसकी वजह से धर्म परिवर्तन करने वाले लोग आरक्षण का लाभ लते रहे हैं और अभी ले रहे हैं। अब वे सुप्रीम कोर्ट के नीर क्षीर निर्णय के बाद इसके पात्र नहीं रहेंगे।

सद्‌गुरू बोधामृतम्

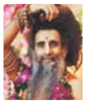
सदगुरू ऋतेश्वर

◆ गुरु की दीक्षा, गुरु का मंत्र, गुरु का ज्ञान हर क्षण भीतर हो तो कोई भी परेशानी किसी भी रास्ते में मिल जाए तो उसे उसी समय पीछे के पांव से हटाकर मुरली वाला सामने खड़ा हो जाएगा क्योंकि हर जगह, हर समय बस अपने गुरु का ही स्मरण है।

◆ जो चैन को बरकरार रखते हुए दूसरे को बेचैन कर सकता है उसको कम बुद्ध मत समझना, वह भी बुद्ध है। समझ आ गया तो मौज में रहिए !!

आज का इतिहास

नई दिल्ली वार्ता। 922 : ईरानी सूफी संत और कवि मंसूर अल-हल्लाज का निधन। 1552: गुरु अमर दास जी सिखों के तीसरे गुरु बने। 1668: इंग्लैंड ने बंबई पर अधिकार कर लिया। 1907 : कवयित्री महादेवी वर्मा का जन्म। 1953 : डॉ जोनास साल्क ने पोलियो से बचाव के लिए नए टीके की खोज की घोषणा की। 1971: शेख मुजीबुर्रहमान ने बांग्लादेश को स्वतंत्र देश घोषित किया। 1972 : तत्कालीन राष्ट्रपति वी वी गिरी ने पहले अन्तरराष्ट्रीय संस्कृत सम्मेलन का उद्घाटन किया। 1973 : गूगल के सह-संस्थापक और कम्प्यूटर वैज्ञानिक लैरी पेज का जन्म। 1973: लंदन स्टॉक एक्सचेंज में महिलाओं की भर्ती की शुरुआत। 1975 : जैविक हथियार संधि अस्तित्व में आई 1979 : अमेरिका में मिस्र-इजराइल समझौते पर हस्ताक्षर हुये।2008: 'पर्पल डे' (मिर्गी जागरूकता दिवस) की शुरुआत कनाडा की कैसिडी मेगन द्वारा की गई। 2020 : कोरोना वायरस से दुनियाभर में मरने वालों की संख्या 21 हजार से अधिक हुई। यूरोप में महामारी के मामले 2,50,000 के पार।

ऐतिहासिक निर्णय: धर्मांतरण और एससी दर्जा

23–24 मार्च 2026 को जस्टिस पी.के. मिश्रा व जस्टिस एन.वी. अंजारिया की दो–सदस्यीय पीठ ने एक ऐतिहासिक फैसला सुनाया कि : जो व्यक्ति हिंदू, सिख या बौद्ध धर्म के अलावा किसी भी अन्य धर्म (ईसाई, इस्लाम आदि) को मानता है, वह अनुसूचित जाति (स्ष्ट) का दर्जा दावा नहीं कर सकता। धर्म परिवर्तन करते ही स्ष्ट दर्जा स्वत: समाप्त हो जाता है।

कैलाश चन्द्र

सुप्रीम कोर्ट द्वारा 23-24 मार्च 2026 को सुनाया गया निर्णय भारतीय न्यायशास्त्र, सामाजिक न्याय और संवैधानिक व्यवस्था के लिए एक निर्णायक मोड़ के रूप में उभरता है। यह फैसला न केवल धर्मांतरण और अनुसूचित जाति दर्जे के संवैधानिक संबंध को स्पष्ट करता है, बल्कि आरक्षण व्यवस्था की आत्मा, उसके सामाजिक-ऐतिहासिक स्वरूप, तथा न्यायिक निरंतरता को भी सुदृढ़ करता है। इस निर्णय के केंद्र में अनुसूचित जाति दर्जे की मूल दार्शनिक अवधारणा निहित है–जो किसी व्यक्ति की आर्थिक कठिनाई, राजनीतिक वंचना या धार्मिक पहचान पर आधारित नहीं, बल्कि हिंदू सामाजिक संरचना में सदियों से चली आ रही जातीय उत्पीड़न, अस्पृश्यता और सामाजिक बहिष्कार की ऐतिहासिक वास्तविकता पर आधारित है। जस्टिस पी.के. मिश्रा और जस्टिस एन.वी. अंजारिया की दो-सदस्यीय पीठ ने अपने निर्णय में यह स्पष्ट किया कि अनुसूचित जाति की परिभाषा मूलतः हिंदू, सिख और बौद्ध धर्म के संदर्भ में ही लागू होती है, क्योंकि अस्पृश्यता तथा जातीय दमन का पूरा इतिहास इन्हीं धार्मिक-सांस्कृतिक ढाँचों के भीतर विकसित हुआ है। 1950 के राष्ट्रपति आदेश ने स्पष्ट रूप से अनुसूचित जातियों की पहचान हिंदू धर्म तक सीमित रखी थी, जिसे 1956 में सिखों और 1990 में बौद्धों तक विस्तारित किया गया। अदालत ने अपने निर्णय में यह रेखांकित किया कि इस ऐतिहासिक संशोधन का आधार भी यही था कि तीनों ही वर्गों की सामाजिक उत्पत्ति और जातिगत उत्पीड़न की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि समान थी। इसके विपरीत, ईसाई और इस्लाम धर्मों में जातिगत अस्पृश्यता या सामाजिक बहिष्कार की कोई मान्य और संरचित परंपरा नहीं पाई जाती। अतः कोई भी व्यक्ति यदि धर्म परिवर्तन करके ईसाई या इस्लाम धर्म अपनाता है, तो वह उस ऐतिहासिक अन्याय की संरचना से बाहर हो जाता है, जिसके निवारण हेतु आरक्षण व्यवस्था बनाई गई थी।

यही तर्क इस महत्वपूर्ण निर्णय की रीढ़ बनता है। सुप्रीम कोर्ट ने अवैध लाभ प्राप्ति, फर्जी प्रमाणपत्र और आरक्षण के दुरुपयोग जैसी उन अनेक समस्याओं को भी ध्यान में रखा, जिनकी शिकायतें वर्षों से राज्यों और न्यायालयों तक पहुँचती रही हैं। कई राज्यों में यह पाया गया कि धार्मिक परिवर्तन के बाद भी कुछ लोग अनुसूचित जाति प्रमाणपत्र का उपयोग जारी रखते हैं, जबकि वे अब उस सामाजिक उत्पीड़न का हिस्सा नहीं रहते, जिस पर आरक्षण आधारित है। अदालत ने इसे संविधान के साथ छ्ल करने की श्रेणी में रखा और कहा कि ऐसे मामलों में राज्य और न्यायालय दोनों की भूमिका अत्यंत कठोर होनी चाहिए।

इस निर्णय का सबसे प्रमुख आधार आंध्र प्रदेश के चिंतादा मामले को माना जा सकता है, जिसमें माला जाति से संबंधित एक व्यक्ति ईसाई धर्म अपनाकर पादरी बन गया था, किंतु वह अनुसूचित जाति प्रमाणपत्र का उपयोग करते हुए शिक्षा व रोजगार में आरक्षण लाभ ले रहा था। आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय ने इसे असंवैधानिक घोषित करते हुए कहा कि ईसाई धर्म का सक्रिय पालन अनुसूचित जाति दर्जे का स्वतः अवसान है। सुप्रीम कोर्ट ने इसी निर्णय को पूर्णतः बरकरार रखते हुए अब इसे राष्ट्रीय स्तर पर एक सिद्धांत के रूप में मान्यता दे दी। अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि यह निर्णय किसी व्यक्ति की धार्मिक स्वतंत्रता में बाधा नहीं है; वह किसी भी धर्म को अपनाने के लिए स्वतंत्र है, परंतु आरक्षण उस सामाजिक संरचना से जुड़ा है जिसे वह धर्मांतरण के पश्चात स्वेच्छा से त्याग देता है।

इस ऐतिहासिक फैसले का एक और महत्वपूर्ण पहलू यह है कि अदालत ने अनुसूचित जाति दर्जे को सामाजिक अत्याचार, बहिष्कार और ऐतिहासिक अन्याय के संदर्भ में परिभाषित किया–कभी भी इसे आर्थिक, राजनीतिक या सांस्कृतिक सुविधा के साधन के रूप में नहीं देखा। निर्णय में यह भी कहा गया कि आरक्षण का उद्देश्य अवसर-समता नहीं, बल्कि सामाजिक पुनर्वास और न्याय की पुनर्स्थापना है। इसलिए यदि कोई व्यक्ति उन परिस्थितियों से बाहर निकल चुका है, तो उसे विशेषाधिकार देना संविधान की नैतिकता के विपरीत है।

इस निर्णय के सामाजिक प्रभाव भी अत्यंत व्यापक रहे। उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद जैसे क्षेत्रों में दलित समाज ने इसे ÷न्याय की जीत÷ बताते हुए जुलूस निकाले और कहा कि अब धार्मिक रूपांतरण के बहाने फर्जी स्ष्ट दर्जे का दुरुपयोग नहीं होगा। यह प्रतिक्रिया दिखाती है कि स्वयं दलित समुदाय भी चाहता है कि आरक्षण की मूल भावना सुरक्षित रहे और इसका लाभ केवल उन लोगों तक पहुँचे जो वास्तव में ऐतिहासिक अत्याचारों के उत्तराधिकार से जूझ रहे हैं।

समान मुद्दों पर इलाहाबाद हाईकोर्ट ने दिसंबर 2025 में कहा था कि धर्म परिवर्तन के बाद SC/ST आरक्षण का कोई भी दावा वैध नहीं है। सुप्रीम कोर्ट के मार्च 2026 के निर्णय ने इस रुख को राष्ट्रीय स्तर की वैधानिक स्वीकृति प्रदान कर दी। इससे न्यायिक दृष्टिकोण में एकरूपता आई और संविधान (SC) आदेश 1950 की भावना को पुनः पुष्ट किया गया।

जनजातीय को सम्मिलित किए बिना अधूरा है सुको का निर्णय

डॉ. प्रवीण गुगनानी

भारतीय सर्वोच्च न्यायालय ने अनुसूचित जाति के संदर्भ में अत्यंत ही महत्वपूर्ण निर्णय दिया है। इस निर्णय से धर्मांतरण के अवैध व असामाजिक कृत्यों से देश को अंशतः मुक्ति मिलेगी। यद्यपि यह निर्णय अभी अधूरा है, जनजातीय समाज को भी इस निर्णय में सम्मिलित करने से ही देश आरक्षण के दुरुपयोग को रोक पायेगा, तथापि, इस निर्णय से भारत में आरक्षण कानून की आत्मा की अंशतः रक्षा तो होगी ही। यद्यपि यह निर्णय समय की माँग के अनुसार जनजातीय वर्ग को अपने प्रभाव में नहीं ले रहा है तथापि इस प्रकार के निर्णय की प्रतीक्षा देश का अनुसूचित जनजातीय समाज बड़ी आतुरता से कर रहा है।

शीर्ष न्यायालय ने स्पष्ट किया है कि अनुसूचित जाति (SC) के अंतर्गत मिलने वाले आरक्षण का लाभ केवल उन्हीं को मिलेगा जो मूल रूप से उस सामाजिक-धार्मिक श्रेणी में बने रहते हैं। यदि कोई व्यक्ति धर्म परिवर्तन कर लेता है, तो वह स्वतः उस आरक्षण के अधिकार से वंचित हो सकता है, क्योंकि यह आरक्षण ऐतिहासिक सामाजिक वर्गीकरण के आधार पर दिया गया है।

यह निर्णय केवल एक कानूनी व्याख्या नहीं, बल्कि सामाजिक समरसता को, सामाजिक संरचना को व हिंदुत्व के विरुद्ध चल रहे कुचक्र को रोकने वाला महत्वपूर्ण कदम है। स्वामी विवेकानंद ने धर्मांतरण की आग की आँच को भाँपकर ही कहा था - "एक धर्मांतरण एक देशद्रोही को जन्म देता है।"

भारत में विदेशी आक्रांताओं द्वारा भारतीय जाति व्यवस्था को षड़यंत्रपूर्वक छिन्न-भिन्न किया गया था। विदेशी आक्रमणकारी चाहे वे मुस्लिम हों या अंग्रेज़ अपने लाभ के लिए भाले-भाले हिंदू समाज में जातियों के आधार पर मतभेद के बीज बोते रहे हैं और सत्ता की फसल काटते रहे हैं। विदेशी आक्रणताओं के षड्यंत्रों के परिणाम स्वरूप ही पराधीन भारत में कई जातियों को हिंदू समाज में घोर उपेक्षा, अनदेखी, अनादरण व अपवंचन का करना पड़ा था।

सुप्रीम कोर्ट ने निर्णय दिया है कि जब कोई व्यक्ति धर्म बदलता है, तो वह उस मूल सामाजिक ढांचे से बाहर आ जाता है, जिसके कारण उसे आरक्षण दिया गया था। यह सही भी है। विदेशी धर्मों को मानने वाले कई लोग धर्म बदलकर भी आरक्षण का लाभ उठा रहे थे जो कि आरक्षण कानून की मूल आत्मा के ही विरुद्ध है। सर्वोच्च न्यायालय ने यह मंतव्य प्रकट किया है कि ईसाईत व इस्लाम में जाति व्यवस्था का उल्लेख ही नहीं है अतः जातिगत भेद-विभेद भी इन धर्मों में नहीं होते हैं। यह निर्णय ईसाई एवं इस्लामिक की मान्य मजहबी किताबों के आशय / दुराशय को ही आगे बढ़ाता है। बौद्ध, जैन, सिक्ख समुदाय को आरक्षण का लाभ पूर्ववत् मिलता रहेगा क्योंकि इनमें जाति व्यवस्था लागू है।

भारतीय समाज समाज में मंथन चलता रहा है कि धर्मांतरण केवल आस्था का विषय है या इसके पीछे

सामाजिक, आर्थिक और संस्थागत कारण भी काम करते हैं। अधिकांश धर्म परिवर्तन के मामलों में यह देखा गया है कि गरीब और वंचित वर्गों को शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार या अन्य सुविधाओं के माध्यम से प्रभावित कर धर्म परिवर्तन के लिए प्रेरित किया जाता है। मतांतरण के पीछे केवल और केवल दुराशय ही होते हैं। यह और कुछ नहीं अपितु भारत में जनसांख्यिकीय संतुलन को बिगाड़ कर अपनी संख्या बढ़ाने समाज, सत्ता, व्यवस्था को मजहबी कानून से चलाने का एक षड्यंत्र है। लोकतंत्र में संख्या बल ही सत्ता को निर्धारित, नियंत्रित व नियमित करता है। धर्मांतरण कुचक्र का लक्ष्य अपनी संख्या बढ़ाने और टेक्टिकल वोटिंग के माध्यम से निर्णय प्रक्रिया में हावी होने का रहता है।

इस विषय में यह भी ध्यान देना चाहिए कि दो कथित धर्म की मूल व्याख्याओं में ही अपनी संख्या को येन केन प्रकारेण बढ़ाने का मूल लक्ष्य सम्मिलित है। यह एक प्रामाणिक तथ्य है जिसे हम इनकी मजहबी किताबों में सरलता दे देख सकते हैं। यहीं से मतांतरण एक राष्ट्र विरोधी कार्य बन जाता है। भारत में ईसाईयत एवं इस्लाम की विस्तारवादी दुष्प्रवृत्ति मतांतरण का प्रमुख कारण है। ईसाईयत एवं इस्लाम दुष्प्रवृत्ति ने भारत के जातीय वर्गीकरण में असंतोष, भेद, विभेद, मतभेद, दूरियों के बीज बोए और सत्ता हथियाकर भारतीय धन-संपदा, संसाधनों को भरपूर लूटा है। सर्विदित है कि भारत में निर्धन वर्ग को व अनुसूचित जाति व अनुसूचित जनजाति के बंधुओं को लक्ष्य बनाकर ईसाई व मुस्लिम संस्थानों द्वारा धर्मांतरण कराया जा रहा है। यह धर्मांतरण लव जिहाद, लैंड जिहाद आदि जैसे आपराधिक तरीकों से कराया जा रहा है। शिक्षा, स्वास्थ्य, नौकरी, कुछ सुविधाएँ, आदि देने के नाम पर बलात् मतांतरण के लाखों मामले देश के वायुमंडल में विष घोलते रहे हैं। डरा-धमकाकर, बहला-फुसलाकर भारतीय ग्रामीणों भी मतांतरण कराए जाने के लाखों मामले प्रतिवर्ष समाज में आते रहे हैं। इस प्रकार के मामले सामने आने पर देश में अनेक बार सामाजिक शांति, सौहाद्र, सद्भाव बिगड़ता है व कानून व्यवस्था भंग होती है। मतांतरण के कारण देश में झगड़े, दंगे, बवाल होते हैं। अब सुप्रीम कोर्ट के इस निर्णय से आरक्षण का लाभ समाप्त होने के भय से मतांतरण की गति कम होगी। यह निर्णय सुनिश्चित करता है कि आरक्षण का लाभ उसी उद्देश्य के लिए उपयोग हो, जिसके लिए उसे बनाया गया था। स्वाभाविक ही है कि धर्म परिवर्तन के साथ व्यक्ति का सामाजिक नेटवर्क, संस्थागत समर्थन और जीवनशैली बदल सकती है। ऐसे में यह प्रश्न उठता है कि क्या वह पहले जैसी सामाजिक वंचना का सामना कर रहा है या नहीं?

इस निर्णय का स्वागत समूचा देश कर रहा है किंतु इसमें अभी कुछ और सुधार होना शेष है। स्ष्ट के साथ-साथ यह नियम स्ञ्ज पर भी लागू होना चाहिए था। देश का जनजातीय समाज भी इन विदेशी व आयातित धर्मों के दुश्चक्र का बड़ा शिकार रहा है। देश का इतिहास साक्षी है कि वनवासी समाज को बड़ी मात्रा में शिक्षा, स्वास्थ्य, आर्थिक लालच, लव जिहाद, लैंड जिहाद, डरा-धमकाकर मतांतरण के कुएँ में धकेला जाता रहा है।

सर्वोच्च न्यायालय को इस वन्दनीय निर्णय के आलोक में जनजातीय आरक्षण, मतांतरण आदि का अध्ययन करके स्वयं ही संज्ञान लेना चाहिए।

पाठकों की बात — पत्र, प्रतिक्रियाएं, सोशल मीडिया

चारों तरफ यही अफ्वाह है। मुझे बस तुम्हारी परवाह है।। जबसे पंख लगे महंगाई को, लगती सदा कम तनख्वाह है।। हर कदम से हैं शिकायतें, मेरा नसीब ही गुमराह है।। जहाँ दफ्न हैं मेरी ख्वाहिशें- वही जगह पाक दरगाह है।। कैसे कहूँ मिला नहीं कुछ. पास तुझसा ये मिस्बाह है।। ना रहे विवाद दरमियान कोई, चलो करते बिस्मिल्लाह हैं।। जहाँ मिलते दिल भेदभाव छोड़, गिरीश वो जन्नत है ईदगाह है।।

– गजेन्द्र द्विवेदी गिरीश

दुनिया को कमाता हुआ पुरुष ही भाता है, थका हुआ चेहरा अक्सर अनदेखा रह जाता है। दिन भर संघर्षों में खुद को जो गलाता है, रात को भी चैन से वो कहाँ सो पाता है। जिसके कंधों पर पूरा घर-परिवार टिका होता है, उसके मन का बोझ भला कौन समझता है? कमाई से ही मूल्यांकन यहाँ पुरुषों का होता है, थकान का दर्द जैसे सदैव मौन ही सोता है।।

– अनुराधा सिंह

शाम तक सुबह की नज़रों से उतर जाते हैं। इतने समझौतों पे जीते हैं कि मर जाते हैं।। घर की गिरती हुई दीवारें ही मुझ से अच्छी। कमल रास्ता चलते हुए लोग ठहर जाते हैं।। हम तो बे-नाम इरादों के मुसाफ़िर हैं दोस्त। कुछ पता हो तो बताएँ कि किधर जाते हैं।। आपका दिन शुभ और मंगलमय हो।

– कमलकांत डोंगरे

अगर किसी को गम है तो वो भी गुजर जायेगा, जब खुशियां चली गयी तो गम की क्या औकात! खुशियां मोबाइल के नेट की तरह होती हैं, जैसे अच्छी वीडिओ देखते देखते नेट कब खत्म हो गया पता ही नही चलता, वैसे ही खुशियां कब काफुर हो जाएं कोई भरोसा नहीं।

– पंडित विजय लक्ष्मी

चलो आज फिर से यादों के झरोखे खोलते हैं बंद पुराने किस्सों का संदूक फिर से खोलते हैं दफ्न थी किसी कोने में जो मासूम नादानियाँ, चलो आज फिर से उन्हें महसूस करते हैं आज की इस भागदौड़ भरी जिंदगी में,हम कहीं ना कहीं अपना बचपन पीछे छोड़ आए हैं अगर आप भी अपने उस मासूम दौर को मिस करते हैं, तो एक जरूर छोड़ जाना। **– रेनु सिंघल**

दिल्ली मे पूर्व पाकिस्तान हाई कमिश्नर रह चुके और भारत मे कांग्रेस के प्रिय अब्दुल बासित ने धमकी दी है कि दिल्ली और मुंबई पर हमला कर देंगे यदि अमेरिका पाकिस्तान पर हमला करता है । बासित के दिल्ली आफिस मे इफ्तार करने वालो मे से किसी ने इसकी आलोचना नही की । – **एडवोकेट अरूण कुमार गुप्ता**

कभी झुककर रिश्ते को संभाला तो कभी रूककर साथ चलने का इंतजार किया पर हर बात की एक तय सीमा होती है ना तो अब रीढ़ को सीधा कर दिया है रास्ते पर ठहरने का अब सवाल ही पैदा नहीं होता है। **– सरिता सैल**

राशि फल

पं. देवव्रत शर्मा

मेष राशिः मेष राशि वालों आज आपका दिन मिला जुला रहेगा। आज सफलता मिलने से थकान दूर हो जाएगी।

वृषभ राशिः वृष राशि वालों आज आपका दिन शानदार रहेगा। आज आत्मविश्वास और मनोबल के सहारे आप नई उपलब्धि प्राप्त करेंगे। आज घर में रिश्तेदारों के आगमन से खुशनुमा माहौल बना रहेगा।

मिथुन राशिः मिथुन राशि वालों आज आपका दिन व्यस्तता से भरा रहेगा। आज अत्यधिक जिम्मेदारियां रहेंगी परंतु आप उचित व्यवस्था बनाकर हल भी निकाल लेंगे।

कर्क राशिः कर्क राशि वालों आज आपका दिन व्यस्तता में बीतेगा। अनुभवी लोगों से मेल मिलाप तथा नई जानकारियां हासिल होंगी।

सिंह राशिः सिंह राशि वालों आज का दिन आपके अनुकूल रहेगा। आज कई तरह की गतिविधियों में आपका रुझान रहेगा। आज किसी भी कार्य को करने से पहले उसके सकारात्मक व नकारात्मक पहलुओं पर अवश्य विचार कर लें।

कन्या राशिः कन्या राशि वालों आज आपका दिन फेवरेबल रहेगा। आज कार्यप्रणाली बेहतर होगी और किसी काम में उचित सफलता मिलने से उत्साह और अधिक बढ़ेगा।

तुला राशिः तुला राशि वालों आज नए कार्यों को करने में आपको भाग्य का पूरा साथ मिलेगा। आज कुछ समय आत्म मनन और चिंतन में लगाएं। ज्यादा मेहनत की वजह से स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है।

वृश्चिक राशिः वृश्चिक राशि वालों आज आपका दिन शानदार रहने वाला है। आज सकारात्मक गतिविधियों में खुद को व्यस्त रखेंगे। आज अपने गुस्से को कंट्रोल में रखें तथा फिजूलखर्च पर भी नियंत्रण रखें।

धनु राशिः धनु राशि वालों आज आपका दिन कॉन्फिडेंस से भरा रहेगा। आज कुछ नई उपलब्धियां आपका इंतजार कर रही हैं। इस बेहतरीन समय का उचित सदुपयोग करें।

मकर राशिः मकर राशि वालों आज आपकी कई योजनाएं समय से पूरी हो जायेंगी। आज बड़े बुजुर्गों का आशीर्वाद व कृपा प्राप्त होगी और उनके मार्गदर्शन में आप खास निर्णय लेने में आसानी महसूस करेंगे।

कुंभ राशिः कुंभ राशि वालों आज बड़ा और अलग काम करने की सोच सकते हैं। आज का दिन परिवार के साथ हर्षोल्लास में बीतेगा। आज आप अनुभवी लोगों के मार्गदर्शन पर जरूर अमल करें, निश्चित ही आपको सफलता मिलेगी।

मीन राशिःमीन राशि वालों आज आपके अधूरे कार्य पूरे हो जायेंगे। आज आप बच्चों से मित्रवत व्यवहार रखें तथा उनकी समस्याओं को सुनें और सुलझाएं।

QUIZ TIME

Ramaquiz

1) दुनिया की सबसे लंबी एक्सप्रेसवे सुरंग, तियानशेन शेंगिल सुरंग, किस देश में स्थित है?

2) इडियोपैथिक पल्मोनरी फाइब्रोसिस किस प्रकार की बीमारी है?

3) हर साल विश्व आयोडीन अल्पता दिवस किस दिन मनाया जाता है?

4) साहित्य में नोबेल पुरस्कार 2024 किसे दिया गया है?

5) 58वें ज्ञानपीठ पुरस्कार 2025 के विजेता कौन थे?

उत्तरमाला- (1) चीन (2) फेफड़ों की बीमारी (3) 21 अक्टूबर (4) हान कांग (5) गुलजार और रामभद्राचार्य

पहेली

शब्द सामर्थ्य -353

बाएं से दाएं: [illegible]

ऊपर से नीचे: [illegible]

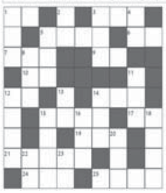

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 352 का हल

सत्तापक्ष और विपक्ष ने अधिकारियों पर लगाए मनमानी के आरोप, भ्रष्टाचार को लेकर विपक्ष का भारी हंगामा, लगातार घिरते रहे कमिश्नर और राजस्व अधिकारी

भिलाई नगर निगम में 838 करोड़ का बजट पारित

भिलाई/नवप्रदेश। नगर निगम की बजट सभा में आज महापौर नीरज पॉल ने कुल 838 करोड़ का बजट पेश किया। दिन भर चली बैठक के बाद बजट पारित कर दिया गया। बजट को मंजूरी के लिये शासन को भेजा जाएगा। इससे पहले महापौर के बजट भाषण के फौरन बाद सदन में निगम अफसरों खास तौर पर निगम कमिश्नर राजीव पांडे की मनमानी को लेकर जमकर हंगामा हुआ। निगम के वरिष्ठ पार्षद पीयूष मिश्रा ने निगम कमिश्नर पर मनमानी का आरोप लगाया। उन्होंने निगम एक्ट को ताक पर रखकर अलग-अलग मदों की राशि का उपयोग दूसरे मद में किये जाने पर कमिश्नर और राजस्व अधिकारी को घेरा। नेता प्रतिपक्ष भोजराज सिन्हा द्वारा महापौर समेत सत्तापक्ष पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाने पर सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच जोरदार हंगामा हुआ। सत्तापक्ष ने आरोप लगाया कि प्रदेश में भाजपा की सरकार है। अगर करप्शन हुआ है तो इसकी जांच क्यों नहीं कराई जा रही है। प्रदेश की भाजपा सरकार ही करप्शन को बढ़ावा दे रही है। महापौर के बजट पेश करते ही पार्षद पीयूष मिश्रा ने बजट की टाइमलाइन को लेकर सवालों की झड़ी लगा दी। जवाब देते हुए निगम सचिव ने बताया कि निगम एक्ट के मुताबिक एमआईसी में 30 नवंबर तक बजट प्रस्ताव रखा जाना चाहिये। इसके बाद सामान्य सभा में बजट पेश होता है। पीयूष ने कहा कि निगम एक्ट के अनुसार तय समयसीमा में बजट पेश नहीं किया गया। यह निगम अधिकारियों की मनमानी का उदाहरण है। बाद में नेता प्रतिपक्ष भोजराज सिन्हा ने आरोप लगाया कि हर साल अनुमानित बजट का लुभावना सपना दिखाया जाता है। बजट के अनुसार शहर का विकास नहीं किया गया है। उन्होंने निगम मद से ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के ठेकेदार को को 40 करोड़ का भुगतान करने पर भी तीखी आपत्ति जताई। शहर के नागरिकों से पैनल चार्ज वसूलने और संपत्ति कर में विधवा, दिव्यांगजनों को 50 प्रतिशत की छूट न मिलने पर भी सवाल उठाए। सिन्हा ने कहा कि केवल भिलाई में पैनल चार्ज वसूल किया जा रहा है। महापौर बताएं कि नागरिकों का पैनल चार्ज माफहोगा या नहीं। उन्होंने दिव्यांगो और विधवा महिलाओं को संपत्तिकर में 50 प्रतिशत छूट देने का प्रावधान लागू करने की मांग भी की। नेता प्रतिपक्ष ने 2000 प्लेसमेंट कर्मचारियों के पीएफ की राशि जमा न करने का मामला भी उठाया।

वरिष्ठ पार्षद पीयूष मिश्रा ने शिक्षा उपकर की राशि का उपयोग स्कूलों के संधारण की बजाय दूसरे मद में खर्च करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि किसके आदेश से शिक्षा उपकर की राशि दूसरे मदों में खर्च की जा रही है। इस मामले को लेकर उन्होंने निगम कमिश्नर से जवाब मांगा। पीयूष ने कहा कि शिक्षा उपकर की राशि का उपयोग निगम मद में डालना आर्थिक अपराध की श्रेणी में आता है। महापौर नीरज पॉल ने भी जोर देकर कहा कि जिस मद की राशि है, उसी मद में राशि का उपयोग किया जाना चाहिये।

सवालों में घिरते रहे कमिश्नर और अफसर

बजट सभा के दौरान निगम कमिश्नर और राजस्व अधिकारी की लगातार घेरेबंदी की गई। शिक्षा उपकर सहित अन्य मदों की राशि का उपयोग वेतन भुगतान सहित अन्य मदों में खर्च किये जाने पर निगम कमिश्नर राजीव पांडेय ने सदन को बताया कि दूसरे मद में राशि के उपयोग का मामला शासन की जानकारी में है। नगर निगम में वेतन सहित स्थापना व्यय में काफी राशि खर्च होती है। निगम की आय से वेतन भत्ते की राशि का भुगतान नहीं किया जा सकता है। नगर निगम की आमदनी शीघ्र बेहतर होगी। इसके बाद 4 करोड़ की शिक्षा उपकर की राशि का उपयोग स्कूलों से संबंधित कार्य में ही किया जाएगा।

आयुक्त बोले - बुद्धिपूर्वक चर्चा होगी तो बैठूंगा, भड़के पार्षदों ने आयुक्त को हटाने की मांग की

सदन में पार्षदों के सवालों से लगातार घिरने के बाद आयुक्त राजीव पांडेय ने सदन में कह दिया कि बुद्धिपूर्वक चर्चा होगी तो ही वे सदन में बैठेंगे। इस पर कांग्रेस और बीजेपी पार्षदों ने तीखा विरोध जताते हुए आयुक्त को हटाने का प्रस्ताव पारित किया। इस प्रस्ताव पर महापौर नीरज पाल सहित सभी पार्षदों ने हस्ताक्षर किए।

सभा खत्म होने के बाद महापौर नीरज पाल ने कहा कि आयुक्त ने अमर्यादित भाषा में बात की है। वो कह रहे थे कि बुद्धिपूर्वक बात करिए। सवाल ये है कि क्या हम हंसी-मजाक कर रहे थे। नेता प्रतिपक्ष भोजराम सिन्हा ने आयुक्त के शब्दों की निंदा की। इधर, आयुक्त राजीव पांडेय ने कहा कि किसी भी सवाल का जवाब एमआईसी सदस्यों को देना चाहिए। संबंधित प्रभारी के जवाब के बाद सभापति के कहने पर अधिकारी जवाब देंगे। इस मुद्दे पर पार्षदों को बुरा लगा है।

सामान्य सभा की मंजूरी के बिना कैसे किया टेंडर

विपक्षी भाजपा पार्षदों ने प्लाटों की बिक्री के मामले में भी निगम कमिश्नर राजीव पांडे को घेरा। पार्षदों ने कहा कि सफाई कार्य करने वाली जिस एजेंसी पर भ्रष्टाचार और गड़बड़ी के आरोप लगते रहे हैं, उसी एजेंसी को प्राथमिकता से भुगतान किया जा रहा है। भाजपा पार्षद संतोष मौर्य ने आरोप लगाया कि सामान्य सभा में प्रस्ताव लाए बिना 22 करोड़ से अधिक राशि का टेंडर कैसे कर दिया गया। जोन 1 के आयुक्त पर बिफरते हुए पार्षद पीयूष मिश्रा ने तीखे लहजे में कहा कि 22 करोड़ का सीवरेज टेंडर किसके कहने पर किया गया। इस दौरान महापौर ने अधिकारियों को जिम्मेदारी से जवाब देने कहा। पार्षदों ने सवाल किया कि पूर्व में सफाई को लेकर जांच कमेटी की रिपोर्ट का क्या हुआ। पेवर ब्लॉक, शिक्षा उपकर की राशि, नामांतरण सहित अन्य मामलों में भी जांच कमेटी का गठन किया गया। जांच की रिपोर्ट कहां है और सदन के समक्ष कब पेश किया जाएगा।

अफीम के नशे में चल रही सरकार

नेता प्रतिपक्ष भोजराज सिन्हा बजट सभा में सूटकेस लेकर आए थे। उन्होंने सूटकेस खोलते हुए कागजों का पुलिंदा दिखाते हुए कहा कि पेवल ब्लाक मामले में गड़बड़ी, ठेकेदारों को भुगतान सहित सफाई कार्य में हुए भ्रष्टाचार में सत्तापक्ष शामिल है। सिन्हा के इतना कहते ही एमआईसी मेंबर लक्ष्मीपति राजू, सीजू एंथोनी, पार्षद के जगदीश ने सत्तापक्ष की ओर से मोर्चा संभाल लिया। उन्होंने कहा कि राज्य में सुशासन की सरकार गड़बड़ी के आरोपों की जांच क्यों नहीं करा रही। प्रदेश की भाजपा सरकार भ्रष्ट है। करप्शन को भाजपा सरकार ही संरक्षण दे रही है। इस मुद्दे पर दोनों पक्षों के बीच तीखी बहस होती रही। कांग्रेस पार्षदों ने आरोप लगाया कि अफीम के नशे में चल रही प्रदेश सरकार गड़बड़ी और भ्रष्टाचार की जांच नहीं कराई जा रही है।

न्यूज गैलरी

डीएमसी प्रीमियर लीग में नरसिम्हा पावर हीटर कुम्हारी विजेता

कुम्हारी। डी एम सी प्रीमियर लीग कुम्हारी का फाइनल मैच नरसिम्हा पावर हीटर और सीजे टाइटन में मध्य खेला गया जिसमे नरसिम्हा पावर हीटर कुम्हारी ने 17 रनों से जीत हासिल की। करण कुमार 36 रन बनाकर मेन ऑफ द मैच रहे। लीग मैच में कुल 6 टीमों ने हिस्सा लिया था। विगत 6 वर्षों से लगातार इस टूर्नामेंट का आयोजन किया जा रहा है। मैच में कमेंट्री उमेश ने किया और कार्यक्रम का संचालन इमरान रिज़वी ने किया। पूरे आयोजन में वेद प्रकाश साहू, रवि वाधवानी, डॉ टिकेंद्र पटेल, दीपक गोस्वामी, पूर्व पार्षद राजू राव, आलोक सिंह, निज़ाम, राजू मंडल, राकेश, राजेश, शुभम, मनीष, विपुल दुबे, निरंजन, चमन, हितेश, सुमित खोडियार और देवाशीष सक्रिय रहे।

सेमरिया में अहाता निर्माण, 6 लाख स्वीकृत

दुर्ग। कलेक्टर अभिजीत सिंह ने विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र विकास योजना के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए विधानसभा क्षेत्र साजा में विकास कार्य के लिए प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की है। साजा विधानसभा क्षेत्र विधायक ईश्वर साहू द्वारा अनुशंसित इस कार्य के लिए 6 लाख रुपए की राशि स्वीकृत की गई है। स्वीकृत राशि से विकासखंड धमधा के अंतर्गत ग्राम पंचायत सेमरिया में सेन भवन के पास अहाता निर्माण का कार्य कराया जाएगा। इस कार्य के संपादन के लिए क्रियान्वयन एजेंसी मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जनपद पंचायत धमधा को नियुक्त किया गया है।

वेल्डिंग एवं गैस कटिंग में सुरक्षा पर प्रशिक्षण

भिलाई। सेल-बीएसपी के एसपी-3 विभाग द्वारा सुरक्षा सप्ताह के अंतर्गत वेल्डिंग एवं गैस कटिंग में सुरक्षा विषय पर विशेष प्रशिक्षण सत्र का आयोजन प्रेरणा विकास केंद्र, एसपी-3 में किया गया। प्रशिक्षण का उद्देश्य उच्च जोखिम वाले कार्यों में सुरक्षा जागरूकता को सुदृढ़ करना और सुरक्षित कार्य व्यवहार को प्रोत्साहित करना रहा। सत्र का संचालन औद्योगिक विशेषज्ञ महाप्रबंधक (मार्स-3) एवं सचिव, आईआईडब्ल्यू भिलाई चैप्टर राजेश अग्रवाल और कनिष्ठ कार्यपालक सहायक (मार्स) व राष्ट्रीय वेल्डिंग प्रतियोगिता के स्वर्ण पदक विजेता परमेश्वर लाटिया ने किया। महाप्रबंधक (एलडीसीपी) व संयुक्त सचिव, आईआईडब्ल्यू भिलाई चैप्टर वीके ओगले, उप महाप्रबंधक (एसपी-3) एमयू राव सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम मुख्य महाप्रबंधक सजीव वर्गीस के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। प्रशिक्षण के दौरान सुरक्षित वेल्डिंग एवं गैस कटिंग प्रक्रियाओं, संभावित खतरों की पहचान, मानक संचालन प्रक्रियाओं के पालन और कार्यस्थल पर व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरणों के उचित उपयोग पर विशेष बल दिया गया।

बोरसी उपकेंद्र की क्षमता में वृद्धि, 14,500 उपभोक्ताओं को मिलेगी बिजली

दुर्ग। छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड द्वारा दुर्ग क्षेत्र के उपभोक्ताओं को गुणवत्तापूर्ण और निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। मुख्य अभियंता संजय खंडेलवाल के दिशा-निर्देशों एवं अधीक्षण अभियंता (नगर वृत्त दुर्ग) जे. जगन्नाथ प्रसाद के कुशल मार्गदर्शन में बोरसी जोन के अंतर्गत 33/11 केवी बोरसी उपकेंद्र में पॉवर ट्रांसफार्मर की क्षमता का आवर्धन सफलतापूर्वक पूर्ण किया गया। उपकेंद्र में बढ़ते लोड को देखते हुए 3.15 एमवीए के ट्रांसफार्मर को बदलकर 5 एमवीए का नया पॉवर ट्रांसफार्मर ऊर्जीकृत किया गया। लगभग 60 लाख 38 हजार रुपये की लागत से संपन्न हुए इस कार्य से बोरसी क्षेत्र की विद्युत व्यवस्था काफी सुदृढ़ होगी। उपकेंद्र की क्षमता वृद्धि से क्षेत्र के लगभग 14,500 से अधिक घरेलू एवं गैर-घरेलू उपभोक्ताओं को सीधे तौर पर लाभ मिलेगा। अब उपभोक्ताओं को लो-वोल्टेज की समस्या से निजात मिलेगी और गर्मी में बढ़ते लोड को बेहतर और स्थिर वोल्टेज के साथ बिजली मिल सकेगी।

भिलाई इस्पात संयंत्र में एबीएमएस की उच्च- स्तरीय प्रबंधन समीक्षा

भिलाई/नवप्रदेश। आईएसओ 37001:2016 के अंतर्गत एंटी ब्राइबरी मैनेजमेंट सिस्टम (एबीएमएस) के लिए प्रमाणित भिलाई स्टील प्लांट में विगत दिनों इस्पात भवन स्थित निदेशक प्रभारी सम्मेलन कक्ष में उच्च-स्तरीय 'टॉप मैनेजमेंट रिव्यू मीटिंग' आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता निदेशक प्रभारी चित्त रंजन महापात्र ने की। इस अवसर पर संयंत्र के शीर्ष प्रबंधन के अधिकारीगण कार्यपालक निदेशक (सामग्री प्रबंधन) एके चक्रवर्ती, कार्यपालक निदेशक (वित्त एवं लेखा) प्रवीण निगम, कार्यपालक निदेशक (परियोजना) पीके सरकार, कार्यपालक निदेशक (संकार्य) राकेश कुमार, कार्यपालक निदेशक (खदान) और सीएमएलओ कमल भास्कर, कार्यपालक निदेशक (रावघाट) और सीएमएलओ अरुण कुमार, कार्यकारी कार्यपालक निदेशक (मानव संसाधन) एवं मुख्य महाप्रबंधक (नगर प्रशासन एवं सीएसआर) उत्पल दत्ता सहित सभी मुख्य महाप्रबंधक व विभागाध्यक्ष उपस्थित रहे।

बैठक के दौरान मुख्य महाप्रबंधक (सतर्कता) एवं अतिरिक्त मुख्य सतर्कता अधिकारी तथा अतिरिक्त मुख्य एबीएमएस अधिकारी सुनील सिंघल द्वारा विस्तृत प्रस्तुतीकरण दिया गया। उन्होंने अवगत कराया कि भिलाई इस्पात संयंत्र को भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) द्वारा 9 जनवरी 2024 से आईएस/आईएसओ 37001:2016 प्रमाणपत्र प्रदान किया गया और वर्तमान में संयंत्र के लगभग 34 विभाग एवं अनुभाग इस प्रणाली के अंतर्गत प्रभावी रूप से कार्य कर रहे हैं।

निदेशक प्रभारी चित्त रंजन महापात्र की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक के दौरान पारदर्शिता एवं नैतिकता को और अधिक सुदृढ़ करने हेतु विभिन्न महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। इनमें कर्मचारियों के मध्य एबीएमएस के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए संयंत्र के प्रमुख स्थानों पर पोस्टर एवं बैनर प्रदर्शित करने, एबीएमएस विषयक प्रशिक्षण सामग्री तैयार कर 'आईगॉट कर्मयोगी' प्लेटफॉर्म पर अनिवार्य पाठ्यक्रम के रूप में उपलब्ध कराने और संवेदनशील विभागों व अनुभागों की पुनः समीक्षा कर निगरानी तंत्र को और अधिक प्रभावी बनाने जैसे निर्देश शामिल रहे।

इस अवसर पर सतर्कता विभाग के महाप्रबंधकगण संदीप गुप्ता, रेणु गुप्ता, दीप्ति राज, सहायक महाप्रबंधक हिमांशु दवे, वरिष्ठ प्रबंधक अनुराग मित्तल, सहायक प्रबंधक प्रफुल्ल करोड़े, राम प्रवेश कुमार सहित अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे।

मिनी बस ने बाइक को टक्कर मारी, दो की मौत

दुर्ग/नवप्रदेश। धमधा थाना क्षेत्र में सड़क हादसे में दो लोगों की मौत हो गई। 24 मार्च को शाम करीब 6:30 बजे ग्राम गिरहोला निवासी हरीश चंद्र यादव (48 वर्ष) और भोले यादव (35 वर्ष) अपने भतीजे की बारात से लौट रहे थे। उनकी मोटरसाइकिल को एक तेज रफ्तार मिनी बस ने टक्कर मार दी। दुर्घटना स्वामी आत्मानंद स्कूल और कलश मंदिर के बीच मुख्य मार्ग पर हुई। मृतक हरीश चंद्र यादव और भोले यादव अपनी पल्सर मोटरसाइकिल (सीजी 07 सीएक्स 7712) से बरहापुर से धमधा लौट रहे थे। इसी दौरान खैरागढ़ की ओर जा रही एक मिनी बस (सीजी 07 ई 0669) ने तेज रफ्तार और लापरवाही से वाहन चलाते हुए उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि बस की रफ्तार काफी तेज थी। बाइक सवार दोनों व्यक्तियों को गंभीर चोटें आईं और उनकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद सड़क पर अफरा-तफरी मच गई और बड़ी संख्या में लोग घटनास्थल पर जमा हो गए। घटना की सूचना मिलते ही धमधा पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची। पुलिस ने दोनों घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र धमधा पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिए जाएंगे। मृतक अपने भतीजे प्रहलाद यादव की बारात में शामिल होने धमधा आए थे।

भिलाई में सट्टा-जुआ, 9 आरोपी गिरफ्तार

भिलाई/नवप्रदेश। अवैध सट्टा और जुआ के खिलाफ अभियान छेड़ते हुए पुलिस ने भिलाई नगर और पुरानी भिलाई थाना क्षेत्र में अलग-अलग जगहों पर दबिश देकर 9 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। दोनों मामलों में पुलिस ने नगद रकम, मोबाइल फोन, सट्टा पट्टी के साथ कुल 2 लाख 51 हजार रुपए की सामग्री जप्त की है। आरोपियों के खिलाफ छत्तीसगढ़ जुआ प्रतिषेध अधिनियम और बीएनएस की धाराओं के तहत कार्रवाई की गई है।

पुलिस को सूचना मिली थी कि भिलाई नगर थाना क्षेत्र के सेक्टर-5 क्रॉस स्ट्रीट-4 में मंच के पास कुछ लोग सट्टा पट्टी लिख रहे हैं। पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घेराबंदी कर चार लोगों को सट्टा लिखते हुए पकड़ लिया। आरोपियों के पास से नगद रकम और कई मोबाइल फोन जप्त किए गए। इस मामले में संजय सेनापति, संतोष कुमार चौहान, दिनेश कुमार और मनीष को गिरफ्तार किया गया है। जप्त सामान की कुल कीमत करीब 43 हजार रुपए बताई गई है।

दूसरी कार्रवाई पुरानी भिलाई थाना क्षेत्र के भिलाई-3 में नूतन चौक शिव मंदिर के पास की गई। यहां कुछ लोग अंकों के आधार पर रुपये का दांव लगाकर सट्टा-जुआ चला रहे हैं। थाना पुरानी भिलाई और क्राइम टीम ने संयुक्त रूप से दबिश देकर मौके पर पांच लोगों को सट्टा संचालित करते हुए पकड़ा। आरोपियों के पास से 1 लाख 67 हजार 600 रुपए नगद, 6 मोबाइल फोन, सट्टा पट्टी, रजिस्टर, कैलकुलेटर व अन्य सामान जप्त किया गया। कुल जप्ती 2 लाख 8 हजार 600 रुपए की बताई गई है। इस मामले में राजेश सचदेव, रवि बिसाई, मानसिंग यादव, मोहन साहू और धर्मेश सोनी को गिरफ्तार किया गया है। सभी आरोपियों को न्यायालय में पेश किया गया।

6 आरोपियों को 10-10 साल की सजा

दुर्ग/नवप्रदेश। पंचम अपर सत्र न्यायाधीश दीपक कुमार कोशले की अदालत ने बहुचर्चित भिलाई हत्याकांड में फैसला सुनाते हुए सभी 6 आरोपियों को दोषी माना है। कोर्ट ने मामले को धारा 302 के बजाय धारा 304 भाग-2 के तहत गैर इरादतन हत्या की श्रेणी में रखते हुए आरोपियों को 10-10 साल की सजा सुनाई है। कोर्ट ने भूपेश देवदास, ब्रिजेश उर्फ बिजू, हरीश कुमार घृतलहरे, समीर खान उर्फ अमन, अजय उर्फ अज्जू भदौरिया, पंकज कुमार लाउत्रे को 10-10 साल सश्रम कारावास की सजा सुनाई है। साथ ही 500-500 रुपए अर्थदंड लगाया गया है

घटना 20 सितंबर 2022 को रात करीब 11 बजे अब्दुल ग्यासू उर्फ बाबा कुरैशी अपने साथियों के साथ खाना खाने जा रहा था। कार में आरोपी भी मौजूद थे। भगत सिंह चौक, वैशाली नगर के पास कार खराब हो गई। आरोपियों ने गाड़ी धक्का लगाने के लिए कहा। इंकार करने पर विवाद शुरू हुआ और देखते ही देखते झगड़ा बढ़ गया। आरोपियों ने ग्यासू पर हाथ-मुक्कों, ईंट, चाकू से हमला किया। हमले के बाद आरोपी गंभीर रूप से घायल ग्यासू को छोड़कर भाग निकले। परिजनों ने घायल को अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में अत्यधिक रक्तस्राव, गंभीर चोटें, महत्वपूर्ण अंगों की क्षति को मौत का कारण बताया गया। कोर्ट ने इसे मानवकृत मृत्यु माना। अब्दुल रज्जाक कुरैशी की शिकायत पर वैशाली नगर थाना में अपराध दर्ज करने के बाद पुलिस ने साक्ष्य जुटाए और आरोपियों को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया। 14 दिसंबर 2022 को सत्र न्यायालय में मामला पहुंचा।

लंबी सुनवाई के बाद 20 मार्च 2026 को फैसला सुनाया गया। अदालत ने पाया कि मौत आरोपियों की मारपीट से हुई। हत्या साबित करने के लिए जरूरी तत्व इस मामले में नहीं मिले। अदालत ने आरोपियों की उम्र और पहली बार अपराध करने की बात को ध्यान में रखा, लेकिन अपराध की गंभीरता देखते हुए 10 साल की सजा उचित मानी। अर्थदंड जमा नहीं करने पर 6 महीने का अतिरिक्त सश्रम कारावास भुगतना होगा।

लोकसभा सत्र: दुर्ग सांसद विजय बघेल के सवाल पर केन्द्रीय मंत्री अश्वनी वैष्णव ने दी जानकारी

अमृत भारत योजना से हो रहा मरौदा रेलवे स्टेशन का विकास

भिलाई/नवप्रदेश। सांसद विजय बघेल के अतारांकित प्रश्न संख्या- 5430 के उत्तर में आज, लोक सभा में केन्द्रीय रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मरौदा रेलवे स्टेशन के विकास के संबंध में विस्तृत जानकारी दी।

केन्द्रीय मंत्री ने बताया कि छत्तीसगढ़ स्थित मरौदा स्टेशन पर उच्च स्तरीय प्लेटफॉर्म, प्लेटफॉर्म शेल्टर, प्रतीक्षालय, पेयजल व्यवस्था, मूत्रालय शौचालय, बैठने की व्यवस्था आदि सुविधाएँ उपलब्ध हैं। मरौदा स्टेशन को अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत विकास हेतु चिन्हित किया गया है। मरौदा स्टेशन पर विकास कार्य तेज गति से शुरू किया गया हैं। कॉनकोर्स और प्रतीक्षालय, प्लेटफॉर्म शेल्टर, प्लेटफॉर्म सतह संबंधी कार्य, पार्किंग व पहुंच मार्ग का संरचनात्मक कार्य पूरा कर लिया गया है। कॉनकोर्स व प्रतीक्षालय, शौचालय, परिचलन क्षेत्र, प्रवेश/निकास द्वार, प्रकाश व्यवस्था, जन उद्घोषणा प्रणाली और बुकिंग काउंटर के परिष्करण कार्य शुरू दिए गए हैं। मरौदा रेलवे स्टेशन से रेलवे फाटक तक स्ट्रीट लाइट लगाने का कार्य शुरू कर दिया गया है।

अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत विकास के लिए 1338 रेलवे स्टेशनों को चिह्नित किया गया है जिनमें से 32 स्टेशन छत्तीसगढ़ में स्थित हैं। छत्तीसगढ़ राज्य में अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत अकलतरा, अंबिकापुर, बैकुंठपुर रोड, बालोद, बाराद्वार, बेल्हा, भानुप्रतापपुर, भाटापारा, भिलाई, भिलाई नगर, भिलाई पावर हाउस, बिलासपुर, चांपा, दल्लीराजहरा, डोंगरगढ़, दुर्ग, हथबंध, जगदलपुर, जांजगीर नैला, कोरबा, महासमुंद, मंदिर हसौद, मारौदा, निपानिया, पेंड्रा रोड, रायगढ़, रायपुर जंक्शन, राजनंदगांव, सारोना, तिल्दा-नेओरा, उरकुरा, उसलापुर शामिल है। अब तक 5 स्टेशनों का कार्य पूरा हो चुका है। छत्तीसगढ़ में पूरे किए जा चुके हैं। इनमें अंबिकापुर, भानुप्रतापपुर, भिलाई, डोंगरगढ़, उरकुरा शामिल है।

भिलाई पावर हाउस स्टेशनः नए द्वितीय प्रवेश स्टेशन भवन, मुख्य प्रवेश स्टेशन भवन में सुधार, प्लेटफॉर्म का उन्नयन, प्रतीक्षालय में सुधार, परिचलन क्षेत्र का विकास, पार्किंग, लिफ्ट, एस्केलेटर और 12 मीटर पैदल पार पुल का विकास पूरा हो चुका है। स्टेशन भवन का फिनिशिंग कार्य और प्लेटफार्मों पर प्रकाश व्यवस्था में सुधार कार्य शुरू कर दिए गए हैं।

दल्लीराझरा स्टेशन पर स्टेशन भवन, प्रतीक्षालय, शौचालय, प्लेटफॉर्म उन्नयन और जन उद्घोषणा प्रणाली में सुधार कार्य पूरे हो चुके हैं। परिचलन क्षेत्र में सुधार, लैंडस्केपिंग, कला और संस्कृति से संबंधित कार्यों, साइनेज और प्लेटफार्मों पर प्रकाश व्यवस्था में सुधार कार्य शुरू किए गए हैं।

रायपुर जंक्शन स्टेशन में उपयोगी साधनों का स्थानांतरण व द्वितीय प्रवेश द्वार की तरफ पुनर्स्थापन कार्य पूरा हो चुका है। द्वितीय प्रवेश स्टेशन भवन, मुख्य और द्वितीय प्रवेश द्वार दोनों तरफ बहुस्तरीय पार्किंग सुविधा, सर्विस बिल्डिंग और द्वितीय प्रवेश द्वार की तरफपरिचलन क्षेत्र के विकास के संरचनात्मक कार्य शुरू किए गए हैं।

सरोना स्टेशन में नए द्वितीय प्रवेश स्टेशन भवन का कार्य, मुख्य प्रवेश स्टेशन भवन में सुधार, प्लेटफार्म का उन्नयन, प्रतीक्षा क्षेत्रों में सुधार, परिचलन क्षेत्र का विकास, पार्किंग, जन उद्घोषणा प्रणाली, लिफ्ट, एस्केलेटर और 12 मीटर पैदल पार पुल का विकास कार्य पूरा हो चुका है। स्टेशन भवन का फिनिशिंग कार्य, लैंडस्केपिंग, कला एवं संस्कृति और प्लेटफार्मों पर प्रकाश व्यवस्था में सुधार कार्य शुरू किए गए हैं।

भाजयुमो में नियुक्तियों का दौर जारी, नई टीम घोषित, युवाओं में उत्साह

खैरागढ़-छुईखदान-गंडई/नवप्रदेश। जिले में भारतीय जनता पार्टी के संगठन विस्तार के तहत भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) में नियुक्तियों का दौर तेज हो गया है। जिला अध्यक्ष आयाश सिंह बोनी ने अपनी टीम का विस्तार करते हुए नए पदाधिकारियों की घोषणा की है, जिससे युवा कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल है।

संगठन को मजबूत करने और युवाओं को अवसर देने के उद्देश्य से सक्रिय एवं समर्पित कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी सौंपी गई है। नई टीम में शैलेश जैन और राघवेंद्र यादव को जिला मंत्री बनाया गया है। वहीं कमलेश साहू को भी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी गई है तथा नवीन चंद्राकर को मंडल अध्यक्ष नियुक्त किया गया है।

इसी क्रम में संगठन के विभिन्न कार्यों को गति देने के लिए अंकित महोबिया को भी महत्वपूर्ण दायित्व सौंपा गया है। उनकी सक्रियता और संगठनात्मक योगदान को देखते हुए यह

जिम्मेदारी दी गई है, जिससे संगठन के कार्यों को और मजबूती मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

इसके अलावा सुरेंद्र तिवारी को जिला प्रवक्ता बनाया गया है। गजानंद महोबिया, विक्की सेन, गंभीर साहू, भूपेंद्र यादव, हेमंत चंदेल, लक्की नेताम और देव ठाकुर को जिला कार्यसमिति सदस्य नियुक्त किए गए हैं। घोषणा के बाद छुईखदान के स्तंभ चौक में आतिशबाजी और मिठाई बांटकर नवनियुक्त पदाधिकारियों का भव्य स्वागत किया गया। इस दौरान कार्यकर्ताओं में खासा उत्साह देखने को मिला। नवनियुक्त पदाधिकारियों ने कहा कि वे केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने और संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने का कार्य करेंगे। जिला अध्यक्ष आयाश सिंह बोनी ने कहा कि टीम में ऊर्जावान और सक्रिय युवाओं को शामिल किया गया है, जिससे संगठन को नई ऊर्जा मिलेगी।

इस कार्यक्रम में बढ़-चढ़कर भागीदारी निभाइ

विशेष रूप से इस आयोजन में विक्रांत सिंह के समर्थकों की मजबूत उपस्थिति और उनका स्पष्ट प्रभाव देखने को मिला, जिन्होंने इस कार्यक्रम में बढ़-चढ़कर भागीदारी निभाई। उनके समर्थन और सक्रियता ने कार्यक्रम के माहौल को और अधिक जोशपूर्ण बना दिया और संगठनात्मक एकजुटता का भी संदेश दिया।

न्यूज गैलरी

7 लीटर महुआ शराब जब्त

महासमुंद/नवप्रदेश। बागबाहरा पुलिस ने ग्राम मनबाय में एक व्यक्ति से महुआ शराब जब्त की है। पुलिस ने बताया कि ग्राम मनबाय में विकास निराला (36) मनबाय के कब्जे से 4 लीटर महुआ शराब बरामद कर धारा 34(1) आबकारी एक्ट के अंतर्गत कार्रवाई की।

ओडिशा का शराब बेच रहे दो गिरफ्तार

महासमुंद/नवप्रदेश। कोमाखान पुलिस ने ग्राम साल्हेभांठा में शराब बेच रहे ओडिशा के दो लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि साल्हेभांठा सरपंच ने सूचना दी थी कि शराब बिक्री कर रहे ओडिशा के व्यक्तियों को खेत के पास पकड़कर रखा गया है। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर आरोपी महातम तोरा थाना खरियार रोड जोंक जिला नुवापाड़ा ओडिशा निवासी खेमराज राउत (26), माहतम तोरा थाना खरियार रोड जोंक जिला नुवापाडा ओडिशा निवासी अनार सिंग राउत (21) से 7.400 लीटर हिरण छाप महुआ शराब व एक बाइक को बरामद की है। मामले में आरोपियों के खिलाफ धारा 34(2) आबकारी एक्ट के तहत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा गया है।

महुआ शराब ले जाते दो पकड़ाए

महासमुंद/नवप्रदेश। एंटी नारकोटिक टास्क फोर्स और सरायपाली पुलिस ने शराब का अवैध परिवहन करने वाले दो लोगों के खिलाफ कार्रवाई की है। आरोपियों के कब्जे से 70 लीटर महुआ शराब बरामद किया गया है। पुलिस ने बताया कि 24 मार्च को सूचना पर एक टीवीएस जूपिटर स्कूटी सोल्ड की ग्राम माधोपाली कुटेला रोड के पास घेराबंदी की। जहां दो व्यक्ति जूपिटर स्कूटी में आए। जिन्हें रोककर पूछताछ की गई। जिस पर वाहन चालक ने अपना नाम दीपक भोई व पीछे बैठे व्यक्ति ने अपना नाम तेज कुमार भोई बताया। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से कुल 70 लीटर महुआ शराब और स्कूटी जब्त की। मामले में आरोपियों के खिलाफ धारा 34 (2) आबकारी एक्ट के तहत ज्यूडिशियल रिमांड पर भेजा गया है।

बाइक की टक्कर से दो घायल

महासमुंद/नवप्रदेश। बाइक की टक्कर से दो लोग घायल हो गए। रिपोर्ट पर आरोपी वाहन चालक के खिलाफ अपराध दर्ज किया गया है। बागबाहरा पुलिस को नरतोरी के बंशीलाल चौहान ने बताया कि 21 मार्च की सुबह 9 बजे अपने साथी तामेश चक्रधारी के साथ बाइक क्रमांक-सीजी 06 जीएन 6805 में पुट्टी और पेंट लाने के लिए मुनगासेर गया था, वापसी में बाइक को तामेश चक्रधारी चला रहा था तथा वह के पीछे बैठा था। ग्राम नरतोरी मोड़ बागबाहरा के पास बाइक क्रमांक सीजी 06 एचई 2883 के चालक ने उनकी बाइक को ठोकर मार दिया। जिससे तामेश के सिर, और शरीर के अन्य भाग व उनकी छाती, चेहरे व पैर में चोटें आईं। पुलिस ने मामले में आरोपी के खिलाफ बीएनएस की धारा 125(ए), 281 के तहत अपराध दर्ज किया गया है।

वाहन पलटने से चालक की मौत

महासमुंद/नवप्रदेश। सुरंगी नाला पुल ग्राम दुधीपाली के पास महिंद्रा वाहन के पलट जाने से चालक की मौत हो गई। बसना पुलिस ने बताया कि लोकनाथ सिदार धूपेनडीह से लमकसा अपने स्वयं के महिंद्रा जायलो वाहन क्रमांक सीजी 13 सी 8703 से बारात गया था। वाहन को वह स्वयं चला रहा था। बारात से वापस आते समय सुरंगी नाला पुल ग्राम दुधीपाली के पास तेज रफ्तार एवं लापरवाही पूर्वक चलाते हुए नियंत्रण खो दिया, जिससे वाहन सुरंगीनाला पुल से टकराकर पलट गया। जिससे वाहन चला रहे लोकनाथ सिदार की मृत्यु हो गई। पुलिस ने मामले में बीएनएस की धारा 106(1) के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना में लिया गया है।

सवारी उतार रहे ऑटो चालक से मारपीट

महासमुंद/नवप्रदेश। कोतवाली पुलिस ने ऑटो चालक से मारपीट के मामले में आरोपी के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। पुलिस को ऑटो चालक जयशंकर घोड़ेसवार ने बताया कि 21 मार्च को 11.30 बजे वह बस स्टैंड महासमुंद में सवारी उतार रहा था, तभी वहां सोनू यादव ने आकर कहा कि यहां पर ऑटो को क्यों खड़ा किया है। इस पर उसने कहा कि सवारी उतर रहे हैं, फिर हटाउंगा, इतने में सोनू यादव ने गाली-गलौज और मारपीट करते हुए जान से मारने की धमकी दी। मामले में पुलिस ने आरोपी के खिलाफ बीएनएस की धारा 115(2), 296, 351(3) के तहत अपराध दर्ज किया गया है।

श्रीरामनवमी में होगा भव्य आयोजन हनुमान चालीसा का सवा करोड़ जाप

महासमुंद/नवप्रदेश। श्रीरामनवमी के पावन अवसर पर शहर के कचहरी चौक स्थित सिद्ध श्री संकट मोचन हनुमान मंदिर में इस वर्ष भी भव्य धार्मिक आयोजन किया जाएगा। मंदिर समिति द्वारा 27 मार्च 2026 को पूरे उत्साह और श्रद्धा के साथ कार्यक्रम आयोजित करने का निर्णय लिया है।

मंदिर समिति के भरत सिंह ठाकुर (अधिवक्ता) ने जानकारी देते हुए बताया कि कार्यक्रम की शुरुआत सुबह 8 बजे हवन-पूजन और ध्वजारोहण से होगी। इसके पश्चात दोपहर 12 बजे श्रीराम जन्मोत्सव मनाया जाएगा, जिसमें आरती, पंचरी प्रसाद वितरण और आतिशबाजी भी शामिल है।

विशेष आकर्षण के रूप में शाम 7 बजे से रात 8 बजे तक श्री हनुमान चालीसा का सवा करोड़ जाप किया जाएगा। यह आयोजन न केवल भारत, बल्कि विश्व स्तर पर एक ही समय में किया जाता है। इस वर्ष यह आयोजन मंदिर समिति द्वारा 18वें वर्ष और 18वें अनुष्ठान के रूप में किया जा रहा है। सामूहिक महापाठ का आयोजन बाबा रामदेव म्यूजिकल ग्रुप महासमुंद के माध्यम से किया जाएगा। कार्यक्रम के समापन पर महाआरती और प्रसाद वितरण किया जाएगा।

दीनदयाल उपाध्याय भूमिहीन कृषि मजदूर कल्याण योजना की राशि खातों में ट्रांसफर

महासमुंद में 35,226 हितग्राही को मिला लाभ

महासमुंद/नवप्रदेश। दीनदयाल उपाध्याय भूमिहीन कृषि मजदूर कल्याण योजना के अंतर्गत आज बलौदाबाजार जिले से मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने डीबीटी के माध्यम से राज्य के 4 लाख 95 हजार 965 हितग्राहियों के बैंक खातों में 495 करोड़ 96 लाख रुपये की राशि अंतरित की।

इसी क्रम में जिले के कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें 35,226 पात्र हितग्राहियों को प्रथम किस्त के रूप में प्रति व्यक्ति 10 हजार रुपये सीधे खातों में ट्रांसफर किए गए। साथ ही अतिथियों द्वारा लाभार्थियों को प्रमाण पत्र भी वितरित किएटेनेंस गए।

कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ राज्य बीज निगम के अध्यक्ष चंद्रहास चंद्राकर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस अवसर पर जिला स्काउट एवं गाइड के अध्यक्ष ऐतराम साहू, नगर पालिका उपाध्यक्ष देवीचंद राठी, जिला पंचायत उपाध्यक्ष भीखम सिंह ठाकुर, जनपद पंचायत उपाध्यक्ष श्रीमती हुलसी चंद्राकर, सदस्य श्रीमती निधि चंद्राकर, जिला पंचायत सीईओ हेमंत नंदनवार, अपर कलेक्टर रवि साहू सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी मौजूद रहे।

व्यवसाय से जुड़े परिवारों को शामिल किया गया

इस योजना के तहत भूमिहीन कृषि मजदूरों के साथ वनोपज संग्राहक, चरवाहा, बढ़ई, लोहार, मोची, नाई, धोबी जैसे पारंपरिक व्यवसाय से जुड़े परिवारों को भी शामिल किया गया है। इसके अलावा अनुसूचित क्षेत्रों में पुजारी, बैगा, गुनिया और माँझी परिवारों को भी लाभ दिया जा रहा है। योजना के तहत अब 10 हजार रुपये की वार्षिक सहायता राशि सीधे लाभार्थियों के खातों में अंतरित की जाती है।

मुख्य अतिथि चंद्रहास चंद्राकर ने कहा कि भूमिहीन परिवारों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाना सरकार की प्राथमिकता है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में आज हजारों हितग्राहियों को सीधे लाभ मिला है, जिससे उन्हें त्वरित राहत मिलेगी।

जिला पंचायत उपाध्यक्ष भीखम सिंह ठाकुर ने योजना को अंत्योदय की भावना को साकार करने वाला बताते हुए मुख्यमंत्री का आभार जताया। उन्होंने कहा कि यह पहल समाज के अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। जिला स्काउट एवं गाइड अध्यक्ष ऐतराम साहू ने बताया कि पहले दी जा रही 7 हजार रुपये की सहायता राशि को बढ़ाकर 10 हजार रुपये प्रति वर्ष किया जाना एक सराहनीय निर्णय है, जिससे हितग्राही परिवारों के जीवन स्तर में सुधार आएगा।

नगर पालिका उपाध्यक्ष देवीचंद राठी ने कहा कि यह योजना भूमिहीन कृषक एवं श्रमिक परिवारों के लिए आर्थिक संबल बनकर उभरी है। वहीं, जिला पंचायत सीईओ हेमंत नंदनवार ने हितग्राहियों से अपील की कि वे इस राशि का उपयोग स्वरोजगार, छोटे व्यवसाय और कृषि आधारित गतिविधियों में करें, ताकि उनकी आय में स्थायी वृद्धि हो सके।

कार्यक्रम में अन्य जनप्रतिनिधियों ने भी अपने विचार रखे। इस दौरान महेंद्र सिक्का, राहुल चंद्राकर, प्रकाश शर्मा, एसडीएम सुश्री अक्षा गुप्ता, तहसीलदार जुगल किशोर पटेल सहित बड़ी संख्या में हितग्राही एवं किसान उपस्थित रहे।

बागबाहरा में आज धूमधाम से मनाई जाएगी रामनवमी

■ आतिशबाजी व भव्य शोभायात्रा होगी आकर्षण का केंद्र

बागबाहरा/नवप्रदेश। प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी रामराज परिवार बागबाहरा द्वारा रामनवमी का पर्व बड़े ही हर्षोल्लास और भक्ति भाव के साथ मनाया जा रहा है। इस अवसर पर आज भव्य धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया है, जिसमें नगर के श्रद्धालुओं में खासा उत्साह देखा जा रहा है।

कार्यक्रम के तहत शाम 5 बजे भव्य बाइक रैली निकाली जाएगी, जिसमें बड़ी संख्या में रामभक्त शामिल होंगे। इसके पश्चात भगवान श्रीराम की महाआरती का आयोजन किया जाएगा, जिसमें श्रद्धालु सामूहिक रूप से आरती में भाग लेकर धर्म लाभ अर्जित करेंगे।महाआरती के बाद नगर में भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी। शोभायात्रा में विभिन्न आकर्षक झांकियों का प्रदर्शन किया जाएगा, जिसमें जीवंत झांकियां विशेष आकर्षण का केंद्र रहेंगी। इसके साथ ही

विनायक जोन (डीजे) की धुन, ओड़िशा से आई विशेष मेलोडी टीम की प्रस्तुति तथा भव्य आतिशबाजी शोभायात्रा को और भी आकर्षक बनाएगी।रामराज परिवार बागबाहरा के सदस्यों ने नगर के समस्त रामभक्तों एवं नागरिकों से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर इस धार्मिक आयोजन को सफल बनाएं और आयोजन की गरिमा को बढ़ाएं।नगर में इस आयोजन को लेकर उत्सव जैसा माहौल बना हुआ है और श्रद्धालु पूरे उत्साह के साथ रामनवमी पर्व के स्वागत में जुटे हुए हैं।

बागबाहरा नगर पालिका का सख्त रुख बकायादारों का नाम किया सार्वजनिक

44 बकायादारों का 13 लाख 15 हजार 931 रुपए बकाया

बागबाहरा/नवप्रदेश। नगर पालिका परिषद ने टैक्स वसूली को लेकर अब सख्त रुख अपनाते हुए वर्षों से बकाया रखने वाले करदाताओं के खिलाफ खुली कार्रवाई शुरू कर दी है। नगर पालिका परिषद द्वारा पालिका के बाहर 44 बकाया दारों की सूची फ्लेक्स बोर्ड के माध्यम से सार्वजनिक की गई है, जिससे नगर में बकायादारों में हलचल तेज हो

गई है।जारी सूची में नल-जल कर और संपत्ति कर के बकायदार शामिल हैं, जिन पर लंबे समय से करीब 13 लाख 15 हजार 931 रुपये की राशि बकाया है। इन बकायदारों द्वारा वर्षों से कर भुगतान नहीं किए जाने के कारण यह स्थिति बनी है। इस सूची की खास बात यह है कि इसमें दो शासकीय संस्था अरूणोदय विपणन संघ मर्यादित समिति और वन परिक्षेत्र अधिकारी बागबाहरा का नाम भी शामिल है।

> **बकायादारों को विधिवत नोटिस भेजा गया है, लोक अदालत के माध्यम से भी बकायादारों को नोटिस दिया गया था, अब कुर्की की कार्यवाही की जाएगी।**
>
> **गिरीश चंद्रा,** सीएमओ नपा, बागबाहरा

अमेरिका-कनाडा के श्रद्धालुओं ने जलाए ज्योति दीप

छुरा/नवप्रदेश। छुरा विकास खण्ड के ग्राम अतरमरा स्थित प्रसिद्ध मारिया देवालय मंदिर में चैत्र नवरात्र के अवसर पर अमेरिका-कनाडा से आए श्रद्धालुओं ने भी ज्योति दीप जलाए। स्थानीय ग्रामीणों के साथ-साथ प्रदेश एवं देश के विभिन्न हिस्सों से श्रद्धालु यहां पहुंच रहे हैं।

ग्रामीणों के अनुसार, मारिया देव को ब्रह्मचारी देवता के रूप में पूजा जाता है, जो न केवल गांव बल्कि पूरे क्षेत्र के आराध्य देव माने जाते हैं। मान्यता है कि संकट की घड़ी में सच्ची श्रद्धा से प्रार्थना करने पर मारिया देव

भक्तों की समस्याओं का समाधान करते हैं, जिससे लोगों में उनके प्रति अटूट विश्वास बना हुआ है।

ग्राम के बुजुर्ग पीताम्बर निषाद, दिलीप चतुर्वेदी, चैतू यादव ने बताया कि मारिया महाराज प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से भक्तों की सहायता करते हैं। यही कारण है कि अब इस छोटे से गांव का यह देवालय छत्तीसगढ़ सहित मुंबई, उत्तर प्रदेश, हैदराबाद और विदेशों तक अपनी पहचान बना चुका है। श्रद्धालु यहां अपनी मनोकामनाएं लेकर आते हैं और ज्योति दीप जलाकर आशीर्वाद प्राप्त करते हैं।

मुनारा निर्माण मरम्मत के नाम पर भ्रष्टाचार, व्हाऊचर से आहरण

छुरा/नवप्रदेश। परसुली वन परिक्षेत्र के अधिकारी कर्मचारी मुनारा निर्माण मरम्मत कार्य रंग रोगन के लिए विभागीय फंड को डकारने में दो चार नहीं सौ कदम आगे है। सड़कों के किनारे मुनारो का मरम्मत डेंटिक पेंटिंग किया जाता है ताकि विभागीय बड़े अफसरों के भ्रमण में चकाचक नज़र आ सकें विभागीय फंड का सदुपयोग दिख सके, लेकिन उन बड़े महानुभावों को क्या पता कि जंगल के अंदर हजारों मुनारा फटेहाल में हैं। मिश्रीत वन, सागौन प्लान्टेशन,

नर्सरी के अंदर जंहा चार पहिया वाहन न जा सके ऐसे मुनारा देखने से ऐसा प्रतीत होता है कि अंग्रेजों के जमाने का मुनारा है। विभागीय फंड पर डाका डालने वाले परसुली परिक्षेत्र अधिकारी कुछ भी बोलने की स्थिति में नहीं है। वन विभाग का मुनारा जो वन भूमि और राजस्व/निजी भूमि के बीच सीमा को चिन्हित करने वाला एक स्थायी ढांचा है। यह वनों की सुरक्षा, अतिक्रमण रोकने और सीमा विवाद सुलझाने के लिए बेहद महत्वपूर्ण है, जिन्हें अब क्यूं आर कोड के साथ हाई-टेक और आधुनिक बनाया जा रहा है।

मुनारे वन विभाग की भूमि को सुरक्षित करना और सीमांकन करना। अब केवल पत्थर नहीं, बल्कि कोड वाले हाई-टेक मुनारे बनाए जा रहे हैं, जिन्हें स्कैन करके उस वन क्षेत्र की पूरी जानकारी (वन ब्लॉक, क्षेत्रफल आदि) मिल सकती है।

227 नए आधुनिक मुनारों का निर्माण हाल ही में (मार्च 2026) छत्तीसगढ़ जैसे क्षेत्रों में पूरा किया गया है।

ये मुनारे अवैध कब्जे, अवैध कटाई और वनों के विनाश को रोकने में कानूनी और व्यावहारिक रूप से सहायक हैं।

मुनारे लगाने या हटाने को लेकर अक्सर वन विभाग और स्थानीय लोगों/राजस्व विभाग के बीच विवाद भी देखने को मिलता है।

मसानडबरा के जंगल में चीते का हमला, बछड़ा बना शिकार

नगरी/नवप्रदेश। नगरी क्षेत्र के ग्राम पंचायत सांकरा से आश्रित ग्राम मसान डबरा में आज सुबह उस समय दहशत फैल गई, जब एक खुंखार चिते (तेंदुआ) ने एक बछड़े को अपना शिकार बना लिया। घटना सुबह के समय की बताई जा रही है, जब ग्रामीण अपने रोज़मर्रा के कामों में व्यस्त थे। जिसमे ग्रामीणों के अनुसार, चितवा अचानक जंगल की ओर से गांव के पास आ गया और खेत के किनारे बंधे बछड़े पर हमला कर दिया। हमला इतना तेज था कि आसपास मौजूद लोग कुछ समझ पाते, उससे पहले ही बछड़ा उसकी पकड़ में आ चुका था।, लेकिन तब तक चितवा (तेदूवा) बछड़े को घसीटते हुए जंगल की ओर ले जा चुका था।

इस घटना के बाद गांव में भय का माहौल बन गया है। ग्रामीणों ने + बताया कि पिछले कुछ दिनों से आसपास के जंगलों में जंगली जानवरों की हलचल बढ़ी हुई अब गर्मी के का समय है।

यातायात: यात्री बसों और निजी वाहनों का लगातार होता है आवागमान, तेज रफ्तार वाहनों से चौक-चौराहों पर हादसे की आशंका

नगर की लाइफलाइन गौरव पथ और बस स्टैंड क्षेत्र में स्पीड ब्रेकर की उठी मांग

पिथौरा/नवप्रदेश। नगर की लाइफलाइन कहे जाने वाले गौरव पथ और व्यस्ततम बस स्टैंड क्षेत्र में इन दिनों वाहनों की बेलगाम रफ्तार एवं हो रही दुर्घटनाओ ने स्पीड ब्रेककर की मांग तेज कर दी है बेतरतीब स्पीड से डिवाइडर के बीच से गुजरती तेज रफ्तार मोटरसाइकिलें, बसें और कारें आए दिन बड़ी दुर्घटनाओं को न्योता दे रही हैं। स्थानीय व्यापारियों और नागरिकों ने अब प्रशासन से मांग की है कि प्रमुख चौराहों और गौरव पथ के मिलान बिंदुओं पर तत्काल प्रभाव से गति अवरोधक बनाए जाएं, ताकि असमय होने वाली दुर्घटनाओ पर अंकुश लगाया जा सके।

उल्लेखनीय हो की पिथौरा का मुख्य बस स्टैंड क्षेत्र नगर का सबसे व्यस्त हिस्सा है। यहाँ दिन-रात यात्री बसों और निजी वाहनों का आवागमान लगा रहता है। मुख्य मार्ग होने के कारण यहाँ से प्रतिदिन लगभग दस हजार से अधिक लोगों का आवागमन होता है।

बस स्टैंड के व्यापारियों का कहना है कि यहाँ वाहन चालक ट्रैफिक नियमों को ताक पर रखकर गाड़ियां दौड़ाते हैं। विशेष रूप से लंबी दूरी की बसें जब स्टैंड से निकलती हैं या मुख्य मार्ग पर मुड़ती हैं, तो उनकी गति इतनी अधिक होती है कि पैदल चलने वालों को संभलने का मौका तक नहीं मिलता। यहाँ पर छोटे स्कूली बच्चे, छात्राएं और बुजुर्गों का हमेशा आना-जाना लगा रहता है। यहाँ जल्द ही ब्रेकर नहीं बनाए गए, तो किसी दिन बड़ी अनहोनी हो सकती है।

नगर का बार चौक एक ऐसा संवेदनशील चौराहा है जहाँ से राजधानी रायपुर समेत बागबाहरा और सरायपाली जाने वाले मार्गों का मिलन होता है। भौगोलिक दृष्टि से यह चौक पिथौरा का हृदय स्थल है, लेकिन वर्तमान में यह 'एक्सीडेंट जोन' बनता जा रहा है। इस चौक पर बीते कुछ समय में सैकड़ों लोग घायल हो चुके हैं और कई परिवारों ने अपने अपनों को खोया है। इसी मार्ग से छोटे-छोटे बच्चे स्कूल के लिए गुजरते हैं। तेज रफ्तार भारी वाहन अक्सर मोड़ पर अनियंत्रित हो जाते हैं, जिससे पैदल यात्रियों की जान पर बन आती है। जहा नगर की सुंदरता बढ़ाने के लिए बनाए गए गौरव पथ के डिवाइडर अब सुरक्षा के लिहाज से अधूरे नजर आ रहे हैं। जहाँ-जहाँ डिवाइडर खत्म होते हैं या कट दिए गए हैं, वहां वाहनों की गति को नियंत्रित करने का कोई साधन नहीं है। नागरिकों की मांग है कि जहां भी गौरव पथ का डिवाइडर सड़क को छूता है या क्रॉसिंग आती है, वहां अनिवार्य रूप से मानक स्तर के स्पीड ब्रेकर और जेब्रा क्रॉसिंग बनाई जाए।

बताते चले की ?पिथौरा की भौगोलिक स्थिति ऐसी है कि यह राष्ट्रीय राजमार्ग और क्षेत्रीय मार्गों के बीच एक महत्वपूर्ण जंक्शन का काम करता है।

प्रशासन से आमजनता की अपील

स्थानीय नागरिकों और बस स्टैंड व्यापार संघ ने संयुक्त रूप से प्रशासन से मांग की है कि बस स्टैंड के दोनों प्रवेश और निकास द्वार पर रंबल स्ट्रिप्स या ब्रेकर लगाए जाएं। बार चौक पर चारों दिशाओं से आने वाले वाहनों के लिए स्पष्ट गति सीमा निर्धारित हो और ब्रेकर बनाए जाएं।?स्कूली समय के दौरान इन क्षेत्रों में विशेष ट्रैफिक गार्ड की तैनाती की जाए। इस मामले पर सीएमओ बिरझुराम सोनबेर ने कहा की ब्रेकर की मांग पर कहा मांग अनुसार ब्रेकर बनवा दिया जायेगा, वर्तमान मे गौरव पथ निर्माणाधीन है मांग अनुसार बनवाया जायेगा।

विशाल भंडारा आज

राजनांदगांव। पाताल भैरवी मंदिर के पहले पुलिस ट्रेनिंग स्कूल के सामने विधि डायग्नोसिस सेंटर जीई रोड पर हर साल की तरह इस वर्ष भी चैत्र नवरात्रि की अष्टमी तिथि के अवसर पर 26 मार्च गुरुवार को सुबह 9 बजे से विशाल भंडारा प्रसादी का आयोजन किया जा रहा है। सभी भक्तजनों से उपस्थिति की अपील की गई है।

आरटीई के तहत डीएवी पब्लिक स्कूलों में प्रवेश के लिए 30 तक आवेदन

कवर्धा। कबीरधाम जिले में संचालित डीएव्ही मुख्यमंत्री पब्लिक स्कूल धरमपुरा, विकासखंड कवर्धा और लडुवा, विकासखंड पंडरिया में शिक्षा के अधिकार के तहत सत्र 2026-27 में कक्षा नर्सरी में प्रवेश के लिए ऑनलाईन आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। इच्छुक अभिभावक आरटीई पोर्टल के माध्यम से 30 मार्च से 13 अप्रैल तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। आवेदनों का सत्यापन व प्राथमिकता का निर्धारण 13 अप्रैल से 20 अप्रैल तक किया जाएगा। आवेदक 16 अप्रैल से 20 अप्रैल तक अपने आवेदन में आवश्यक संशोधन भी कर सकेंगे। इसके बाद लॉटरी व विद्यालय आवंटन की प्रक्रिया 23 अप्रैल से 24 अप्रैल तक संपन्न की जाएगी। लॉटरी में चयनित विद्यार्थियों का संबंधित विद्यालय में प्रवेश 27 अप्रैल से 30 अप्रैल तक किया जाएगा।

जिला भाजयुमो की कार्यकारिणी घोषित

खैरागढ़। जिला भाजपा युवा मोर्चा की जिला कार्यकारिणी का गठन करते जिलाध्यक्ष आयश सिंह ने इसकी घोषणा की है। कार्यकारिणी मे जनपद सभापति शैलेन्द्र मिश्रा शैलेष जैन अर्जुन क्षत्रिय विक्की कुर्रे, हर्षवर्धन वर्मा और अनुज साहू को उपाध्यक्ष बनाया गया है। प्रेमसागर गुप्ता और विक्रांत चंद्राकर महामंत्री, कमलेश साहू, हर्षदीप सिंह , जयप्रकाश साहू, दिवाकर सोनी, सतीश वर्मा, राघवेन्द्र यादव, संजय ढीमर, कुमेश साहू को मंत्री, राजू जंघेल को कोषाध्यक्ष, पीयुष पटेल अश्वनी जंघेल और ओमप्रकाश साहू को सहकोषाध्यक्ष, साकेत श्रीवास्तव, गोपी वर्मा, अंकित महोबिया को मीडिया प्रभारी, सुरेन्द्र तिवारी को प्रवक्ता नियुक्त किया गया है। आईटी सेल की जिम्मेदारी गंभीर साहू, वेदांश बघेल, सुरेश पटेल, दुबे साहू, सत्यप्रताप गहरवार को सोशल मीडिया प्रभारी पेमेन्द्र चंदेल, शुभम सिंह, जागेश्वर जंघेल, भीषम वर्मा, हेमंत जंघेल, छमित जंघेल, को प्रचार प्रसार प्रमुख बबलू श्रीवास, राहूल देवांगन, राजू जंघेल, नितेश ठाकुर, नियुक्त किए गए है । मंडल युवा मोर्चा अध्यक्षो मे अनीष सिंह को खैरागढ़ , राकेश वर्मा को अतरिया, नवीन चंद्राकर को छुईखदान, भानूप्रताप साहू को गंडई, चमनराज वर्मा को साल्हेवारा, बालकृष्ण वर्मा को नर्मदा, एवन विश्वकर्मा को ठेलकाडीह और पारस पटेल को पाडादाह मंडल अध्यक्ष नियुक्त किया।

अविरल सितली-निर्मल सितली' अभियान जारी

महासमुंद/नवप्रदेश। स्वाध्याय केंद्र समिति द्वारा 'अविरल सितली-निर्मल सितली' अभियान संचालित किया जा रहा है। समाजसेवी स्व. अशोक चौरड़िया की स्मृति में चलाया जा रहा यह महत्वाकांक्षी अभियान इन दिनों युद्धस्तर पर जारी है। परियोजना के अंतर्गत नाले के दोनों किनारे मलबा डालकर समतलीकरण कार्य लगभग पूर्ण हो चुका है। अब वर्षों से जमा कचरे और गाद को हटाने का सघन अभियान चलाया जा रहा है, जिससे जल प्रवाह निर्बाध हो सके और नाला फिर से जीवंत बन सके। अभियान का जायजा लेने ग्राम पंचायत खैरा के सरपंच प्रांशु चंद्राकर भी स्थल पर पहुंचे। उन्होंने कार्य की प्रगति की सराहना करते हुए इसे जनभागीदारी का उत्कृष्ट उदाहरण बताया। उन्होंने विश्वास जताया कि इस प्रयास से न केवल महासमुंद बल्कि आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों को भी स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण मिलेगा। उन्होंने आगे कहा कि योजना के पूर्ण होने पर क्षेत्र का कायाकल्प होगा जहाँ बच्चों के लिए आधुनिक गार्डन, स्वास्थ्य प्रेमियों के लिए मॉर्निंग वॉक ट्रैक और आमजन के लिए स्वच्छ जल की व्यवस्था उपलब्ध होगी। साथ ही भू-जल स्तर में सुधार से भविष्य के जल संकट से भी राहत मिलेगी।

भाजपा का नगरी में धरना-प्रदर्शन, पूर्व सीएम भूपेश बघेल का जलाया पुतला

नगरी/नवप्रदेश। नगरी नगर में बुधवार को भारतीय जनता पार्टी मंडल द्वारा पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के कथित विवादित बयान की नगरी अंचल हाफिम की खेती बयान बाजी में विरोध में बजरंग चौक में एक दिवसीय धरना-प्रदर्शन आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं ने जोरदार नारेबाजी करते हुए भूपेश बघेल हाय-हाय के नारे लगाए। वहीं युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं द्वारा विरोध स्वरूप युवा मोर्चा के द्वारा भूपेश बघेल का पुतला दहन भी किया गया।

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि, किसान एवं आमजन उपस्थित रहे। इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष प्रकाश बैस,भाजपा जिला महामंत्री महेंद्र पंडित, जिला पंचायत अध्यक्ष अरुण सावा, किसान मोर्चा के नेता रोहितास मिश्रा, विधायक श्रवण मरकाम, पिंकी शिवराज शाह, जिला उपाध्यक्ष अकबर कश्यप, युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष सुभाष मिश्रा, मंडल अध्यक्ष हमित लिमजा सहित अनेक पदाधिकारी मंचसीन रहे।

सभा में नेताओं के उद्बोधन भाजपा जिला अध्यक्ष प्रकाश बैस ने अपने संबोधन में कहा कि नगरी क्षेत्र को लेकर लगाए गए आरोप पूरी तरह निराधार हैं। यदि क्षेत्र में किसी प्रकार की अवैध खेती का दावा किया जा रहा है, तो संबंधित व्यक्ति को प्रमाण प्रस्तुत करना चाहिए। भाजपा जिला अध्यक्ष प्रकाश बैस ने कहा कि नगरी में हाफिम अगर हकीम की खेती नगरी में हो रही है तो डोन के माध्यम से खोज और प्रमाण दें और अगर सच नहीं है तो आकर सभी के सामने माफी मांगी हमारा नगरी क्षेत्र देसी गुजरात के नाम से प्रसिद्ध है जिसको बदनाम किया जा रहा अन्यथा सार्वजनिक रूप से किसानों और क्षेत्रवासियों से माफी मांगनी चाहिए।

भाजपा जिला महामंत्री महेंद्र पंडित ने कहा कि किसान देश की रीढ़ हैं और उनके सम्मान पर आंच बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि भाजपा सदैव किसानों के हितों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध रही है और भविष्य में भी ऐसे किसी भी अपमानजनक बयान का पूरे जोर विरोध करते हुए विधायक श्रवण मरकाम ने कहा कि सिहावा विधानसभा क्षेत्र पूर्णतः कृषि आधारित क्षेत्र है, जहां के किसान अपनी मेहनत और ईमानदारी के लिए पहचाने जाते हैं। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आरोप किसानों की छवि को नुकसान पहुंचाने का प्रयास है, जिसे कतई स्वीकार नहीं किया जाएगा।

किसान मोर्चा की नेता पिंकी शिवराज शाह ने अपने संबोधन में कहा कि यह नगरी अंचल क्षेत्र आदिवासी बहुल है, किसान जहां के लोग शांतिप्रिय और मेहनती हैं। यहां के किसानों पर इस प्रकार के आरोप लगाना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने कहा कि इस किसानों से माफी मांगनी होगी

जिला पंचायत अध्यक्ष अरुण सर्वा ने उद्बोधन में कहा किसान हमारे पूर्वजों के द्वारा से खेती करते आ रहे हैं अपनी मेहनत से दलहन तिलहन और विभिन्न प्रकार किस्मत करते हैं किसानों के सम्मान के साथ खिलवाड़ करना नगरी सप्त ऋषि की सातोभूमि है पूर्व मुख्यमंत्री इस आरोप लगा है तो नगरी अचल में कहा पर हाफिम की खेती हो रहे आकर दिखावे नहीं तो जनता के बीच आकर माफी मांगनी की बात और उन्हें नगरी अंचल किसानों को बदनाम करने का प्रयास निंदनीय है।

चिकन पार्टी के बाद देर से लौटी, पुलिस जांच और सीसीटीवी फुटेज से सामने आई सच्चाई

बच्चा चोरी केस निकला मनगढ़ंग

बालोद/दल्लीराजहरा। जिले के दल्ली राजहरा थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम अरमूरकसा में बीती रात तथाकथित बच्चा चोरी की घटना मनगढ़ंत कहानी निकली। पुलिस जांच से पता चला कि 10 वर्षीय बच्ची ने घर पहुंचने में हुई देरी को छुपाने के लिए ऐसा किया था।

बच्ची शाम करीब 6 बजे घर से निकली थी और रात में काफी देर से वापस लौटी। इस दौरान सोशल मीडिया में उसके लापता होने की सूचना वायरल हो गई और गांव में बच्चा चोरी की आशंका को लेकर माहौल बन गया। बच्ची डरी-सहमी हालत में कहती रही कि उसे कुछ लोगों ने चॉकलेट खिलाकर बोरे में बंद कर दिया था। बाद में सड़क किनारे छोड़ दिया। उसकी बातों पर तत्काल विश्वास कर लिया गया और यह मामला बच्चा चोरी के रूप में वायरल हो गया।

पुलिस और स्थानीय लोगों ने मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच शुरू की। सीसीटीवी फुटेज खंगाले गए, जिसमें बच्ची एक ट्रक ड्राइवर के साथ नजर आई। पूछताछ से पता चला कि बच्ची कुछ ट्रक ड्राइवरों के साथ गई थी और उनके साथ चिकन सेंटर पर चिकन खरीदकर पार्टी भी की थी।

ट्रक ड्राइवरों के पास मौजूद सेल्फी और अन्य साक्ष्यों ने से पता चला कि बच्ची उनके साथ समय बिता रही थी। पहले डर के कारण ड्राइवरों ने जानकारी नहीं दी थी, लेकिन बाद में पूछताछ में उन्होंने पूरी सच्चाई बता दी। घरवालों की डांट और सजा से बचने के लिए बच्ची ने बच्चा चोरी की मनगढ़ंत कहानी बता दी, जिसे आसपास के लोगों ने सच मान लिया। दल्ली राजहरा के ज्योति अस्पताल में भर्ती बच्ची से पूछताछ में भी वह अपने बयान पर कायम रही और लगातार वही कहानी दोहराती रही। पूर्व जनपद सदस्य संजय बैस ने बताया कि वे स्वयं सोशल मीडिया के माध्यम से बच्ची की खोज कर रहे थे। बच्ची के मिलने पर उसने बच्चा चोरी की बात कही, जिससे सभी को लगा कि वह सच बोल रही है। उन्होंने बताया कि जांच के दौरान सीसीटीवी और ट्रक ड्राइवरों की जानकारी सामने आने के बाद असलियत स्पष्ट हुई। शुरुआत में सभी ने उसकी डरी हुई हालत देखकर उसकी बातों पर भरोसा कर लिया था।

जिला पंचायत सीईओ ने किया प्रधानमंत्री आवास का निरीक्षण

बालोद/नवप्रदेश। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सुनील कुमार चंद्रवंशी ने गुण्डरदेही विकासखंड के ग्राम गुरेदा, ओटेबंद एवं कचांदुर में प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के तहत निर्माणाधीन आवासों का निरीक्षण किया। इस दौरान सीईओ चंद्रवंशी ने अप्रारंभ आवासों को यथाशीघ्र प्रारंभ करने और निर्माणाधीन आवासों को निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्ता के साथ पूर्ण करने को कहा। लाभार्थियों को निर्माणाधीन आवासों में रैन वाटर हार्वेस्टिंग सिंस्टम, सोख्ता गढ्ढा का निर्माण करने हेतु प्रोत्साहित किया। योजना अंतर्गत लाभार्थियों से चर्चा करते हुए आवास निर्माण से संबंधित समस्याओं को संज्ञान में लेते हुए तत्काल समाधान हेतु संबंधित अमलों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

जीवन बीमा में अविनाश ने रचा कीर्तिमान, प्रथम डबल करोड़पति अभिकर्ता बने

खैरागढ़/नवप्रदेश। जिले में जीवन बीमा की पॉलिसीधारकों की उत्कृष्ट सेवा के लिए पहचान बना चुके अविनाश नीलेंद्र शर्मा ने एक बार फिर शानदार उपलब्धि हासिल करते हुए नया कीर्तिमान स्थापित किया है। इसी वर्ष उन्होंने शतकवीर सम्मान प्राप्त करते अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिष्ठित एमडीआरटी यूएसए की उपलब्धि पुनः हासिल की है। निरंतर उत्कृष्टता और समर्पण से लक्ष्य को प्राप्त करते हुए डबल करोड़पति बनकर राजनांदगांव खैरागढ़ जिले में प्रथम स्थान हासिल किया, जो पूरे क्षेत्र के लिए गर्व का विषय है।

अविनाश शर्मा ने अपनी इस सफलता का श्रेय अपने पिता नीलेंद्र शर्मा के मार्गदर्शन को देते कहा कि उनका मुख्य उद्देश्य भारतीय जीवन बीमा निगम के उद्देश्यों को जन-जन तक पहुंचाना और लोगों को सुरक्षित भविष्य के प्रति जागरूक करना है। इस विशेष उपलब्धि पर मित्रों, एलआईसी परिवार एवं पॉलिसी धारकों ने बधाई दी।

चिखली स्कूल के पास स्वावलंबन योजना की 7 दुकानें सील

राजनांदगांव/नवप्रदेश। वित्तीय वर्ष की समाप्ति पर नगर निगम द्वारा राजस्व वसूली में कड़ाई बरतते हुए प्रतिदिन कार्यवाही की जा रही है। बकायेदारों का नाम प्रकाशित कर नल विच्छेदन की कार्रवाई की जा रही है। दुकानें सील करने की कार्रवाई भी की जा रही है। आज चिखली स्कूल के पास मुख्यमंत्री स्वावलंबन योजनांतर्गत निर्मित 7 दुकानें सील की गई ।

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर, (जोन क्र. - 4)
प्रेस क्लब, पानी टंकी के नीचे, छोटापारा, रायपुर
Email ID - rmczone4@gmail.com

ईंश्तहार

नामंतरण प्र.क्र. 29138 दिनांक 09.03.2026
वार्ड का नाम- 64 - डॉ. विपिन बिहारी सूर वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 64 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR656F00080 जो की निगम अभिलेख श्री/ श्रीमती SANT KUMAR DEWANGAN पिता / पति श्री/ श्रीमती MR. SUNDAR LAL DEWANGAN के नाम से दर्ज है जिसको श्री/श्रीमती श्रीमति रश्मि देवांगन पिता /पति श्री/श्रीमती पति रितेश कुमार देवांगन ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत हक त्याग विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी । जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा ।

" सूचना जारी करे "
श्रीमति दिव्या चंद्रवंशी
(जोन कमिश्नर)
जोन (4)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर, (जोन क्र. - 4)
प्रेस क्लब, पानी टंकी के नीचे, छोटापारा, रायपुर
Email ID - rmczone4@gmail.com

ईंश्तहार

नामंतरण प्र.क्र. 29140 दिनांक 09.03.2026
वार्ड का नाम- 64 - डॉ. विपिन बिहारी सूर वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 64 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR656F00081 जो की निगम अभिलेख श्री/ श्रीमती SURESH KUMAR SEN पिता / पति श्री/ श्रीमती SHANKAR LAL SEN के नाम से दर्ज है जिसको श्री/श्रीमती श्रीमति संतोषी सेन पिता /पति श्री/श्रीमती पति स्व. सुरेश कुमार सेन ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / अन्य / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी । जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा ।

" सूचना जारी करे "
श्रीमति दिव्या चंद्रवंशी
(जोन कमिश्नर)
जोन (4)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर, (जोन क्र. - 5)
ईदगाहभाठा, नवीन पानी टंकी परिसर, रायपुर
Email ID - rmczone5@gmail.com

ईंश्तहार

नामंतरण प्र.क्र. 29687 दिनांक 25.03.2026
वार्ड का नाम- 66 - वामनराव लाखे वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 66 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR664I00338 जो की निगम अभिलेख श्री/ श्रीमती NARESH SINGH THAKUR पिता / पति श्री/ श्रीमती LATE. MILAP SINGH THAKUR के नाम से दर्ज है जिसको श्री/श्रीमती CHANDRAHAS SINGH THAKUR, CHANDRASHEKHAR SINGH THAKUR पिता /पति श्री/श्रीमती NARESH SINGH THAKUR ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / OTHERS / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी । जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा ।

" सूचना जारी करे "
(जोन कमिश्नर)
जोन (5)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगरपालिक निगम, भिलाई
आकाश गंगा, सुपेला, जी.ई. रोड भिलाई, जिला-दुर्ग (छत्तीसगढ़)
E-mail: Bhilai-Nagar-Nigam@cg.gov.in

//आम सूचना//

क्रमांक / 233 /चार/रा.वि./2026 भिलाई, दिनांक 25/03/2026

एतद्वारा सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि वर्ष 1977 में प्रारंभ शारदापारा आवासीय योजना अंतर्गत रियायती दरों पर प्रदत्त लीज की अवधि दिनांक 31.03.2009 को समाप्त हो चुकी है तथा संबंधित लीजधारियों द्वारा समयावधि में भवन निर्माण नहीं करने, समयसीमा में प्रीमियम / भू-भाटक की राशि नहीं जमा करने तथा छत्तीसगढ़ नगर तथा ग्राम निवेश अधिनियम, 1973 की धारा 54 के अधीन शारदापारा आवासीय योजना व्यपगत होने तथा संबंधितों द्वारा लीज नवीनीकरण हेतु उचित समयावधि में आवेदन नहीं करने से संबंधित भूखण्ड स्वतः निगम में निहित हो चुके हैं। लीज नवीनीकरण हेतु 89 आवेदकगण द्वारा प्रस्तुत आवेदन पत्र पृथक-पृथक स्पष्ट आदेश के माध्यम से अस्वीकृत किये जा चुके हैं।

शारदापारा आवासीय योजना अंतर्गत आज दिनांक की स्थिति में रिक्त भूखण्डों को आवासहीन एवं प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) अंतर्गत पात्र हितग्राहियों को नियमानुसार आबंटन का प्रस्ताव निगम स्तर पर विचाराधीन है। जिसके अंतर्गत कट-ऑफ तिथि 31.08.2024 के पूर्व से निगम क्षेत्र में निवासरत् तथा सम्पूर्ण भारत व निगम क्षेत्र में आवासीय भूखण्ड/ पक्का मकान धारित नहीं करने वाले, 3.00 लाख रुपये से कम वार्षिक आय वाले परिवार प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) अंतर्गत पात्र हैं, जिन्हे आवास निर्माण हेतु भारत सरकार व राज्य शासन द्वारा कुल 2,50,000/- तक का अनुदान एवं 18 माह की समयावधि में भवन निर्माण करने पर राज्य शासन द्वारा मुख्यमंत्री गृह प्रवेश सम्मान योजना अंतर्गत 32850/- अतिरिक्त अनुदान का प्रावधान है।

अतः सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि यदि प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) अंतर्गत पात्र हितग्राही, शारदापारा आवासीय योजना अंतर्गत 15 × 30 = 450 वर्गफुट भूमि आम नीलामी के माध्यम से प्राप्त करना चाहते हैं तो जोन-03 मदर टेरेसा नगर कार्यालय में जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। पर्याप्त संख्या में आवेदकगण इच्छुक होने पर नियमानुसार आम नीलामी की कार्यवाही की जावेगी।

आयुक्त
नगर पालिक निगम, भिलाई

न्यायालय तहसीलदार दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)
उद्घोषणा
रा.प्र.क्र.202603100700071 /अ-21/वर्ष 2025-26

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है ... [illegible]

... अपने विधिमान्य अभिकर्ता के माध्यम से इस न्यायालय से इस न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति आवेदन पेश कर सकते है। समयावधि पश्चात् आपत्ति प्रस्तुत होने पर कोई विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 25.03.2026 को यह उद्घोषणा मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर तहसीलदार दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)
मामले की श्रेणी-राजस्व
ईश्तहार

संदर्भः जिला दुर्ग तहसील-दुर्ग प.ह.न. 00049 रिसाली ग्राम के नामांतरण पंजी में पंजीबद्ध प्रकरण- आर.सी. 20252643010480009 ... [illegible]

उपरोक्त के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति/ संस्था को कोई दावा आपत्ति हो तो ईश्तहार प्रकाशन उपरांत प्रकरण की आगामी सुनवाई के पुर्व या सुनवाई के समय अपना दावा आपत्ति स्वयं/ अधिवक्ता/ आममुख्तयार के माध्यम से पेश कर सकते है। प्रकरण के सुनवाई के लिए निर्धारित तिथि के उपरांत प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 25.03.2026 को जारी किया जाता है।

मुहर तहसीलदार दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार एवं कार्यपालिक दण्डाधिकारी जिला दुर्ग (छ.ग.)
उद्घोषणा
रा.प्र.क्र./वर्ष 2025-26

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित ... [illegible]

... समयावधि पश्चात् आपत्ति प्रस्तुत होने पर कोई विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 20.03.2026 को यह उद्घोषणा मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर कार्यपालिक दण्डाधिकारी जिला दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार धमधा जिला दुर्ग (छ.ग.)
ईश्तहार
रा.प्र.क्र.202602100800083 /अ-06/वर्ष 2025-26
ग्राम धमधा, प.ह.न. 15

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया ... [illegible]

... माध्यम से इस न्यायालय में आगामी पेशी दिनांक 30.03.2026 तक न्यायालयीन अवधि में प्रस्तुत कर सकते है। उक्त तिथि के पश्चात् प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 06.03.2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय के पदमुद्रा से जारी किया गया है।

मुहर तहसीलदार धमधा जिला दुर्ग(छ.ग.)

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) दुर्ग जिला - दुर्ग (छ.ग.)
उद्घोषणा
रा.प्र.क्र.202603100400 /अ-02/ वर्ष 2025-26

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री/श्रीमती मीना साहनी पिता/पति राजेश चौधरी ... [illegible]

... किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो वे उद्घोषणा जारी होने की तिथि से 07 दिवस के भीतर लिखित आपत्ति अथवा दावा स्वयं अथवा अपने अधिकृत व्यक्ति/अधिवक्ता के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत अवधि में दावा आपत्ति के पश्चात् दावा आपत्ति प्राप्त होने पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह उद्घोषणा आज दिनांक 00.03.2026 को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय की पदमुद्रा से जारी किया गया ।

मुहर अनुविभागीय अधिकारी दुर्ग, जिला दुर्ग

न्यायालय तहसीलदार धमधा जिला दुर्ग (छ.ग.)
ईश्तहार
रा.प्र.क्र.202602100800084 /अ-06/वर्ष 2025-26
ग्राम धमधा, प.ह.न. 15

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया ... [illegible]

... आगामी पेशी दिनांक 30.03.2026 तक न्यायालयीन अवधि में प्रस्तुत कर सकते है। उक्त तिथि के पश्चात् प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 06.03.2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय के पदमुद्रा से जारी किया गया है।

मुहर तहसीलदार धमधा जिला दुर्ग(छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार धमधा जिला दुर्ग (छ.ग.)
ईश्तहार
रा.प्र.क्र./ब-121/वर्ष 2025-26
ग्राम खिलोराखुर्द, प.ह.न. 10

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता हैं कि आवेदक इन्द्र कुमार पिता स्व. तामेश्वर पटेल जाति-लोधी, निवासी ग्राम - खिलोराखुर्द तहसील धमधा, जिला-दुर्ग द्वारा अपनी माता स्व. कुमारी बाई पति स्व. तामेशवर पटेल की मृत्यु दिनांक 17.11.1985 को स्थान ग्राम खिलोराखुर्द, तहसील धमधा, जिला-दुर्ग में मृत्यु होना लेख किया है, जिसका मृत्यु का पंजीयन किसी भी जिले या स्थान में दर्ज नहीं होने से संबंधित विभाग में मृत्यु का पंजीयन स्थानीय रजिस्ट्रार जन्म/मृत्यु को ... [illegible]

आज दिनांक 18.03.2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय के पदमुद्रा से जारी किया गया।

मुहर तहसीलदार धमधा जिला दुर्ग(छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार धमधा जिला दुर्ग (छ.ग.)
ईश्तहार
रा.प्र.क्र./ब-121/वर्ष 2025-26
ग्राम खिलोराखुर्द, प.ह.न. 10

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता हैं कि आवेदक इन्द्र कुमार पिता स्व. तामेश्वर पटेल, जाति-लोधी, निवासी ग्राम खिलोराखुर्द, तहसील धमधा, जिला-दुर्ग द्वारा अपनी माता स्व. रूखमणी बाई पति स्व. तामेशवर पटेल की मृत्यु दिनांक 15.03.2001 को स्थान ग्राम खिलोराखुर्द, तहसील धमधा, जिला-दुर्ग में मृत्यु होना लेख किया है, जिसका मृत्यु का पंजीयन किसी भी जिले या स्थान में दर्ज नहीं होने से संबंधित विभाग में मृत्यु का पंजीयन स्थानीय रजिस्ट्रार जन्म/मृत्यु को ... [illegible]

आज दिनांक 18.03.2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय के पदमुद्रा से जारी किया गया।

मुहर तहसीलदार धमधा जिला दुर्ग(छ.ग.)

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) दुर्ग जिला - दुर्ग (छ.ग.)
उद्घोषणा
रा.प्र.क्र.202603100400126 /अ-02/ वर्ष 2025-26

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री / श्रीमती बुधारू राम वर्मा पिता/पति स्व0 कलानाथ वर्मा निवासी पुरानी बस्ती कोहका द्वारा भूमि के नीचे वर्णित अनुसूची में उल्लेखित ग्राम, खसरा, रकबा भूमि के दर्शित प्रयोजन अनुसार छत्तीसगढ़ शासन के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग मंत्रालय, महानदी भवन, नवा रायपुर अटलनगर के द्वारा जारी अधीसूचना दिनांक 22.12.2025 के अनुसार छत्तीसगढ़ भू राजस्व संहिता (व्यपवर्तित भूमि के लिए भू-राजस्व का निर्धारण तथा पुनर्निर्धारण) नियम 2025 में दिये गये निर्धारित प्ररूप-एक में भूमिस्वामी द्वारा भूमि उपयोग के व्यपवर्तन तथा स्वनिर्धारण की सूचना व घोषणा पत्र छ.ग. भू.रा. संहिता 1959 यथासंशोधित 2022 की धारा 59/172 के तहत् इस न्यायालय में अन्य दस्तावेजों सहित प्रस्तुत किया गया है।

अनुसूची

ग्राम/प.ह.नं./तह.	आवेदित भूमि स्थित है	रकबा हे.	प्रयोजन
ग्राम कोहका प.ह.नं. 45 तह. व जिला दुर्ग	267/49	0.0100	आवासीय

[illegible]

आज दिनांक 15.03.2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी किया गया।

मुहर अनुविभागीय अधिकारी दुर्ग, जिला दुर्ग

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार भिलाई नगर जिला दुर्ग (छ.ग.)
ईश्तहार
रा.प्र.क्र. 202602101000260 /ब-121/वर्ष 2025-26

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक अजय कुमार मंत्री पिता राजकुमार मंत्री निवासी मिलाई द्वारा ग्राम खेदामारा प.ह.नं. 11 स्थित भूमि खसरा नं. 476, 492, कुल खसरा 2 कुल रकबा 0. 4400 हे. एवं खसरा नं. 475 रकबा 0.3500 हे. भूमि आवेदक के पिता के नाम पर दर्ज है भूमिस्वामी की मृत्यु हो जाने से भूमिस्वामी का नाम विलोपित कर ... [illegible]

आज दिनांक 25.02.2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय के मुहर से जारी किया गया।

मुहर अतिरिक्त तहसीलदार भिलाईनगर (छ.ग.)

न्यायालय नजूल जांच अधिकारी दुर्ग (छ.ग.)
ईश्तहार
रा.प्र.क्र.202603103800018/28 /अ-20(3)/ वर्ष 2025-26

आवेदक शेखर कुमार साहू आ. सुभाष साहू एवं अन्य निवासी हुडको भिलाई की ओर से आम मुख्तयार सुभाष साहू पिता स्व. सखाराम के आवेदन अनुसार आमदी नगर हुडको भिलाई स्थित नजूल भूमि खसरा नं. 1/2, 2/2 का भाग, प्लाट नं. एच.आई.जी. 96, क्षेत्रफल 330 वर्गमीटर भूमि डॉ. मधुलिका पिता स्व. ए.एन. कथुरिया एवं अन्य के नाम पर नजूल अभिलेख में दर्ज है। धारक द्वारा पंजीकृत बयनामा दिनांक 09.02. 2026 आवेदकगण के पक्ष में निष्पादित किया गया है। उक्त आधार ... [illegible]

आज दिनांक 18.03.2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय के पद मुद्रा से जारी किया गया।

मुहर नजूल जांच अधिकारी दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)
उद्घोषणा
रा.प्र.क्र.202603100700016 /अ-06/वर्ष 2025-26

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक मो. अमीन कुरैशी पिता मो. जलील कुरैशी अन्य 02 निवासी राजनांदगांव तहसील व जिला राजनांदगांव के द्वारा ग्राम कसारीडीह तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नंबर 716/40 रकबा 0.020 हे. भूमि जो कि आवेदक/शामिलात सहखातेदार के नाम पर वर्तमान राजस्व अभिलेख में दर्ज है। आवेदित भूमि के खातेदार / वसीयतकर्ता मो. सफ्दर खान के द्वारा आवेदक के पक्ष में दिनांक 29.07.2021 को पंजीकृत/ अपंजीकृत ... [illegible]

आज दिनांक 06.03.2026 को यह उद्घोषणा मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर तहसीलदार दुर्ग (छ.ग.)

कार्यालय उप संचालक पशु चिकित्सा सेवायें, नारायणपुर
जिला - नारायणपुर (छ.ग.)
पता - माहका रोड , कलेक्ट्रेट परिसर, प्रथम तल, कक्ष क्र. 80
दूरभाष नं. 07781-299227, ईमेल ddvsnara.cg@nic.in
क्रमांक / GENS/2903/2025-LVSD NRY GEN SEC
नारायणपुर, दिनांक... /03/2026

तृतीय आमंत्रण सूचना

गौधाम संचालन के लिए "रूचि की अभिव्यक्ति" (Expression Of Interest) का आमंत्रण (E.O.I.)

> E.O.I. जारी करने की तिथि - **26.03.2026**
> निर्धारित प्रपत्र-06, प्ररूप (क, ख, एवं ग) में आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि :- **20.04.2026, समय दोपहर 3:00 बजे तक।**
> आवेदन जमा करने का स्थान - कार्यालय उपसंचालक, पशु चिकित्सा सेवाएँ नारायणपुर, माहका रोड, कलेक्ट्रेट परिसर, प्रथम तल, कक्ष क्र. 80, जिला- नारायणपुर (छ.ग.)

छ.ग. शासन, पशुधन विकास विभाग, मंत्रालय महानदी भवन, नवा रायपुर के पत्र क्रमांक / 1295/E-47383/GENCOR/3230/35/2025, दिनांक 06.08.2025 में प्रसारित दिशा-निर्देश अनुसार, **नारायणपुर जिले में** गौधाम संचालन के लिए इच्छुक संस्थाओं से "रूचि की अभिव्यक्ति" के तहत, **दिनांक 20.04.2026,** समय दोपहर 3:00 बजे तक आवेदन आमंत्रित किया जा रहा है। गौधाम में निराश्रित, घुमन्तू गौ-वंशीय पशुओं तथा गृह विभाग द्वारा कृषिक पशु परिरक्षण अधिनियम 2004 (यथा संशोधित 2011) एवं छ.ग. कृषिक पशु परिरक्षण अधिनियम 2014 के अंतर्गत जब्त गौ-वंशीय पशुओं को ही विस्थापित किया जाएगा।

गौधाम संचालन हेतु योजना का स्वरूप, स्थापना हेतु भूमि, उद्देश्य, पशु क्षमता, क्रियान्वयन / नियंत्रण / अनुसरण /अनुशीलन, गौधाम संचालन हेतु संस्था का चयन / पात्रता/ कार्यकाल/ दायित्व, मानव संसाधन की व्यवस्था, प्रबंधन, योजना का वित्त पोषण एवं शास्ति, गौसेवा आयोग में पंजीयन की प्रक्रिया इत्यादि की जानकारी कार्यालय उपसंचालक, पशु चिकित्सा सेवाएँ, माहका रोड, कलेक्ट्रेट परिसर, प्रथम तल, कक्ष क्र. 80, जिला-नारायणपुर (छ.ग.) से कार्यालयीन समय (प्रातः 10:00 से शाम 5:30 तक) में प्राप्त की जा सकती हैं। आवेदन हेतु निर्धारित प्रपत्र-06, प्ररूप (क, ख, एवं ग) तथा गौधाम योजना के दिशा-निर्देश, नारायणपुर जिले के वेबसाइट **https://narayanpur.gov.in** से भी डाऊनलोड किया जा सकता है।

उप संचालक
पशु चिकित्सा सेवायें
जी- 252607380/2 जिला - नारायणपुर (छ.ग.)

न्यूज गैलरी

कलेक्टर उइके की अध्यक्षता में जनगणना प्रकोष्ठ समिति का हुआ गठन

गरियाबंद/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ शासन के निर्देशानुसार भारत की जनगणना 2027 के प्रथम चरण, मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना के कार्य के लिए जिले में जनगणना प्रकोष्ठ का गठन किया गया है जो कलेक्टर एवं प्रमुख जनगणना अधिकारी बीएस उइके की अध्यक्षता में गठित की गई है। जिनमें जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी, अपर कलेक्टर एवं जिला जनगणना अधिकारी, आईटी जिला सूचना केन्द्र के उप निदेशक, सर्व अनुविभागीगय अधिकारी (राजस्व) गरियाबंद, जिला योजना एवं सांख्यिकी के उप संचालक, जिला कोषालय अधिकारी, जिला शिक्षा अधिकारी, आदिवासी विकास विभाग के सहायक आयुक्त, जनसंपर्क विभाग के सहायक संचालक तथा ई-डिस्ट्रिक मैनेजर सदस्य है।

प्रभारी मंत्री बघेल की अनुशंसा पर 4 निर्माण कार्यों के लिए राशि स्वीकृत

गरियाबंद/नवप्रदेश। गरियाबंद जिले के लिए प्रभारी मंत्री दयालदास बघेल की अनुशंसा पर कलेक्टर बीएस उइके ने 4 निर्माण कार्यों के लिए 30 लाख 94 हजार रूपये की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की है। जिला योजना एवं सांख्यिकी कार्यालय से प्राप्त जानकारी अनुसार विकासखण्ड फिंगेश्वर अंतर्गत ग्राम पंचायत सहसपुर में अजय ध्रुव के घर से मेन रोड तक सीसी रोड निर्माण के लिए 10 लाख रूपये की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है। उक्त निर्माण करने के लिए क्रियान्वयन एजेंसी का दायित्व मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत फिंगेश्वर को सौंपा गया है। इसी प्रकार विकासखण्ड गरियाबंद अंतर्गत ग्राम पंचायत मालगांव में हरी घर से स्कूल गेट तक और ग्राम पंचायत घुटुनवापारा में शिवपाल घर से पंचायत तक सीसी रोड निर्माण के लिए 5-5 लाख रूपये की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है। उक्त निर्माण कार्य के लिए क्रियान्वयन एजेंसी का दायित्व मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत गरियाबंद को सौंपा गया है तथा विकासखण्ड देवभोग के ग्राम पंचायत मुंगिया में सीसी रोड निर्माण के लिए 10 लाख 94 हजार रूपये की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई। उक्त निर्माण के लिए क्रियान्वयन एजेंसी का दायित्व मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत देवभोग को सौंपा गया है।

प्रयास आवासीय विद्यालयों में प्रवेश के लिए परीक्षा 10 मई को

गरियाबंद/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री बाल भविष्य सुरक्षा योजना के अंतर्गत संचालित प्रयास आवासीय विद्यालयों में सत्र 2026-27 के लिए कक्षा 9वीं में प्रवेश हेतु प्राक्कयन परीक्षा का आयोजन किया जाएगा। राज्य के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को कक्षा 9वीं से 12वीं तक उत्कृष्ट शिक्षा के साथ-साथ मेडिकल, इंजीनियरिंग, सीए, सीएस, क्लैट तथा एनडीए जैसी राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए प्रयास विद्यालयों की स्थापना की गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया 24 मार्च 2026 से प्रारंभ हो चुकी है। इच्छुक विद्यार्थी 17 अप्रैल 2026 तक (रात्रि 12 बजे तक) आवेदन कर सकते हैं। आवेदन पत्र में त्रुटि सुधार की सुविधा 18 अप्रैल से 21 अप्रैल 2026 तक उपलब्ध रहेगी। जिला स्तर पर दस्तावेजों का परीक्षण 22 अप्रैल से 28 अप्रैल 2026 तक किया जाएगा। प्रवेश पत्र 1 मई से 9 मई 2026 के बीच डाउनलोड किए जा सकेंगे। वहीं, प्राक्कयन परीक्षा 10 मई 2026 को आयोजित होगी। आवेदन से संबंधित समस्त जानकारी विभागीय वेबसाइट पर उपलब्ध है। विद्यार्थी ऑनलाइन आवेदन हेतु एकलव्य डॉट सीजी डॉट एनआईसी डॉट इन पर कर सकते हैं। साथ ही, अधिक जानकारी के लिए संबंधित जिले के सहायक आयुक्त, आदिवासी विकास कार्यालय से भी संपर्क किया जा सकता है।

पीसीपीएनडीटी अधिनियम के तहत सलाहकार समिति की बैठक 30 को

गरियाबंद/नवप्रदेश। पी.सी.पी.एन.डी.टी. अधिनियम 1994 (1994 का क्रमांक 57) की धारा 17(5) के तहत गठित सलाहकार समिति की बैठक 30 मार्च 2026 को दोपहर 12 बजे से मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय गरियाबंद में आयोजित की गई है। बैठक की अध्यक्षता समिति की अध्यक्ष डॉ. बी. बारा द्वारा की जाएगी। बैठक में पीसीपीएनडीटी अधिनियम के अंतर्गत प्राप्त आवेदनों की समीक्षा, संस्थाओं के निरीक्षण, नियमों के अनुपालन तथा अन्य महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा की जाएगी। विचार-विमर्श के उपरांत समिति द्वारा तैयार प्रतिवेदन जिला समुचित प्राधिकारी को भेजा जाएगा। सलाहकार समिति में अध्यक्ष के रूप में वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी एवं स्त्री-रोग विशेषज्ञ जिला चिकित्सालय डॉ. श्रीमती बी. बारा शामिल हैं। सदस्य के रूप में शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. अंकुश वर्मा, पैथालॉजी डॉ. अमन कुमार हुमने, जिला अभियोजन अधिकारी श्रीमती शीतल दुबे ठाकुर, जिला जनसंपर्क अधिकारी श्री हेमनाथ सिदार, लोक आस्था सेवा संस्थान दर्रापारा की सुश्री लता नेताम, प्रेरक संस्था राजिम के अध्यक्ष श्री राम गुलाल सिन्हा तथा विशेष अधीक्षिका विद्यानिधि बहु दिव्यांग आवासीय विद्यालय कोकड़ी की सुश्री शीला यादव शामिल हैं।

अवैध डीजल भंडारण पर प्रशासन की कार्रवाई, 3100 लीटर जब्त

कुरूद/नवप्रदेश। जिले में अवैध रूप से पेट्रोलियम उत्पादों के भंडारण पर नियंत्रण के लिए प्रशासन द्वारा सख्त कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में बीते मंगलवार की शाम थाना प्रभारी कुरुद को प्राप्त शिकायत के आधार पर अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) कुरुद के निर्देश पर राजस्व एवं पुलिस विभाग की संयुक्त टीम द्वारा कुरुद-धमतरी मार्ग स्थित सर्वेश्वर ऑटो फ्यूल्स, कुरुद में औचक निरीक्षण किया गया। जांच के दौरान पेट्रोल पम्प के पीछे बने स्टोर रूम एवं परिसर में संदिग्ध रूप से डीजल का भंडारण पाया गया। निरीक्षण में 4 ड्रम पूर्ण भरे हुए, 2 ड्रम आधे भरे हुए, 32 खाली ड्रम तथा 2 मिनी टैंकर वाहनों में लगभग 2100 लीटर डीजल पाया गया। इस प्रकार कुल लगभग 3100 लीटर डीजल अवैध रूप से संग्रहित होना प्रारंभिक जांच में सामने आया। संयुक्त जांच दल द्वारा मौके पर ही उक्त पेट्रोलियम उत्पाद एवं संबंधित सामग्री को प्रारंभिक रूप से जब्त कर लिया गया। साथ ही, संपूर्ण प्रकरण का प्रारंभिक जांच प्रतिवेदन तैयार कर अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) कुरुद को प्रस्तुत किया गया, जिसके आधार पर आवश्यक अग्रिम वैधानिक कार्यवाही की जा रही है।

4 लेन सड़क का भूमिपूजन: एक ही कार्यक्रम का अलग-अलग समय

■ नेताओं की अनदेखी और खाली कुर्सियों की चर्चा, जिम्मेदार कौन?

राजिम/नवप्रदेश। नवीन मेला स्थल राजिम चौबेबांध से लक्ष्मण झूला तक लगभग 3.50 किलोमीटर लंबी प्रस्तावित 4 लेन सड़क निर्माण का भूमिपूजन भले ही विकास के बड़े दावों के साथ सम्पन्न हुआ, लेकिन पूरा आयोजन शुरुआत में ही अव्यवस्था और लापरवाही का शिकार बन गया। यह सड़क निर्माण कार्य क्षेत्र के लिए एक महत्वपूर्ण परियोजना मानी जा रही है, जिससे न केवल आवागमन सुगम होगा, बल्कि धार्मिक और पर्यटन गतिविधियों को भी नया आयाम मिलने की संभावना जताई जा रही है। लेकिन विकास कार्य के इस शुभारंभ कार्यक्रम के साथ ही आयोजन को लेकर कई तरह की नाराजगी और सवाल भी सामने आए हैं।

सबसे पहले कार्यक्रम के समय को लेकर ही भारी भ्रम की स्थिति बन गई। लोक निर्माण विभाग द्वारा जारी विज्ञापन में समय दोपहर 1 बजे बताया गया है, वहीं अन्य विज्ञापनों में समय 10 बजे बताया गया। मजे की बात की आमंत्रण

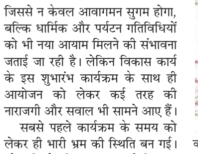

कार्ड में भी समय 1 बजे दर्शाया गया है। जबकि वास्तविक रूप से भूमिपूजन 11 बजे जाकर जैसे-तैसे सम्पन्न हुआ। इस गड़बड़ी के कारण कई लोग भ्रम के चलते कार्यक्रम से दूर ही रह गए। इस लापरवाही ने आयोजन की तैयारी पर सीधे सवाल खड़े कर दिए। वहीं, राजनीतिक स्तर पर भी आयोजन विवादों में रहा। सूत्रों के अनुसार, पार्टी के कई वरिष्ठ और स्थानीय नेताओं को न तो आमंत्रण दिया गया और न ही सूचना, उनको विज्ञापन से भी बाहर कर दिया गया है। इससे कार्यकर्ताओं और उपेक्षित नेताओं में नाराजगी खुलकर सामने आई। इसे संगठन के भीतर समन्वय की कमी और गुटबाजी का संकेत माना जा रहा है। आयोजन स्थल की तस्वीरें भी कई सवाल छोड़ गईं।

स्थानीय मीडिया को किया नजरअंदाज

मीडिया को लेकर भी स्थिति संतोषजनक नहीं रही। स्थानीय पत्रकारों का आरोप है कि कार्यक्रम में उन्हें नजरअंदाज किया गया और केवल चुनिंदा चहेते लोगों को ही बुलाया गया। इसे पारदर्शिता के खिलाफबताते हुए पत्रकारों ने नाराजगी जताई है।

बड़े स्तर के कार्यक्रम के बावजूद कुर्सियां खाली नजर आईं, जिससे साफ हुआ कि समय भ्रम के चलते अपेक्षित भीड़ नहीं जुट पाई।

अनुभवहीन टीम, अधूरा मेंटेनेंस और खराब तकनीकी मानक बना हादसे का कारण

केबल की गुणवत्ता से समझौता, मेंटेनेंस में भी लापरवाही, जांच में मिली खामियां

महासमुंद/नवप्रदेश। कांग्रेस के जांच दल ने खल्लारी मंदिर के रोपवे स्थल और पहाड़ी पर उस जगह का बारीकी से निरीक्षण किया, जहां रोपवे की ट्रॉली दुर्घटनाग्रस्त हुई थी। टीम ने रोपवे के टूटे हुए केबल का अवलोकन किया, जिसमें पाया गया कि केबल के बाहरी हिस्से में स्टील का तार था, जबकि अंदर नायलॉन की रस्सी का उपयोग किया गया था। टीम ने इस पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि रोपवे में पूरी तरह स्टील से बने केबल का उपयोग किया जाना चाहिए था। हजारों लोगों की सुरक्षा के लिए केबल की गुणवत्ता से समझौता स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है।

जांच दल ने रोपवे ऑपरेटरों, प्रत्यक्षदर्शियों और मंदिर प्रबंधन से भी बातचीत कर घटनाक्रम की विस्तृत जानकारी जुटाई। टीम का नेतृत्व कर रहे विधायक द्वारिकाधीश यादव ने बताया कि कंपनी ने नवरात्रि पर्व से तीन दिन पहले मेंटेनेंस कार्य कराया था, जो बिना किसी तकनीकी इंजीनियर विशेषज्ञ की देखरेख के किया गया था।

मेंटेनेंस के दौरान अपर स्टेशन के मुख्य चक्के (व्हील) को बदला गया था, जो पूर्व में लगे चक्के से भिन्न पाया गया। मासिक और वार्षिक गहरी तकनीकी जांच महीने में एक बार और पूरी विस्तृत ऑडिट जांच साल में एक बार अनिवार्य रूप से की जाती है।

मुख्य सुरक्षा जांच प्रक्रियाएं

मैग्नेटिक रोप टेस्टिंग (एमआरटी) यह सबसे महत्वपूर्ण जांच है। इसमें केबल के चारों ओर एक चुंबकीय मशीन लगाई जाती है जो केबल के अंदरूनी टूटे हुए तारों, जंग या किसी भी तरह की कमजोरी का पता लगा लेती है, जो आंखों से नहीं दिखती।

विजुअल और रग टेस्ट

रखरखाव करने वाले कर्मचारी केबल पर एक सूती कपड़ा हल्के से पकड़ते हैं। यदि केबल का कोई तार बाहर निकला हुआ या टूटा होता है, तो वह कपड़े में फंस जाता है, जिससे खराबी का तुरंत पता चल जाता है।

अल्ट्रासोनिक टेस्टिंग

इसमें ध्वनि तरंगों का उपयोग करके केबल के भीतर की सूक्ष्म दरारों या दोषों की जांच की जाती है।

नियमित लुब्रिकेशन

घर्षण और जंग से बचाने के लिए केबल पर समय-समय पर विशेष ग्रीस या तेल लगाया जाता है। यह केबल की उम्र बढ़ाता है और इसे सुचारू रूप से चलने में मदद करता है।

लोड टेस्टिंग

समय-समय पर रोपवे में यात्रियों की जगह भारी वजन (जैसे पानी की टंकियां या रेत की बोरियां) भरकर चलाया जाता है ताकि यह देखा जा सके।

जांच का समय

हर दिन रोपवे शुरू करने से पहले ऑपरेटर केबल और पुली की बुनियादी जांच करते हैं।

गैस रिफिलिंग के अवैध अड्डे पर पुलिस का छापा, आरोपी गिरफ्तार

महासमुंद/नवप्रदेश। जिले में घरेलू गैस सिलेंडरों की कालाबाजारी के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत बागबाहरा पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए अवैध गैस रिफिलिंग के एक ठिकाने का भंडाफोड़ किया है। यह कार्रवाई पुलिस के शिकायत हेल्प डेस्क संवाद व्हाट्सएप नंबर पर मिली गुप्त सूचना के आधार पर की गई। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, आरोपी राजकुमार पटेल (38), निवासी वार्ड नंबर 2, झलप चौक बागबाहरा, घरेलू एलपीजी सिलेंडरों की अवैध रिफिलिंग और कालाबाजारी में संलिप्त था। सूचना मिलते ही पुलिस ने दबिश देकर मौके से गैस सिलेंडर, रिफिलिंग पाइप, इलेक्ट्रिक तौल मशीन सहित अन्य उपकरण जब्त किए।

पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धारा 3 एवं 7 आवश्यक वस्तु अधिनियम और बीएनएस की धारा 288 के तहत मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया है।

कार्रवाई के दौरान 7 खाली गैस सिलेंडर, रिफिलिंग उपकरण (कीमत लगभग 9,000 रुपये), एक इक्को वाहन (कीमत 3 लाख रुपये) तथा एक मारुति वेगनार कार (कीमत 5 लाख रुपये) जब्त की गई है।

पुलिस अधीक्षक ने आम जनता से अपील की है कि वे संवाद व्हाट्सएप नंबर 9479229939 को अपने मोबाइल में सेव करें और अपने आसपास होने वाली किसी भी अवैध गतिविधि की सूचना साझा करें। सूचना देने वाले का नाम और पता पूरी तरह गोपनीय रखा जाएगा। गुप्त सूचना के लिए '1' और शिकायत दर्ज कराने के लिए '2' विकल्प चुन सकते हैं।

सीएम ने 17 हजार 575 हितग्राहियों के खाते में हस्तांतरित किए 17 करोड़ 57 लाख रुपए

■ मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कोदोबदर के नरेश निर्मलकर से किया संवाद

गरियाबंद/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने दीनदयाल उपाध्याय भूमिहीन कृषि मजदूर कल्याण योजना के तहत बलौदाबाजार के पंडित चक्रपाणि शुक्ल हायर सेकेंडरी स्कूल मैदान में आयोजित प्रदेश स्तरीय आदान राशि वितरण कार्यक्रम में रिमोट का बटन दबाकर राज्य के 4 लाख 95 हजार 965 हितग्राहियों के खाते में 495 करोड़ 96 लाख 50 हजार रुपये हस्तांतरित किए। रिमोट का बटन दबाते ही गरियाबंद जिले के 17 हजार 575 हितग्राहियों के खाते में 10 हजार रुपये के मान से 17 करोड़ 57 लाख 50 हजार रुपये की राशि अंतरित हुई। कार्यक्रम में सांकेतिक रुप से 12 हितग्राहियों को उनके खाते में राशि हस्तांतरण का प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ छत्तीसगढ़ महतारी की छायाचित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलित कर किया गया।

सरकार आपके साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी है: अनुज

■ खेत की माटी में जो अपना खून-पसीना मिलाता है, असली सोना वही उगाता है

धरसीवां / कूंरा/नवप्रदेश। आज जनपद पंचायत धरसीवां में विधायक अनुज शर्मा नें दीनदयाल उपाध्याय भूमिहीन कृषि मजदूर कल्याण योजना के तहत धरसीवां विधानसभा के हितग्राहियों कों प्रमाण पत्र वितरित किया।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय नें आज वर्चुअल कार्यक्रम के ज़रिए दीनदयाल उपाध्याय भूमिहीन कृषि मजदूर कल्याण योजना के बलौदाबाजार से करीब 5 लाख भूमिहीन कृषि मजदूर परिवारों के बैंक खाते में लगभग 500 करोड़ रुपए की राशि अंतरित किए हैं।

दीनदयाल उपाध्याय भूमिहीन कृषि मजदूर कल्याण योजना के तहत 4.95 लाख से अधिक पात्र परिवारों के लिए राज्य सरकार की ओर से 495 करोड़ 96 लाख 50 हजार रुपए की राशि जारी किया गया है। भूमिहीन कृषि मजदूरों को प्रतिवर्ष 10 हजार रुपए की वित्तीय सहायता सीधे हितग्राही के बैंक खाते में ट्रांसफ़र की गई। इस अवसर पर विधायक अनुज शर्मा ने कहा कि आज का यह दिन हम सबके लिए बहुत गौरव का दिन है।

बच्चों के भविष्य से खिलवाड़, 14 साल से गायब शिक्षक डीईओ की सेवा में लगा

छुईखदान/नवप्रदेश। छुईखदान ब्लॉक के गेरू खदान गांव से शिक्षा व्यवस्था की गंभीर लापरवाही और संभावित साठगांठ का मामला सामने आया है, जो अब सवालों के घेरे में आ चुका है। वर्ष 2011 से स्कूल से नदारद एक शिक्षक पर आज तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। ग्रामीणों का आरोप है कि उक्त शिक्षक पढ़ाई कराने के बजाय जिला शिक्षा अधिकारी के साथ रहता है.और उनकी गाड़ी चलाने का काम करता है. इसमें कितनी सच्चाई है इसकी जाँच होना चाहिए चौंकाने वाली बात यह है कि इस मामले को लेकर ग्रामीणों द्वारा कई बार शिकायतें की जा चुकी हैं इसके बावजूद जिम्मेदार अधिकारियों ने कोई कार्रवाई करना जरूरी नहीं समझा। इससे पूरे सिस्टम की कार्यशैली पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं।

गेरू खदान के सरपंच मेरावी ने बताया कि उन्होंने कई बार संबंधित अधिकारियों को इस मामले से अवगत कराया, लेकिन हर बार शिकायतों को नजरअंदाज कर दिया गया। अब तक न कोई जांच हुई, न कोई कार्रवाई, और शिक्षक आज भी स्कूल से गायब है, उन्होंने कहा।

प्रतिबंधित पेड़ों की लकड़ी खुलेआम रखी, जिम्मेदारों पर उठे सवाल

कुरूद/नवप्रदेश। ग्रामीण अंचलों में फसल कटाई के बाद इन दिनों खेतों में शासन द्वारा प्रतिबंधित पेड़ों की कटाई का सिलसिला तेज हो गया है। बताया जा रहा है कि कुछ कोचिए किसानों से संपर्क कर सस्ते दामों में प्रतिबंधित लकड़ी खरीदकर महंगे दामों पर बेच रहे हैं। शासन के निर्देशानुसार अर्जुन (कहवा), महुआ, आम, इमली, बरगद, परसा, नीलगिरी, नीम, खम्हार जैसे पेड़ों की कटाई प्रतिबंधित है। इसी बीच कुरूद ब्लॉक के ग्राम कोकड़ी (नारी) स्थित माध्यमिक स्कूल परिसर में प्रतिबंधित पेड़ों की लकड़ी खुलेआम रखे जाने का मामला सामने आया है। इस पर स्कूल प्राचार्य महेश साहू की भूमिका पर सवाल खड़े हो रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि प्राचार्य महेश साहू को इस बात की जानकारी होना चाहिए कि प्रतिबंधित लकड़ी को स्कूल परिसर में रखना नियमों के खिलाफ है। प्राचार्य महेश साहू पर पूर्व में भी कई शिकायतें सामने आ चुकी हैं। मिली जानकारी के अनुसार उनके खिलाफ शिक्षकों से अभद्र व्यवहार करने और एक छात्रा के साथ मारपीट का आरोप लगा था, जिसमें छात्रा को चोट भी आई थी। परिजनों ने इसकी शिकायत ब्लॉक शिक्षा अधिकारी चंद्रप्रकाश साहू से की थी। हालांकि जांच के बाद भी मामले में ठोस कार्रवाई नहीं होने से लोगों में नाराजगी बनी हुई है।

वहीं, ग्राम पंचायत के उपसरपंच जितेन्द्र साहू (महेंद्र) ने सफाई देते हुए कहा कि अर्जुन (कहवा) का पेड़ मध्यान्ह भोजन के लिए मंगवाया गया था। लेकिन जब उनसे पूछा गया कि यह प्रतिबंधित और गीली लकड़ी है, जिससे भोजन बनाना संभव नहीं है, तो उन्होंने संतोष जनक जवाब नहीं दिया।स्थानीय लोगों का आरोप है कि जिम्मेदार पदों पर बैठे लोग मनमानी कर रहे हैं और शिकायतों के बावजूद कार्रवाई नहीं हो रही है।

पेज 1 का शेष...

लाल आतंक पर भारी पड़ी...

और सलवा जुडूम के दौर में जिले के 123 स्कूल बंद हो गए थे, जिनमें 101 प्राथमिक और 21 माध्यमिक शालाएं शामिल थीं। लेकिन अब हालात पूरी तरह बदल चुके हैं।प्रशासन की सतत पहल और योजनाबद्ध प्रयासों के चलते सभी बंद स्कूल दोबारा शुरू हो चुके हैं। आज स्थिति यह है कि नक्सल प्रभाव के कारण बंद एक भी स्कूल शेष नहीं है।

आस्था, प्रकृति और रोमांच का...

की दिशा में बड़ा कदम साबित होगी। यहां हर पर्यटक प्रकृति से जुड़कर एक नया अनुभव लेकर लौटेगा। यहां आस्था, प्रकृति और रोमांच का अद्भुत संगम पर्यटकों को मिलेगा।

भोरमदेव अभ्यारण्य में वन विभाग द्वारा जंगल सफारी शुरू करने की तैयारियां अंतिम चरण में हैं। अप्रैल के पहले सप्ताह में इसके शुभारंभ की पूरी योजना तैयार कर ली गई है। नवप्रदेश की टीम ने मौके पर पहुंचकर व्यवस्थाओं का जायजा लिया, जहां स्पष्ट दिखा कि यह पहल पर्यटन, संरक्षण और स्थानीय रोजगार को एक साथ मजबूती देने वाली साबित होगी। जंगल सफारी का मुख्य प्रवेश द्वार करियाआमा को बनाया गया है, जहां से पर्यटकों को सफारी वाहनों की सुविधा मिलेगी। यहीं से लगभग 34 किलोमीटर लंबा वृत्ताकार मार्ग शुरू होगा, जो पूरे अभ्यारण्य का भ्रमण कराते हुए पर्यटकों को वापस उसी स्थान पर लाएगा। घने साल, सागौन और बांस के जंगलों के बीच यह सफर प्रकृति से सीधा जुड़ाव कराएगा।

नवप्रदेश टीम ने देखा जंगल का बदलता मिजाज

जब नवप्रदेश की टीम अभ्यारण्य के भीतर पहुंची तो मैकल पर्वतमाला की ऊंची पहाड़ियों से गुजरते हुए पतझड़ का मनमोहक दृश्य देखने को मिला, जहां सूखे पत्तों से ढकी धरती एक अलग ही सौंदर्य बिखेर रही थी। वहीं बकौदा से होते हुए दूर-दूरी झरने की ओर बढ़ते ही वातावरण पूरी तरह बदल गया ।

अमेरिका ने ईरान को युद्ध...

जिसमें अमेरिकी मांगों और संभावित रियायतों दोनों की रूपरेखा दी गई है, हालांकि किसी भी सरकार ने आधिकारिक रूप से पूरा दस्तावेज़ जारी नहीं किया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि वाशिंगटन ईरान में सही लोगों से बातचीत कर रहा है और दावा किया कि तेहरान समझौते पर पहुंचने के लिए उत्सुक है। उन्होंने कहा कि दोनों पक्ष 15 बिंदुओं पर सहमत हुए हैं जिनमें ईरान द्वारा परमाणु हथियार हासिल न करने की प्रतिबद्धता भी शामिल है।

ष्टत्वक्कष्ट सिलेक्टेड कैंडिडेट्स...

हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी, जिसमें उन्होंने कहा कि उनका चयन मेरिट पर हुआ है। न तो उनके खिलाफ कोई जांच चल रही है और न ही कोई केस दर्ज है। इसके बाद भी उन्हें जॉइनिंग से रोक दिया गया है।

बस्तर में लाल आतंक...

किया। पापा राव अपनी ही मौत का अफवाह उड़ाकर पुलिस को 20 सालों तक चकमा देता रहा और अब जिंदा साथियों के साथ आत्मसमर्पण कर चुका है। कुल 18 नक्सली 10 पुरुष और 8 महिलाएं ने जगदलपुर के शौर्य भवन पुलिस कोऑर्डिनेशन सेंटर में गृह मंत्री विजय शर्मा, मंत्री केदार कश्यप, जगदलपुर विधायक किरण सिंह देव, एडीजीपी विवेकानंद सिन्हा और बस्तर आईजी के समक्ष आत्मसमर्पण किया। उनके कब्जे से 4 एके-47 राइफलें, 1 एसएलआर 1 इंसास राइफल सहित अन्य हथियार और गोला-बारूद बरामद किए गए। पापा राव पर 25 लाख रुपये का इनाम घोषित था और वह पिछले 25-30 वर्षों से बस्तर के जंगलों में सक्रिय था।

भूमिहीन कृषि श्रमिकों की...

है। मुख्यमंत्री साय ने बलौदाबाजार की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत का स्मरण करते हुए बाबा गुरु घासीदास, संत कबीर और शहीद वीर नारायण सिंह को नमन किया।

जग्गी हत्याकांड : केस री-ओपन...

गवाह बन गए थे। 2007 में निचली अदालत ने 28 लोगों को उम्र कैद की सजा सुनाई थी और अमित जोगी को बरी कर दिया गया था। अमित जोगी को बरी किए जाने के खिलाफरामावतार जग्गी के बेटे सतीश जग्गी ने सुप्रीम कोर्ट में अपील की थी।

इन्हें दिया गया था दोषी करार

जग्गी हत्याकांड में अभय गोयल, याहया ढेबर, वीके पांडे, फिरोज सिद्दीकी, राकेश चंद्र त्रिवेदी, अवनीश सिंह लल्लन, सूर्यकांत तिवारी, अमरीक सिंह गिल, चिमन सिंह, सुनील गुप्ता, राजू भदौरिया, अनिल पचौरी, रविंद्र सिंह, रवि सिंह, लल्ला भदौरिया, धर्मेंद्र, सत्येंद्र सिंह, शिवेंद्र सिंह परिहार, विनोद सिंह राठौर, संजय सिंह कुशवाहा, राकेश कुमार शर्मा, (मृत) विक्रम शर्मा, जबवंत और विश्वनाथ राजभर दोषी हैं।

केंद्रीय राज्यमंत्री साहू की उपस्थिति में हर बूथ सशक्त करने का लिया संकल्प

***केंद्रीय राज्यमंत्री तोखन साहू ने ली अहम बैठक**
***असम के बउखुगरी से जीत का खाका तय**

बिलासपुर/नवप्रदेश। बउखुगरी स्थित शक्ति आश्रम में भारतीय जनता पार्टी-बोडोलैंड पीपुल्स फ्रंट-असम गण परिषद के तत्वावधान में एक महत्वपूर्ण चुनावी बैठक आयोजित की गई।

इस बैठक में केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य राज्य मंत्री तोखन साहू की उपस्थिति में आगामी चुनाव को लेकर विस्तृत रणनीति तैयार की गई। बैठक में बीटीसी के कार्यकारी सदस्य कमलेश्वर राय, प्रत्याशी प्रसन्न राय, जिला महामंत्री अविखन दास, मंडल अध्यक्ष सनमोहन राय, जिला उपाध्यक्ष लासिम बोरो, शिव शंकर उलाका (प्रभारी), अतीश शंभी (विस्तारक), दोवांजली देवी (मंत्री), विनीती बाला बसुमतारी (अध्यक्ष), संजय तिवारी (सदस्य) एवं अतुल कोर (प्रतिनिधि) सहित बड़ी संख्या में गठबंधन के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।केंद्रीय मंत्री साहू ने अपने संबोधन में कार्यकर्ताओं से कहा कि चुनाव केवल राजनीतिक प्रक्रिया नहीं, बल्कि जनता के विश्वास को जीतने का माध्यम है। उन्होंने जोर देकर कहा कि प्रत्येक कार्यकर्ता बूथ स्तर तक सक्रिय होकर घर-घर संपर्क स्थापित करे और सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी लोगों तक पहुंचाए।बैठक में बूथ प्रबंधन, मतदाता संपर्क अभियान, संगठन विस्तार एवं गठबंधन की एकजुटता को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। सभी कार्यकर्ताओं ने एक स्वर में बउखुगरी क्षेत्र में प्रचंड विजय सुनिश्चित करने का संकल्प लिया। यह बैठक कोकराझार में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की सुदृढ़ होती चुनावी तैयारियों और मजबूत संगठनात्मक क्षमता का प्रतीक बनकर उभरी, जिसने आगामी चुनाव के लिए जीत की स्पष्ट दिशा निर्धारित कर दी है।इसके उपरांत डोटमा मण्डल के दागोरीया क्षेत्र में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के तत्वावधान में एक महत्वपूर्ण कार्यकर्ता सम्मेलन एवं रणनीतिक बैठक आयोजित की गई। बैठक में केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य राज्य मंत्री श्री तोखन

साहू की उपस्थिति ने कार्यकर्ताओं में नया उत्साह और ऊर्जा का संचार किया।बैठक में जिला अध्यक्ष गोसाई बानुमतारी, मण्डल अध्यक्ष नंदलाल नरझरी, क्षेत्रीय प्रतिनिधि कल्याण गोगोई, विस्तारक विनय तिवारी, मण्डल प्रभारी साहको जाटप बर्बरी, उप सभापति जयदीप राय, एलएसी प्रबंधन अध्यक्ष कार्तिक बुम्ह सहित अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। साथ ही रिपुनजम नरझरी, प्रहलाद नरझरी, संजय तिवारी एवं दीपांजली सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी रही।

साहू ने कार्यकर्ताओं को किया संबोधित

इसी क्रम में केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू ने कोकराझार प्रवास के दौरान जिला भारतीय जनता पार्टी कार्यालय में आयोजित बैठक में कार्यकर्ताओं को संबोधित किया ।यह कार्यक्रम जिले में चल रही संगठनात्मक एवं चुनावी बैठकों की श्रृंखला का महत्वपूर्ण हिस्सा रहा, जिसमें एनडीए की रणनीति को मजबूत करने पर विशेष बल दिया गया ।अपने संबोधन में साहू ने कहा कि संगठन की वास्तविक शक्ति उसके समर्पित कार्यकर्ताओं में निहित होती है। उन्होंने यह भी कहा कि कार्यकर्ताओं की निरंतर मेहनत, अनुशासन और जनता के प्रति सेवा भाव ही पार्टी की सफलता का आधार है। बैठक में जिले के पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे। इस अवसर पर सभी ने आगामी चुनावों में संगठन को और अधिक सशक्त बनाते हुए एनडीए की विजय सुनिश्चित करने का संकल्प लिया।

न्यूज गैलरी

धारदार हथियार से डराने वाले आरोपी गिरफ्तार

बिलासपुर/नवप्रदेश। शहर के सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र में आम लोगों को धारदार हथियार दिखाकर डराने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। मिली जानकारी के अनुसार 24 मार्च 2026 को पुलिस को मुखबिर के माध्यम से सूचना मिली कि राजेश पासी उर्फ गोलू (27) शनचरी रपटा पुल स्थित दुर्गा मैदान के पास सार्वजनिक मार्ग पर चाकू लहराकर राहगीरों को डरा-धमका रहा है। सूचना पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रजनेश सिंह, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पंकज कुमार पटेल एवं नगर पुलिस अधीक्षक गगन कुमार के निर्देशन में पुलिस टीम ने मौके पर दबिश दी। कार्रवाई के दौरान आरोपी को पकड़कर उसके पास से धारदार चाकू बरामद किया गया। आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट की धारा 25 व 27 के तहत अपराध दर्ज कर उसे न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है।

अवैध शराब बेचते आरोपी को पुलिस ने पकड़ा

बिलासपुर/नवप्रदेश। अवैध शराब बिक्री के खिलाफ पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। जानकारी के अनुसार 24 मार्च 2026 को चौकी मल्हार पुलिस को मुखबिर एवं बीट के नागरिकों से सूचना मिली कि ग्राम ठाकुरदेवा में एक किराना दुकान पर अवैध रूप से देसी शराब बेची जा रही है। सूचना के आधार पर उप निरीक्षक अवधेश सिंह की टीम ने मौके पर दबिश दी। रेड के दौरान आरोपी विनोद मिरी उर्फ मजनू (42) को दुकान में शराब बेचते हुए पकड़ा गया। तलाशी लेने पर उसके पास से 55 नग देसी प्लेन शराब एवं बिक्री की 150 रुपये नगद राशि बरामद की गई। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आबकारी एक्ट के तहत मामला दर्ज कर उसे विधिवत गिरफ्तार किया।

खनिज का अवैध परिवहन करने वाले 14 वाहन जब्त

बिलासपुर/नवप्रदेश। जिले में खनिजों के अवैध उत्खनन और परिवहन पर रोक लगाने के लिए प्रशासन ने सख्त कार्रवाई करते हुए 14 वाहनों को जब्त किया है। कलेक्टर के निर्देश एवं खनिज विभाग के मार्गदर्शन में 23 से 25 मार्च 2026 के बीच जिले के विभिन्न क्षेत्रों में व्यापक जांच अभियान चलाया गया।खनिज अमले द्वारा काठकोनी, देवरीखुर्द, खम्हरिया, सकरी, निरतु, सेंदरी, मंगला, तुरकाडीह, लोखंडी, लोफण्डी, दर्रीघाट, लावर, जयरामनगर कोटा, करही कच्छार और पहन्दा क्षेत्रों में जांच की गई। इस दौरान खम्हरिया क्षेत्र में अवैध उत्खनन करते हुए 1 जेसीबी और 1 ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त की गई। सकरी क्षेत्र से 2 ट्रैक्टर-ट्रॉली, जयरामनगर क्षेत्र से गिट्टी का अवैध परिवहन करते 3 हाइवा और 1 ट्रैक्टर-ट्रॉली पकड़ी गई।

इसी तरह सेंदरी क्षेत्र से 3 ट्रैक्टर-ट्रॉली, करही कच्छार, पहन्दा और लोफण्डी क्षेत्रों से 1-1 ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त की गई। कुल मिलाकर 1 जेसीबी, 3 हाइवा और 10 ट्रैक्टर-ट्रॉली सहित 14 वाहनों पर कार्रवाई की गई। जब्त सभी वाहनों को पुलिस थाना कोनी, कोटा, पुलिस सहायता केंद्र केंदा और जांच चौकी लावर की अभिरक्षा में रखा गया है। खनिज विभाग ने स्पष्ट किया है कि अवैध उत्खनन, परिवहन और भंडारण के खिलाफ आगे भी इसी तरह सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

बिलासपुर में क्षेत्रीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 76वीं बैठक संपन्न

बिलासपुर/नवप्रदेश। क्षेत्रीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति, बिलासपुर की 76वीं बैठक तरूण प्रकाश, महाप्रबंधक, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर की अध्यक्षता में 25 मार्च को महाप्रबंधक सभाकक्ष में संपन्न हुई । इस अवसर पर रेलवे बोर्ड की व्यक्तिगत नगद पुरस्कार योजना तथा क्षेत्रीय हिंदी प्रतियोगिता-2025 के पुरस्कार विजेताओं को महाप्रबंधक, तरूण प्रकाश के करकमलों से

पुरस्कृत किया गया ।

तदुपरांत क्षेत्रीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति, बिलासपुर के उपाध्यक्ष शिवशंकर लकड़ा ने बैठक की कार्यसूची प्रस्तुत की, जिस पर सदस्यों द्वारा विस्तारपूर्वक चर्चा की गई।इस अवसर पर समिति के अध्यक्ष एवं महाप्रबंधक, तरूण प्रकाश ने कहा कि हिंदी भाषा में सरकारी कामकाज करना उतना जटिल नहीं है, जितना कि उसे समझा जाता है । बैठक में सभी मदों पर विस्तापूर्वक चर्चा की गई तथा हिंदी में कामकाज संतोषजनक पाया गया। उन्होंने निर्देश दिये कि राजभाषा हिंदी के प्रयोग-प्रसार हेतु सभी मदों में गृह मंत्रालय द्वारा निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त किया जाए । यह कार्यालय 'क' क्षेत्र में आता है और अधिकांश कार्मिक हिंदी भाषी हैं, इसलिए समस्त कामकाज हिंदी भाषा में ही किये जाएं । समिति के उपाध्यक्ष श्री शिवशंकर लकड़ा, मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं मुख्य सामग्री प्रबंधक - । ने कहा कि इस बैठक में गृह मंत्रालय द्वारा निर्धारित लक्ष्यों के अनुसार इस रेलवे में दिसंबर 2025 को समाप्त तिमाही में हुई राजभाषा प्रगति की समीक्षा की गई । संसदीय राजभाषा समिति द्वारा महाप्रबंधक कार्यालय, रायपुर मंडल तथा रायपुर कारखाना में किये गये निरीक्षण के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किये गये हैं ।

चैत्र नवरात्रिः शहर के प्रमुख स्थलों चिल्हाटी मोड़, मंगला चौक, सहित विभिन्न स्थानों पर पुलिस बल तैनात

नवरात्रि में श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए भारी वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित

बिलासपुर/नवप्रदेश। पुलिस उप महानिरीक्षक एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रजनेश सिंह के दिशा निर्देश एवं मार्गदर्शन में नवरात्रि महापर्व के सप्तमी-अष्टमी की रात्रि को विभिन्न क्षेत्रों से मां महामाया दर्शन हेतु रतनपुर आने वाले समस्त श्रद्धालुओं की सुगम एवं सुरक्षित आवागमन को दृष्टिगत रखते हुए चारों दिशाओं से आने आने वाले भारी वाहनों को 25 मार्च शाम 4 बजे से श्रद्धालुओं के आवागमन वाले मार्ग में प्रवेश प्रतिबंध की गई है।

अतः भारी एवं मध्यम वाहनों के संचालकों/ट्रांसपोर्टरों से विशेष अपील है कि मां महामाया दर्शन हेतु जाने वाले श्रद्धालुओं के सरल, सुगम, सुव्यवस्थित एवं सुरक्षित आवागमन हेतु उक्त मार्ग में किसी भी स्थिति में भारी वाहनों एवं मध्यम को प्रवेश न

होने दें।विदित हो कि शहर की ओर से जाने वाले भारी वाहनों के लिए चिल्हाटी मोड़, अशोक नगर चौक, गुरुनानक चौक, गुम्बर पेट्रोल पंप, मंगला चौक, महाराणा चौक के पास, रायपुर मार्ग से जाने वाहनो को सेंदरी अरपा पुल के पास, कोरबा की ओर से आने वाले वाहनों को ग्राम कर्रा के पास एवं गौरेला पेंड्रा से आने वाले वाहनों को रोकने हेतु सिल्ली मोड़, कोटा मार्ग से आने वाले वाहनों को रोकने हेतु लखनी मोड़ के पास से प्रतिबंधित एवं नो एंट्री लगाई गई है इस हेतु यातायात एवं पुलिस बल पर्याप्त संख्या में लगाई गई। इस दौरान किसी भी स्थिति में यातायात नियमों का उल्लंघन ना हो इसका विशेष ध्यान रखें।

राहगीर शराब एवं नशे के हालात में वाहन चलाने वाले, तेजी एवं लापरवाही पूर्वक वाहन चलाने वाले पर पुलिस के द्वारा तत्काल कार्यवाही सुनिश्चित की जा सके ।

नेशनल ट्राइबल गेम्स से अंतर्राष्ट्रीय स्पर्धाओं की तैयारी को मिलेगा बलः साव

बिलासपुर/नवप्रदेश। उप मुख्यमंत्री अरुण साव आज राजा रघुराज सिंह स्टेडियम, बिलासपुर में स्वर्गीय लखीराम अग्रवाल की स्मृति में आयोजित अखिल भारतीय रात्रिकालीन ड्यूस बॉल क्रिकेट प्रतियोगिता में शामिल हुए।

उन्होंने खिलाड़ियों और खेल प्रेमियों को संबोधित करते हुए कहा कि स्वर्गीय लखीराम अग्रवाल का जीवन अनुशासन और समाजसेवा का प्रेरक उदाहरण है। उनका कार्य के प्रति समर्पण और संगठन क्षमता सभी के लिए सीखने योग्य है। उन्होंने बताया कि पूर्व मंत्री एवं वरिष्ठ विधायक अमर अग्रवाल के प्रयासों से यह प्रतियोगिता आयोजित हो रही है, जिसमें 8 टीमों ने भाग लिया है। इससे खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिल रहा है और बिलासपुर की पहचान भी बढ़ रही है।उप मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ में खेलों का माहौल तेजी से विकसित हो रहा है। राज्य में खेलो इंडिया नेशनल ट्राइबल गेम्स का ऐतिहासिक आयोजन हो रहा है, जिसमें बड़ी संख्या में खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। यह आयोजन भविष्य में अंतर्राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं की तैयारी के मद्देनजर एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में प्रतिभाशाली खिलाड़ियों और खेल मैदानों की कमी नहीं है, और आने वाले समय में छत्तीसगढ़ खेलों का बड़ा केंद्र बनेगा।साव ने

बताया कि बिलासपुर में अंतर्राष्ट्रीय स्तर का क्रिकेट स्टेडियम बनाने के लिए प्रयास किए जा रहे हैं। शहर में खेल सुविधाओं के विकास के लिए स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया (साई) से चर्चा हुई है। इससे खेल अधोसंरचना मजबूत होगी और बिलासपुर को राष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान मिलेगी। साव ने यह भी कहा कि हाल ही में आयोजित युवा महोत्सव जैसे कार्यक्रमों से शहर में खेल और सांस्कृतिक गतिविधियों को बढ़ावा मिला है। भविष्य में इससे भी बड़े आयोजन किए जाएंगे।इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष (शहर) दीपक सिंह, जिला अध्यक्ष (ग्रामीण) मोहित जायसवाल, आदित्य अग्रवाल, प्रकाश यादव, राजेश सिंह, प्रकाश सर्वे, प्रवीण दुबे , आयोजन समिति के साथी गण एवं खेल प्रेमी साथी उपस्थित रहे।

आश्रित महिला मासिक आर्थिक सहायता प्राप्त करने की हकदारः हाईकोर्ट

एसईसीएल के आवेदन खारिज करने वाले आदेश को हाईकोर्ट ने किया निरस्त

बिलासपुर/नवप्रदेश। जस्टिस संजय के. अग्रवाल ने एसईसीएल कर्मी की मौत के बाद उसके आश्रित सदस्य को मासिक सहायता राशि नहीं दिए जाने के खिलाफ पेश याचिका में कहा कि यदि कर्मचारी की मृत्यु खदान दुर्घटना में या अन्य कारणों से होती है, अथवा कर्मचारी चिकित्सकीय रूप से अयोग्य हो जाता है, तो उसकी महिला आश्रित को 6,000/- रुपये की मासिक आर्थिक सहायता देय है।

इसके साथ कोर्ट ने एसईसीएल प्रबंधन को राष्ट्रीय कोयला वेतन समझौता के अनुसार याचिकाकर्ता को जिस तारीख को

उसने आवेदन दिया उस तारीख से सहायता राशि देने का आदेश दिया है। याचिकाकर्ता अमरेश राजवाड़े के पिता रामप्रसाद एसईसीएल विश्रामपुर के कर्मचारी थे। कार्य के दौरान उनकी 2012 में मौत हो गई। पिता की मौत के बाद उनकी मां सोन बाई ने एसईसीएल में स्वरोजगार व आर्थिक सहायता के लिए आवेदन दिया। दुर्भाग्य से मां सोन बाई की भी 7 जनवरी 2014 को मौत हो गई। पिता एवं मां की मौत के बाद याचिकाकर्ता अमरेश राजवाड़े ने स्वरोजगार के लिए आवेदन दिया। उसके आवेदन को खारिज कर दिया गया। इसके खिलाफ उन्होंने हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की। हाईकोर्ट ने उन्हें रोजगार के लिए अपात्र माना किन्तु राष्ट्रीय कोयला वेतन समझौता के अनुसार उसे मासिक आर्थिक सहायता प्राप्त' करने का हकदार माना एवं इसके लिए आवेदन करने छूट प्रदान किया।

न्यायालय तहसीलदार देवकर, जिला बेमेतरा (छ.ग.)

// ईश्तहार //

सर्व साधारण जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक दीपाली पिता/पति स्व. नरेश कुमार ठाकुर जाति गोड़ निवासी ग्राम सहसपुर तहसील देवकर द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि ग्राम सहसपुर में दिनांक 31/08/2018 को आवेदक के पिता/ पति / माता/पत्नी/पुत्र/ पुत्री नरेश कुमार ठाकुर की जन्म / मृत्यु हो जाने के कारण उक्त व्यक्ति का जन्म / मृत्यु प्रमाण पत्र जारी किये जाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

उपरोक्त सम्बन्ध में जिस किसी भी व्यक्ति को किसी प्रकार का आपेक्ष /दावा हो अथवा आवेदन पत्र प्रस्तुत करना हो तो वे स्वयं या अपने अभिभावक के साथ उपस्थित होकर दिनांक 28/03/2026 को उपस्थित होकर पेश कर सकते है। बाद में प्राप्त दावा आपत्ति पर विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक 11/ 03 / 2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा जारी किया गया ।

दिनांक 11.03.26
स्थान - देवकर

मुहर
तहसीलदार
देवकर

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा0) कसडोल, जिला बलौदाबाजार-भाटापारा (छ.ग.)

// ईश्तहार //

रा.प्र.क्र. **अ-2/2025-26**
ग्राम- कसडोल, प.ह.नं.-09

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि, आवेदक जगदीश कैवर्त्य पिता हीरालाल कैवर्त्य जाति केवट साकिन कसडोल तहसील कसडोल, जिला-बलौदाबाजार-भाटापारा (छ. ग.) द्वारा ग्राम कसडोल पटवारी हल्का नंबर 09 रा.नि.मं. कसडोल में स्थित अपने भूमि स्वामी हक की भूमि खसरा नंबर 13/85 रकबा 0.025 हेक. भूमि को आवासीय प्रयोजन हेतु भूमि परिवर्तन कराने बाबत् आवेदन पत्र पेश किया है। जिसके संबंध में प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है तथा दिनांक 03/04/2026 को सुनवाई नियत है।

अतः उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति, संस्था को किसी भी प्रकार से कोई दावा/आपत्ति पेश करना हो तो वह स्वयं या अपने अभिभाषक के माध्यम से नियत पेशी तिथि तक अपना दावा आपत्ति पेश कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 19/03/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की सील मुहर सहित जारी किया गया है।

मुहर
अनुविभागीय अधिकारी (रा0)
कसडोल

कार्यालय संपदा अधिकारी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल,
संपदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-01, सिरपुर भवन, व्यवसायिक परिसर कबीर नगर रायपुर
Email : eocghbzone1@gmail.com

आम-सूचना

छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल द्वारा कालोनी **गुढ़ियारी** रायपुर में निर्मित जनता योजना में से भवन क्र. **जनता-827, श्री वसंत शंतराम निकम पिता श्री एस.आर. निकम** को भाड़ाक्रय आधार पर आबंटित किया गया है। उनके द्वारा दिनांक **31.03.1993** को विक्रय विलेख पंजीकृत करा लिया गया है। मूल आबंटी द्वारा उक्त भवन **श्रीमती चन्द्रभागा बाई डोंगरे पति देवीदास डोंगरे** के पक्ष में दिनांक **02.04.1993** को विक्रय कर दिया।

तद्उपरांत क्रेता द्वारा उक्त भवन अपने नाम पर नामांतरण करने हेतु आवेदन पत्र, विक्रय विलेख की छायाप्रति एवं अन्य दस्तावेज प्रस्तुत किया गया है। प्रस्तुत दस्तावेज के आधार पर उक्त भवन क्रेता **श्रीमती चन्द्रभागा बाई डोंगरे पति देवीदास डोंगरे** के नाम पर नामांतरण किया जाना है।

अतः किसी भी व्यक्ति शासकीय/ अर्धशासकीय/ वित्तीय संस्था इत्यादि को उक्त भूखण्ड / भवन के नामांतरण के संबंध में किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो इस कार्यालय में लिखित रूप से प्रमाणित दस्तावेज सहित इस आम सूचना प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अन्दर स्वतः उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित तिथि के बाद में प्राप्त आपत्ति मान्य नही की जावेंगी, एवं भवन का नामांतरण आदेश जारी कर दिया जावेगा।

सम्पदा अधिकारी,
छ.ग. गृह निर्माण मण्डल,
संपदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-01, रायपुर

कार्यालय संपदा अधिकारी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल,
संपदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-01, सिरपुर भवन, व्यवसायिक परिसर कबीर नगर रायपुर
Email : eocghbzone1@gmail.com

आम-सूचना

छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल द्वारा गुढ़ियारी कालोनी, रायपुर में निर्मित जनता योजना में से भवन क्र. **जनता-443, श्रीमती हीराबाई देवांगन पति श्री दशरथ लाल देवांगन** को आबंटित किया गया है। मूल आबंटी द्वारा दिनांक **29.04.2003** को विक्रय विलेख निष्पादित करा लिया गया है।

मूल आबंटी की मृत्यु दिनांक **30.12.2025** को हो जाने के कारण इनके वारिस (पति) **श्री दशरथ लाल देवांगन पिता श्री खेदूराम देवांगन** उक्त भवन / भूखण्ड अपने नाम पर नामांतरण करने हेतु आवेदन पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र, शपथ पत्र एवं अन्य दस्तावेज प्रस्तुत किया गया है। प्रस्तुत दस्तावेज के आधार पर उक्त भवन / भूखण्ड **श्री दशरथ लाल देवांगन पिता श्री खेदूराम देवांगन** के नाम पर नामांतरण किया जाना है।

अतः किसी भी व्यक्ति शासकीय/ अर्धशासकीय/ वित्तीय संस्था इत्यादि को उक्त भूखण्ड / भवन के नामांतरण के संबंध में किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो इस कार्यालय में लिखित रूप से प्रमाणित दस्तावेज सहित इस आम सूचना प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अन्दर स्वतः उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित तिथि के बाद में प्राप्त आपत्ति मान्य नही की जावेंगी, एवं भवन का नामांतरण आदेश जारी कर दिया जावेगा।

सम्पदा अधिकारी,
छ.ग. गृह निर्माण मण्डल,
संपदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-01, रायपुर

CIN-U40108CT2003SGC015820 GSTIN-22AADCC5773E1ZX

छत्तीसगढ़ स्टेट पावर ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड
(छत्तीसगढ़ शासन का एक उपक्रम)
कार्या. कार्यपालन यंत्री अ.उ.दा. (निर्माण) संभाग
बिजली नगर, भिलाई-3, जिला दुर्ग (छ.ग.), पिनकोड 490021
वेबसाईट- www.cspc.co.in, ईमेल:- EEEHTConst.Bhilai@cspc.co.in, टेलीफोन नं.- 0788.2281954

क्र. का0यं0 / अ0उ0 दा0/ निर्माण/2002 भिलाई, दिनांक 25.03.2026

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि छत्तीसगढ़ स्टेट पावर ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड द्वारा **132 के.व्ही. डोमा-पाटन पारेषण लाईन से 132/33 के.व्ही. उपकेन्द्र अमलेश्वर तक लिलो 132 के.व्ही. डी.सी.डी.एस.** विद्युत पारेषण लाईन का निर्माण कार्य किया गया है, जिसकी कुल लम्बाई 7.93 किलोमीटर है। यह विद्युत लाईन **जिला-दुर्ग, तहसील-पाटन के अंतर्गत ग्राम- सांकरा, कापसी, महुदा, जमराव तथा जिला-रायपुर, तहसील-अभनपुर के अंतर्गत ग्राम रवेली** से होकर गुजर रही है।

उपरोक्त उल्लेखित लाईन में नियमित रूप से विद्युत प्रवाह दिनांक **27.03.2026** या उसके पश्चात् कभी भी चालू किया जा सकता है।

अतः आम जनता से अनुरोध है, कि इस विद्युत लाईन के पास न जावें तथा विद्युत लाईन से किसी तरह की छेड़छाड़ न करें। ऐसा करना जानलेवा साबित हो सकता है।

विद्युत लाईन से छेड़छाड़ एवं विद्युत लाईन को नुकसान पहुंचाना भारतीय विद्युत अधिनियम 2003 के अंतर्गत दण्डनीय अपराध है।

"स्वहित एवं राष्ट्रहित में विद्युत की बचत कीजिए"

कार्यपालन अभियंता
अति उच्च दाब (निर्माण) संभाग
छ.स्टेट पा. ट्रांस. कं. लिमिटेड भिलाई

संवाद- 47308/3

छत्तीसगढ़ शासन जल संसाधन विभाग
कार्यालय अधीक्षण अभियंता, शिवनाथ मंडल, दुर्ग (छ.ग.)
ई. प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना
eProcurement Portal: https://eproc.cgstate.gov.in

(प्रथम आमंत्रण)

सिस्टम निविदा क्र. 187631/निविदा सूचना क्र. 07 / व.ले.लि./ 2025-26
दि. 24.03.2026

निम्नलिखित कार्यो के लिए दिनांक **15.04.2026 17:30** तक ऑन लाईन निविदाए आमंत्रित की जाती है

कार्य का नाम - जिला मोहला-मानपुर-अम्बागढ़ चौकी के विकासखण्ड अम्बागढ़ चौकी के अंतर्गत ग्राम रेंगाकठेरा में स्थित जलाशय का जीर्णोद्धार एवं नहर लाईनिंग कार्य अंतर्गत बांध पार में जीर्णोद्धार, नहर में सी.सी. लाईनिंग कार्य आर.डी. 0 से 1290 मी. तक, 03 नग व्ही.आर.बी. का निर्माण, 20 नग कुलाबा फिक्सिंग, 05 नग इनलेट निर्माण व पक्के संरचनाओं का मरम्मत कार्य।

अनुमानित लागत - रू. 169.92 लाख (जी.एस.टी. छोड़कर)
(एस.ओ.आर. दिनांक 01.05.2025 से प्रचलित (यथा संशोधित दिनांक 08.08.2025))

अन्य विवरण एवं विस्तृत निविदा छत्तीसगढ़ शासन की ई-प्रोक्योरमेंट वेबसाइट https://eproc.cgstate.gov.in पर दिनांक **01.04.2026** समय 17.31 बजे से देखे तथा डाउनलोड किये जा सकते है।

नोट - निविदा में भाग लेने हेतु ठेकेदारों को ई-प्रोक्योरमेंट वेबसाईट https://eproc.cgstate.gov.in पर नामांकित / पंजीयन तथा लोक निर्माण विभाग की एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत ठेकेदार को उपयुक्त श्रेणी में पंजीयन कराना अनिवार्य है। इस निविदा में जल संसाधन विभाग द्वारा जारी निविदा पूर्व अर्हता प्रमाण पत्र जिसकी वैधता दिनांक 30.09.2026 तक है, वह लागू होगी।

कार्यपालन अभियंता
जल संसाधन बैराज संभाग, डोंगरगांव
कृते अधीक्षण अभियंता
शिवनाथ मंडल, दुर्ग

जी- 252607390/8

वाघा की मिट्टी में गूंजी छत्तीसगढ़ की दहाड़, महिला प्रहरियों के जज्बे ने जीता पत्रकारों का दिल

अनवर कुरैशी

अमृतसर/वाघा बॉर्डर/रायपुर/नवप्रदेश। जब ढलते सूरज की नारंगी किरणों ने भारत-पाकिस्तान की सरहद को छुआ, तो अमृतसर का वाघा बॉर्डर केवल एक सीमा रेखा नहीं, बल्कि जोश और जज्बे का एक जीवंत महाकाव्य बन गया। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के पत्र सूचना कार्यालय रायपुर द्वारा आयोजित अंतर-राज्यीय प्रेस दौरे के अंतिम चरण में छत्तीसगढ़ के 14 सदस्यीय मीडिया प्रतिनिधिमंडल ने बुधवार शाम वाघा-अटारी बॉर्डर पर होने वाली विश्व प्रसिद्ध 'बीटिंग रिट्रीट' सेरेमनी का प्रत्यक्ष अवलोकन किया। रायपुर की शांत गलियों से निकलकर सीमा के इस 'जीरो लाइन' तक पहुँचे पत्रकारों के लिए यह अनुभव केवल एक रिपोर्टिंग का हिस्सा नहीं था, बल्कि राष्ट्रभक्ति के उस ज्वार को महसूस करना था, जो हर हिंदुस्तानी के सीने में धड़कता है। शाम के ठीक 4:30 बजे थे, गैलरी में हजारों की भीड़ 'भारत माता की जय' के नारों से आसमान गुंजा रही थी। छत्तीसगढ़ी पत्रकारों का दल जब वीआईपी दीर्घा में बैठा, तो सामने सीमा सुरक्षा बल) के जांबाज पुरुष और महिला जवान अपनी रौबदार मूंछों, मखमली कलगी वाली टोपियों और अदम्य साहस के साथ तैनात थे। छत्तीसगढ़ के पत्रकारों ने देखा कि कैसे महिला और पुरुष प्रहरियों के बीच अनुशासन और आक्रामकता का एक अनूठा संतुलन सीमा पर बनाए रखा जाता है। सेरेमनी का सबसे भावुक क्षण वह था, जब बिगुल की आवाज के साथ राष्ट्रध्वज को पूरे सम्मान के साथ धीरे-धीरे नीचे उतारा गया। यह 'बीटिंग रिट्रीट' की वह प्राचीन सैन्य परंपरा है, जो सूर्यास्त के समय युद्ध विराम और शांति का प्रतीक मानी जाती है। तिरंगे को पूरी मर्यादा के साथ समेटते हुए जवानों के चेहरों पर जो गंभीरता थी, उसने छत्तीसगढ़ी प्रतिनिधिमंडल को भीतर तक झकझोर दिया। प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने महसूस किया कि रायपुर में फहराते जिस तिरंगे को हम रोज देखते हैं, उसकी गरिमा को बनाए रखने के लिए यहाँ सरहद पर जवान हर पल किस कदर मुस्तैद रहते हैं।

देश की सरहदें सुरक्षित और सशक्त हाथों में

जैसे ही सेरेमनी की शुरुआत हुई, बीएसएफके जवानों के बूटों की जमीन पर पड़ने वाली धमक ने वातावरण में एक अलग ही ऊर्जा भर दी। इस परेड का सबसे गौरवशाली और संवेदनात्मक पहलू बीएसएफकी महिला प्रहरियों का शामिल होना था। उनके चेहरे पर वही कठोर अनुशासन, वही तीक्ष्ण दृष्टि और वही फौलादी इरादा था, जिसने दर्शकों को दांतों तले उंगली दबाने पर मजबूर कर दिया। जवानों का पैर सिर के ऊपर तक ले जाकर जमीन पर पटकना और उनकी आंखों में झलकता आत्मविश्वास यह बता रहा था कि देश की सरहदें सुरक्षित और सशक्त हाथों में हैं।

न्यूज गैलरी

यूनीसेफ के इमेजिन वेंचर के प्रथम भारतीय विजेता ने की राज्यपाल से भेंट

रायपुर/नवप्रदेश। राज्यपाल रमेन डेका से आज लोकभवन में यूनीसेफ के इमेजिन वेंचर के प्रथम भारतीय पुरस्कार विजेता एवं एलियन इनोवेशन्स हैदराबाद के संस्थापक रवि किरण ने सौजन्य भेंट की। इस दौरान उन्होंने दृष्टिबाधित व्यक्तियों के लिए विकसित नवीनतम सहायक उपकरण का प्रदर्शन किया और इसकी विशेषताओं की जानकारी दी। रवि किरण ने बताया कि यह उपकरण दृष्टिबाधित लोगों को दैनिक जीवन में अधिक स्वतंत्र और आत्मनिर्भर बनने में सहायता करेगा। भेंट के दौरान उन्होंने राज्य में दृष्टिबाधितजनों को सशक्त बनाने के उद्देश्य से आगामी लॉन्च कार्यक्रम के लिए राज्यपाल को आमंत्रित भी किया। राज्यपाल ने इस नवाचार की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे प्रयास दिव्यांगजनों के जीवन को बेहतर बनाने और उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इस अवसर पर एलियन इनोवेशन्स की प्रमुख सुश्री हर्षिता भी उपस्थित थी।

कोडार परियोजना वितरक नहर के कार्यों के लिए 21.11 करोड़ स्वीकृत

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन जल संसाधन विभाग के अंतर्गत महासमुंद जिले की कोडार परियोजना की बांयी तट मुख्य नहर के चिंगरौद वितरक नहर का सी.सी. लाईनिंग कार्य हेतु 21 करोड़ 11 लाख 92 हजार रूपए स्वीकृत किए गए है। योजना के प्रस्तावित कार्यों के उपरांत रूपांकित सिंचाई क्षमता के विरूद्ध 767 हेक्टेयर की हो रही कमी की पूर्ति के साथ ही 210 हेक्टेयर क्षेत्र में अतिरिक्त सिंचाई सहित कुल 3619 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई की सुविधा होगी। योजना के अंतर्गत कार्यों को पूर्ण कराने के लिए मुख्य अभियंता महानदी गोदावरी कछार जल संसाधन विभाग रायपुर को प्रशासकीय स्वीकृति दी गई है।

युवा छत्तीसगढ़ में बढ़ रही बुजुर्गों की संख्या, 60 प्लस दस फीसदी से ज्यादा

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ राज्य निर्माण के 25 साल में पहुंचकर युवा छत्तीसगढ़ बन गया है, लेकिन इस राज्य में अब 60 वर्ष से अधिक आयु वाले उम्रदराज लोगों की संख्या बढ़ रही है। राज्य में 60 वर्ष से अधिक जनसंख्या वर्ष 2011 के मुकाबले 2026 में 10.5 प्रतिशत पहुंच गई है। जनसांख्यिकी संरचना के हिसाब से यह एक अत्यंत महत्वपूर्ण संकेतक है। यह स्थिति राज्य में वृद्ध जनसंख्या के बढ़ते हुए अनुपात को दर्शाती है, जो सामाजिक विकास के साथ-साथ शासन व्यवस्था के लिए एक उभरती हुई प्राथमिक चुनौती है एवं दायित्व की ओर इंगित करती है। आर्थिक एवं सांख्यिकी संचालनालय छत्तीसगढ़ ने यह रिपोर्ट सरकार के आर्थिक सर्वेक्षण में पेश की है। रिपोर्ट में कहा गया है कि, यह तथ्य जीवन प्रत्याशा में वृद्धि तथा स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार का परिचायक है, लेकिन साथ ही यह संकेत भी देता है कि आगामी वर्षों में राज्य को वृद्धजन देखभाल, दीर्घकालिक स्वास्थ्य प्रबंधन तथा सामाजिक सुरक्षा आवश्यकताओं के क्षेत्र में एक सुदृढ़ योजना एवं संसाधन आवंटन की जरूरत होगी। वृद्धजन समाज की अनुभवी एवं मूल्यवान मानव पूंजी होते हैं, लेकिन इस अवस्था में उन्हें स्वास्थ्य, आर्थिक सहायता, संरक्षण तथा सम्मानजनक जीवन यापन के लिए विशेष सहयोग अपेक्षित होता है। छत्तीसगढ़ में 60 साल या उससे अधिक आयु वर्ग का निर्भरता अनुपात वर्ष 2021 में 138 से बढ़कर 2026 में 157 हो गया है। यह भी इस बात का संकेत देता है कि राज्य में वृद्ध जनसंख्या लगातार बढ़ रही है।

व्यापारियों की समस्याओं के समाधान के लिए चेम्बर प्रदेश अध्यक्ष की बड़ी पहल

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफकॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के प्रदेश अध्यक्ष श्री सतीश थौरानी ने व्यापारिक हितों के संरक्षण और व्यापारियों को तकनीकी व कानूनी अड़चनों से राहत दिलाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। चेम्बर द्वारा प्रदेश भर के विषय विशेषज्ञों को विभिन्न विभागों के लिए सलाहकार के रूप में नियुक्त किया गया है। यह विशेषज्ञ टीम व्यापारियों को जीएसटी, आयकर, बैंकिंग और श्रम कानून जैसे जटिल विषयों पर आ रही परेशानियों का निराकरण करने और उन्हें सही मार्गदर्शन देने के लिए सीधे संपर्क में रहेगी। जीएसटी एवं अप्रत्यक्ष कर विभाग में चेतन तारवानी, भावेश मित्तल, जितेन्द्र खनूजा, नितिन गोयल और रश्मि वर्मा सहित 20 अनुभवी विशेषज्ञों को जिम्मेदारी सौंपी गई है। ये विशेषज्ञ रायपुर, बिलासपुर, अंबिकापुर, भिलाई और अन्य शहरों के व्यापारियों को जीएसटी संबंधी कानूनी पेचीदगियों पर सलाह देंगे। आयकर एवं मुकदमेबाजी से संबंधित व्यापारियों को आयकर से संबंधित नोटिस और अन्य विधिक कार्यों में सहयोग के लिए हार्दिक पाटनी, मुकुल चोरड़िया, डिंपल वल्यानी और रितेश जायसवाल सहित 9 विशेषज्ञों की टीम गठित की गई है। MSME सब्सिडी, बैंकिंग एवं वित्त जैसे विषय पर छोटे और मध्यम उद्योगों को सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने और बैंकिंग संबंधी सहायता के लिए अरिहंत जैन, दाहवाल शाह और विक्रम देवनानी सहित 9 सलाहकार नियुक्त किए गए हैं। साथ ही श्रम कानून और रेरा से संबंधित विषयों के लिए हिमांशु लालवानी और सी.ए. टुटेजा जी को विशेषज्ञ नियुक्त किया गया है। चेम्बर प्रदेश अध्यक्ष सतीश थौरानी ने बताया कि छत्तीसगढ़ का व्यापारी वर्ग हमारी अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। अक्सर जीएसटी, आयकर और बैंकिंग जैसे जटिल तकनीकी विषयों के कारण व्यापारियों को अनावश्यक मानसिक और आर्थिक दबाव झेलना पड़ता है।

छत्तीसगढ़ सरकार की नई सेवा, निवेशकों को होगा बड़ा लाभ

वन क्लिक सिंगल विंडो, 16 विभागों की 136 से अधिक सेवाएं एक साथ

■ **निवेशकों को छत्तीसगढ़ में व्यवसाय स्थापित करने के लिए जरूरी सभी अनुमतियां प्रदान करता है**

रायपुर। छत्तीसगढ़ में राज्य सरकार की ओर से एक नई सेवा शुरू की गई है। यह है वन क्लिक सिंगल विंडो एक एकीकृत डिजिटल पोर्टल है, जो निवेशकों को छत्तीसगढ़ में व्यवसाय स्थापित करने के लिए आवश्यक सभी अनुमतियां, मंजूरी, भूमि आवंटन और ऑनलाइन भुगतान की सुविधा एक ही जगह प्रदान करता है। यह प्रणाली 16 विभागों की 136 से अधिक सेवाओं को जोड़ती है, जिससे समय की बचत होती है, पारदर्शिता बढ़ती है और ईज ऑफ डूइंग बिजनेस को बढ़ावा मिलता है। उद्योग विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार वन क्लिक सिंगल विंडो के मूल विचार सरल है विभाग के साथ काम करने वाले सभी लोगों के लिए प्रक्रिया को आसान बनाना। चाहे आप एक स्थापित व्यवसाय हों, संभावित निवेशक हों, स्टार्टअप हों या निर्यातक हों, अब आपको सब कुछ एक ही स्थान पर मिलेगा। अनुमोदन के लिए वन क्लिक सिंगल विंडो से लेकर सब्सिडी कैलकुलेटर के साथ प्रोत्साहन का अनुमान लगाने तक, प्रक्रिया अब अधिक पारदर्शी और कुशल है। छत्तीसगढ़ के व्यापार को आसान बनाएं के व्यापक वादे के तहत, वनक्लिक राज्य का नया सिंगल-विंडो पोर्टल है जो व्यापारिक वातावरण में गति, सरलता और पारदर्शिता लाता है। अनुमोदन और मंजूरी से लेकर बिल भुगतान, भूमि आवंटन और अनुपालन तक एक उद्यमी या निवेशक को जो कुछ भी चाहिए, वह अब सिर्फ एक क्लिक दूर है।

यह पोर्टल स्थापना से पहले और स्थापना के बाद की सभी स्वीकृतियों को कवर करता है, जैसे कि स्थापना की अनुमति), संचालन की अनुमति, भूमि आवंटन, भवन योजना की स्वीकृति, जल और विद्युत कनेक्शन, कारखाना लाइसेंस, श्रमिक पंजीकरण, वृक्ष पारगमन परमिट और अन्य वैधानिक एनओसी, सभी सेवाएं सेवा का अधिकार अधिनियम के तहत निर्धारित समय-सीमा से जुड़ी हैं।

प्रदेश का एकीकृत डिजिटल प्लेटफार्म

छत्तीसगढ़ सिंगल विंडो पोर्ट -वन क्लिक सीजी एक एकीकृत डिजिटल प्लेटफॉर्म है जिसे राज्य में व्यवसायों द्वारा आवश्यक सभी औद्योगिक स्वीकृतियां और मंजूरी प्रदान करने के लिए डिजाइन किया गया है। यह पर्यावरण, श्रम, उद्योग, ऊर्जा, जल संसाधन, शहरी प्रशासन और कानूनी माप विज्ञान सहित 16 प्रमुख विभागों की 136 से अधिक सेवाओं को एक साथ लाता है, जिससे उद्यमियों को कई कार्यालयों से संपर्क करने की आवश्यकता समाप्त हो जाती है।

छत्तीसगढ़ में फिल्म निर्माण को मिलेगी अब नई दिशा

■ **स्क्रिप्ट समिति गठन के लिए महत्वपूर्ण बैठक**

रायपुर/नवप्रदेश। संस्कृति एवं राजभाषा संचालनालय में छत्तीसगढ़ फिल्म विकास निगम की अध्यक्ष सुश्री मोना सेन की अध्यक्षता में स्क्रिप्ट समिति के गठन हेतु एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। यह बैठक प्रदेश में फिल्म निर्माण की गुणवत्ता को सुदृढ़ करने तथा छत्तीसगढ़ की समृद्ध कला और सांस्कृतिक विरासत को सिनेमा के माध्यम से व्यापक पहचान दिलाने की दिशा में एक अहम पहल के रूप में देखी जा रही है। संस्कृति विभाग के संचालक श्री विवेक आचार्य ने सिनेमा और संस्कृति के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने की आवश्यकता पर बल दिया। इस दौरान विभिन्न प्रतिष्ठित संस्थानों और क्षेत्रों से जुड़े विशेषज्ञों ने सहभागिता करते हुए अपने महत्वपूर्ण सुझाव साझा किए।

बैठक में इंदिरा कला एवं संगीत विश्वविद्यालय, खैरागढ़ के अधिष्ठाता प्रो. डॉ. राजन यादव, ललित कला अकादमी नई दिल्ली के फोटो अधिकारी श्री अभिमन्यु सिन्हा, प्रसार भारती आकाशवाणी रायपुर से पद्मश्री डॉ. राधेश्याम तारक तथा प्रसार भारती दूरदर्शन रायपुर के कार्यक्रम अधिकारी श्री पी.के. पाठक उपस्थित रहे। विशेष आमंत्रित सदस्य के रूप में मुंबई से फिल्म अभिनेता श्री भगवान तिवारी ने भी अपनी भागीदारी निभाते हुए फिल्म निर्माण के व्यावहारिक पहलुओं और संभावनाओं पर प्रकाश डाला। बैठक में सदस्य सचिव के रूप में उप संचालक श्री उमेश मिश्रा ने समन्वय की भूमिका निभाई।

माता कौशल्या महोत्सव का भव्य शुभारंभ चंद्रखुरी धाम में श्रद्धा और संस्कृति की झलक

■ **महिला सशक्तिकरण को समर्पित माता कौशल्या महोत्सव 2026**

रायपुर/आरंग/नवप्रदेश। जिले के आरंग विकासखंड अंतर्गत चंदखुरी ग्राम में माता कौशल्या महोत्सव 2026 का शुभारंभ कौशल विकास, तकनीकी शिक्षा एवं रोजगार मंत्री श्री गुरु खुशवंत साहेब ने दीप प्रज्वलित कर महोत्सव का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में मानस मंडली एवं सुप्रसिद्ध कलाकार श्रीमती पूनम विराट तिवारी को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर मंत्री श्री गुरु खुशवंत साहेब ने संबोधित करते हुए कहा कि यह महोत्सव मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में महिला सशक्तिकरण की दृष्टि से आयोजित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन में ÷महतारी वंदन योजना÷ की 25वीं किस्त जारी कर महिलाओं को सशक्त बनाया जा रहा है और उन्हें आगे बढ़ने के अवसर प्रदान किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि हम सभी को प्रभु श्रीराम के आदर्शों पर चलना चाहिए। उन्होंने बताया कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में अयोध्या में 500 वर्षों बाद भगवान श्रीराम के जन्मस्थान पर भव्य मंदिर का निर्माण हुआ है।

पीएम आवास योजना से बदली जिंदगी

रायपुर/नवप्रदेश। प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में आर्थिक रूप से कमजोर, निम्न आय वर्ग और मध्यम आय वर्ग को पक्का घर प्रदान करती है। यह योजना वित्तीय सहायता, ब्याज सब्सिडी और घर निर्माण/खरीद के लिए सब्सिडी प्रदान करती है, जिसका उद्देश्य सभी के लिए किफायती आवास सुनिश्चित करना है। बेमेतरा जिला के ग्राम पंचायत सरदा, जनपद पंचायत बेरला की निवासी श्रीमती दशोदा धीवर के जीवन में प्रधानमंत्री आवास योजना ने नई उम्मीद, सुरक्षा और सम्मान का संचार किया है। वर्ष 2024-25 में स्वीकृत उनका आवास 20 अगस्त 2025 को पूर्ण हुआ, जिससे उनका वर्षों पुराना पक्के घर का सपना साकार हो गया। आवास मिलने से पूर्व धीवर का परिवार कच्चे दीवारों और घास-फूस की छत वाली जर्जर झोपड़ी में रहता था। बारिश के मौसम में छत से पानी टपकता था और दीवारें कमजोर पड़ जाती थीं। तूफान के दौरान घर गिरने का भय बना रहता था, जिससे उन्हें पूरी रात जागकर गुजारनी पड़ती थी। हर मौसम उनके लिए कठिनाइयों से भरा हुआ था। दशोदा धीवर दिहाड़ी मजदूरी कर अपने परिवार का भरण-पोषण करती थीं। अनिश्चित आय के कारण रोजमर्रा की जरूरतें पूरी करना भी चुनौतीपूर्ण था। ऐसे में पक्के घर का सपना उनके लिए लगभग असंभव प्रतीत हो रहा था। आवास निर्माण की प्रक्रिया में उन्हें कई औपचारिकताएं पूरी करनी पड़ीं, जैसे बैंक खाता खुलवाना और आवश्यक दस्तावेज तैयार करना। शासन द्वारा सहायता राशि किस्तों में सीधे उनके खाते में भेजी गई, जिससे पारदर्शिता बनी रही। स्थानीय अधिकारियों के मार्गदर्शन और ग्रामीणों के सहयोग से उन्होंने निर्माण कार्य प्रारंभ किया। लागत कम करने के लिए स्वयं श्रमदान कर उन्होंने धीरे-धीरे अपने सपनों का घर तैयार किया।

जर्जर झोपड़ी से पक्के घर तक पहुँची

देशी शराब का रेट नहीं बढ़ेगा, अंग्रेजी पर सस्पेंस

रायपुर। छत्तीसगढ़ में देशी शराब पीने-पिलाने के शौकीनों के लिए ये खबर सुकून देने वाली है कि इस साल पहली अप्रैल से लेकर अगले एक साल तक राज्य में देशी शराब की कीमत नहीं बढ़ने वाली है. लेकिन अंग्रेजी शराब के मामले में फिलहाल सस्पेंस है। अगले तीन-चार दिनों में साफहोगा कि अंग्रेजी के रेट बढ़ेंगे या नहीं। कल 25 तारीख को इसके रेट ऑफर खुलने वाले हैं।

देशी शराब के रेट नहीं बढ़ेंगे यह तथ्य इस जानकारी पर आधारित है कि आबकारी विभाग ने 1 अप्रैल से शुरू हो रहे नए वित्तीय वर्ष के लिए शराब के नए रेट ऑफर बुलाए गए थे। सूत्रों के अनुसार इसमें पांच कंपनियों ने हिस्सा लिया था। इन कंपनियों ने अपने-अपने रेट दिए हैं। बताया गया है कि पिछले साल जो रेट प्रचलित थे, उसी प्रकार के रेट आए हैं। आबकारी विभाग ने प्रस्तावित रेट पर निगोसिएशन (मोल-भाव) भी किया है। इसी आधार पर कहा जा रहा है कि देशी के रेट नहीं बढ़ रहे हैं। आबकारी विभाग ने इस संबंध में शासन को भी जानकारी भेजी है।

देशी-विदेशी के लिए ग्लोबल टेडर आए 90 ब्रांड

इधर राज्य में अंग्रेजी और विदेशी शराब के लिए रेट आफर बुलाए जा चुके हैं। इस सौदे के लिए ग्लोबल टेंडर आमंत्रित किए गए हैं। बताया गया है कि इस टेंडर में 90 ब्रांड के लिए कई देशों की कंपनियों ने रेट ऑफर दिया है। आबकारी विभाग 25 मार्च को रेट ऑफर पर कंपनियों से बात करेगा। इस दौरान कंपनियां जो रेट आफर करेंगी, उस पर आबकारी विभाग निगोसिएशन करेगा। इसके बाद रेट सामने आएंगे। इस प्रस्तावित रेट में सरकार टैक्स और सेस वगैरह जोड़ेगी। यह जोड़ने के बाद ग्राहकों के लिए फाइनल रेट तय हो जाएंगे।

मंत्रियों के गृह जिलों में अफीम की खेती का पकड़ाना संयोग मात्र नहीं: कांग्रेस

रायपुर/नवप्रदेश। अफीम की अवैध खेती के लिए भाजपा सरकार और सत्ता में बैठे नेताओं की जिम्मेदारी तय करने की मांग करते हुए प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ प्रवक्ता सुरेंद्र वर्मा ने कहा है कि भाजपा सरकार प्रदेश में दीनदयाल अफीम संवर्धन योजना चला रही है। प्रदेश के कद्दावर मंत्रियों के गृह जिलों में विगत 17 दिनों के भीतर 5 बड़े मामलों का खुलासा हुआ है। बेखौफ अफीम की खेती का दुस्साहस बिना सत्ता के संरक्षण के संभव नहीं है। सुरेंद्र वर्मा ने कहा कि पहले दुर्ग के समोदा फिर बलरामपुर में कुसमी और खजुरी और उसके बाद रायगढ़ जिले के तमनार और लैलूंगा में करोड़ों की अफीम की फसल अचानक नहीं हुई। अफीम कोई मशरूम की फसल तो है नहीं कि बंद कमरे में किया जा सके। खुलेआम एकड़ों में अवैध नशे की खेती और प्रशासन की खामोशी, बिना सत्ता के संरक्षण के संभव नहीं।

रेलवे का नया अध्याय : 16 कोच वाली स्वदेशी सेमी-हाई स्पीड ट्रेन का निर्माण पूरा, इसी माह के अंत तक रेलवे को सौंपी जाएगी

आरसीएफ कपूरथला से पटरी पर उतरने को तैयार पहली 'वंदे भारत'

अनवर कुरैशी

कपूरथला/रायपुर/नवप्रदेश। देश में स्वदेशी रेल निर्माण की दिशा में एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करते हुए रेल कोच फैक्टरी , कपूरथला ने अपनी पहली 'वंदे भारत एक्सप्रेस' का सफल निर्माण कर लिया है। अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस 16 कोचों वाली यह ट्रेन अब अपने अंतिम चरण में है और चालू मार्च माह के अंत तक परिचालन के लिए भारतीय रेलवे को सौंप दी जाएगी। यह आत्मनिर्भर भारत और 'मेक इन इंडिया' की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा। पत्र सूचना कार्यालय द्वारा आयोजित पंजाब मीडिया दौरे के तहत छत्तीसगढ़ के 14 सदस्यीय मीडिया प्रतिनिधिमंडल ने बुधवार को आरसीएफ कपूरथला का विस्तृत दौरा किया। पत्रकारों ने कारखाने की कार्यप्रणाली को करीब से देखा और समझा कि कैसे अत्याधुनिक मशीनों और कुशल इंजीनियरों की मदद से कच्चे स्टील को एक भव्य और आधुनिक यात्री कोच का रूप दिया जाता है।

तकनीक और सुरक्षा का बेजोड़ संगम

मीडिया प्रतिनिधियों से चर्चा करते हुए उप महाप्रबंधक श्री अमन कुमार ने बताया कि अब तक वंदे भारत का निर्माण केवल आईसीएफ चेन्नई में होता था, लेकिन अब आरसीएफ कपूरथला और मॉडर्न कोच फैक्ट्री रायबरेली को भी इस तकनीक से जोड़ा गया है।

वंदे भारत: रफ्तार और सुविधा के नए मानक

- **रफ्तार:** 160 किमी/घंटा की परिचालन गति (डिजाइन गति 180 किमी/घंटा)।
- **सुरक्षा:** स्वदेशी 'कवच' प्रणाली और क्रैशवर्दी डिजाइन।
- **इंटीरियर:** एर्गोनोमिक सीटिंग, मोबाइल चार्जिंग, और उन्नत पैंट्री।
- **तकनीक:** जीपीएस आधारित यात्री सूचना प्रणाली और सीसीटीवी निगरानी।
- **एसी:** उन्नत हीटिंग, वेंटिलेशन और एयर कंडीशनिंग सिस्टम।

यात्रियों की सुरक्षा को सर्वोपरि रखा

कपूरथला में निर्मित इस नई वंदे भारत में यात्रियों की सुरक्षा को सर्वोपरि रखा गया है। इसमें 'कवच' (कन्फर्म ट्रेन कोलिजन अवॉयडेंस सिस्टम) के साथ-साथ शौचालयों में विशेष स्मोक डिटेक्टर लगाए गए हैं। – अमन कुमार, उप महाप्रबंधक, आरसीएफ

एक नजर में

- **स्थापना:** वर्ष 1988।
- **उत्पादन:** प्रति वर्ष 2,200 से 2,300 कोच।
- **कार्यबल:** 5,600 कर्मचारी, 4,000 आवासीय क्वार्टर।
- **खेल:** परिसर में एस्ट्रोटर्फहॉकी ग्राउंड और 18-होल गोल्फकोर्स।

खेल और विकास का केंद्र

आरसीएफ केवल कोच निर्माण ही नहीं, बल्कि खेलों के क्षेत्र में भी देश का नाम रोशन कर रहा है। वर्तमान में यहाँ अखिल भारतीय अंतर-रेलवे महिला हॉकी का आयोजन हो रहा है। श्री कुमार ने बताया कि यहाँ के खिलाड़ी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारतीय रेल का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं।

न्यूज गैलरी

महिला आरक्षण, परिसीमन का मुद्दा सरकार का विफलता छिपाने का प्रयास

नईदिल्ली (वार्ता)। कांग्रेस ने कहा है कि सरकार अचानक करीब ढाई साल बाद महिला आरक्षण लागू कर परिसीमन की बात करने लगी है जिससे साफहै कि उसका यह कदम अपनी विफलताओं और पश्चिम एशिया की स्थिति के कारण उपजे ईंधन संकट से ध्यान भटकाने का एक प्रयास है। कांग्रेस संचार विभाग के प्रभारी जयराम रमेश ने बुधवार को सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में महिला आरक्षण विधेयक को लेकर कहा कि सितंबर 2023 में नए संसद भवन का उद्घाटन 'नारी वंदन अधिनियम, 2023' यानी महिला आरक्षण विधेयक पारित करके किया गया था।

ईरान की शर्त: बातचीत तभी संभव जब शत्रुता त्यागे अमेरिका

तेहरान/वार्ता। ईरान ने अमेरिका के साथ तत्काल किसी भी वार्ता को सिरे से खारिज कर दिया है। खातम अल-अनबिया मुख्यालय के प्रवक्ता लेफ्टिनेंट कर्नल इब्राहिम जोल्फ़गरी ने बुधवार को स्पष्ट किया कि बातचीत तभी संभव है जब अमेरिका अपनी आक्रामक सोच और शत्रुतापूर्ण इरादों को पूरी तरह त्याग दे। उन्होंने कहा कि ईरान की इच्छा के अनुरूप स्थितियां होने पर ही सामान्य स्थिति बहाल हो पाएगी।

अमेरिका-ईरान विवाद: पाकिस्तान ने दी मध्यस्थता की पेशकश

नई दिल्ली/इस्लामाबाद/वार्ता। पश्चिमी एशिया में जारी संघर्ष को समाप्त करने के लिए पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने आधिकारिक रूप से वार्ता की मेजबानी का प्रस्ताव रखा है। इस बीच, ट्रंप प्रशासन ने युद्ध विराम के लिए ईरान को एक 15 सूत्री शांति योजना भेजी है। शरीफ ने कहा कि यदि दोनों देश सहमत हों, तो पाकिस्तान एक सार्थक और निर्णायक समाधान के लिए मंच प्रदान करने को तैयार है।

लाल सागर से 5 गुना बड़ा खतरा, वैश्विक अर्थव्यवस्था पर गहराया संकट

होर्मुज में ईरान को रोकना अमेरिका और पश्चिमी देशों के लिए बड़ी चुनौती

❑ **हूतियों के मुकाबले ईरानी सेना अधिक पेशेवर और खतरनाक**

वाशिंगटन/दुबई/वार्ता। पश्चिमी सहयोगियों के सामने होर्मुज जलडमरूमध्य को सुरक्षित करने की चुनौती लाल सागर के संकट से कहीं अधिक जटिल और महंगी साबित हो रही है। सैन्य विशेषज्ञों का मानना है कि यमन के हूतियों के खिलाफ अरबों डॉलर खर्च करने के बाद भी लाल सागर में मिली विफलता के बाद, अब ईरान जैसी पेशेवर सैन्य शक्ति से निपटना अमेरिका के लिए 'अग्निपरीक्षा' जैसा है।

ईरान की नई चाल: 'ट्रांजिट फीस'

रिपोर्टों के अनुसार, ईरान अब इस जलमार्ग का उपयोग करने वाले जहाजों पर 'लेवी' (फीस) वसूलने पर विचार कर रहा है। 28 फरवरी को युद्ध शुरू होने के बाद से ईरान ने इस समुद्री 'चोकपॉइंट' को प्रभावी ढंग से ब्लॉक कर रखा है।

मुख्य विश्लेषण: क्यों मुश्किल है होर्मुज की सुरक्षा?

विशाल क्षेत्र: होर्मुज के आसपास का 'डेंजर जोन' लाल सागर के बाब-अल-मंडेब की तुलना में 5 गुना बड़ा है। इतने बड़े क्षेत्र में हर जहाज को सुरक्षा देना सैन्य रूप से लगभग असंभव है।

पेशेवर बनाम विद्रोही: हूतियों के विपरीत, ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स एक पेशेवर सेना है। उनके पास आधुनिक ड्रोन, समुद्री बारूदी सुरंगें और सटीक मिसाइलों का भंडार है।

भौगोलिक लाभ: ईरान का पहाड़ी तट जलमार्ग के बिल्कुल करीब है, जिससे वह आसानी से जहाजों पर नजर रख सकता है और हमला कर सकता है।

कोई विकल्प नहीं: कुवैत पेट्रोलियम के सीईओ शेख नवाफ सऊद अल-सबाह के अनुसार, होर्मुज का कोई विकल्प नहीं है। दुनिया का 20त्न तेल और गैस यहीं से गुजरता है।

अमेरिकी राजनीति और महंगाई का दबाव

ट्रंप की दुविधा: अमेरिका में नवंबर में होने वाले मध्यावधि चुनाव से पहले राष्ट्रपति ट्रंप दबाव में हैं। अमेरिका में पेट्रोल की कीमतें 4 प्रति गैलन तक पहुंच गई हैं, जिससे मतदाता नाराज हैं।

सैन्य हस्तक्षेप: बहरीन जैसे देश सुरक्षा के लिए सभी आवश्यक साधनों (बल प्रयोग) के इस्तेमाल की वकालत कर रहे हैं, जबकि ट्रंप इस पर अब तक स्पष्ट रुख नहीं अपना पाए हैं।

लाल सागर का अनुभव

हूतियों के खिलाफ अभियान में पश्चिमी देशों ने 1 अरब डॉलर से अधिक के हथियार खर्च किए और 4 जहाज डूब गए, फिर भी शिपिंग कंपनियां उस रास्ते से जाने से डरती हैं। अब होर्मुज में इससे भी बड़े नुकसान की आशंका जताई जा रही है।

1978 से कांग्रेस का आधिकारिक मुख्यालय रहा

कांग्रेस को अकबर रोड मुख्यालय खाली करने का अंतिम नोटिस

28 मार्च तक का दिया अल्टीमेटम
48 साल पुरानी विरासत पर संकट

नई दिल्ली/ए.। भारतीय राजनीति के सबसे चर्चित पतों में से एक '24 अकबर रोड' से कांग्रेस की विदाई का समय आ गया है। संपदा विभाग ने कांग्रेस पार्टी को लुटियंस दिल्ली स्थित अपने मुख्य मुख्यालय और '5 रायसीना रोड' को खाली करने का 'अंतिम बेदखली नोटिस' जारी कर दिया है। नोटिस के मुताबिक पार्टी को आगामी 28 मार्च तक दोनों परिसर पूरी तरह खाली करने होंगे।

1978 से कांग्रेस का आधिकारिक मुख्यालय रहा अकबर रोड का यह बंगला अब पार्टी के हाथ से निकलता दिख रहा है। सूत्रों के मुताबिक, यह संपदा विभाग की अंतिम चेतावनी है। कांग्रेस सूत्रों ने बताया कि नोटिस मात्र कुछ दिन पहले मिला है और इसमें शिफ्टिंग के लिए एक हफ्ते का समय भी नहीं दिया गया है। पार्टी इस अचानक आए नोटिस के खिलाफ कोर्ट जाने पर विचार कर रही है।

नई मंजिल 'इंदिरा भवन'

हालांकि कांग्रेस ने दिल्ली में ही अपने नए और आधुनिक कार्यालय 'इन्दिरा भवन' का निर्माण पूरा कर लिया है, लेकिन दशकों की फाइलें और व्यवस्थाएं पुराने दफ्तर से ही चल रही थीं। कांग्रेस सांसद कार्ति चिदंबरम ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि सरकार को अपने नियम सभी दलों पर समान रूप से लागू करने चाहिए और केवल कांग्रेस को निशाना बनाना राजनीति से प्रेरित है।

नौ राज्यों को एफएमडी मुक्त घोषित कर डेयरी निर्यात बढ़ाने की योजना: सरकार

नई दिल्ली (वार्ता)। देश के नौ राज्य खुरपका-मुंहपका रोग (एफएमडी) से मुक्त हो चुके हैं और उन्हें इसका प्रमाणन दिलाकर देश का डेयरी निर्यात बढ़ाने की सरकार की योजना है। केंद्रीय मत्स्य पालन, पशुपालन एवं डेयरी मंत्री राजीव रंजन सिंह ने बुधवार को राज्यसभा में एक पूरक प्रश्न के उत्तर में यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि देश दूध के उत्पादन में पहले स्थान पर है। इसके बावजूद डेयरी उत्पादों के निर्यात में हम पीछे हैं क्योंकि कई देशों में डेयरी निर्यात के लिए एफ़एमडी मुक्त प्रमाणन जरूरी है। श्री सिंह ने कहा कि साल 2014-15 में हमारा दुग्ध उत्पादन 14.63 करोड़ टन से बढ़कर 24.8 करोड़ टन हो गया है। हमारी उत्पादकता भी प्रति पशु प्रति वर्ष 1,648 किग्रा से 2,251 किग्रा हो गयी है। उन्होंने कहा, ÷खुर एवं मुख रोग (एफ़एमडी) के कारण अमेरिका, जापान और यूरोप जैसे बाजारों में निर्यात नहीं कर सकते हैं। ये देश एफ़एमडी मुक्त प्रमाणन के बिना अपने यहां किसी भी तरह के डेयरी उत्पाद के आयात अनुमति नहीं देते हैं। मंत्री ने सदन को बताया कि देश में नौ राज्य एफ़एमडी मुक्त हो गये हैं। इन राज्यों को विश्व पशु स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूओएएच) से प्रमाणन दिलाने की दिशा में काम चल रहा है। इन राज्यों को एफएमडी मुक्त घोषित कर डेयरी निर्यात को बढ़ावा दिया जायेगा। उन्होंने बताया कि एफएमडी की रोकथाम के लिए व्यापक स्तर पर अभियान चलाया जा रहा है और अगले तीन साल में पूरे देश को एफएमडी मुक्त करने का लक्ष्य रखा गया है। इसके टीके का पूरा खर्च केंद्र सरकार उठाती है और टीका लगाने वालों को पारिश्रमिक भी देती है। इस बीमारी को फैलने से रोकने के लिए उपाय किये गये हैं। इसके परिणाम स्वरूप साल 2019 में जहां एफएमडी रोग फैलने की 132 घटनाएं सामने आयी थीं, साल 2025 में यह मात्र 40 रह गयी।

रेस्तरां की ओर से गलत चार्ज वसूलने पर सरकार सख्त, सीसीपीए की चेतावनी

नई दिल्ली। अगर आप भी अक्सर होटल या रेस्तरां में खाना खाने जाते हैं, तो यह खबर आपके काम की हो सकती है। केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) ने बुधवार को होटल और रेस्तरां चलाने वालों को सख्त चेतावनी दी है कि वे ग्राहकों से एलपीजी चार्ज और ईंधन के खर्च की वसूली न करें। सीसीपीए ने उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019 के तहत इन शुल्कों को अनुचित व्यापार व्यवहार करार देते हुए साफ किया मेन्यू में दर्ज कीमत के ऊपर केवल लागू कर ही जोड़े जा सकते हैं।

सरकार का यह कदम नेशनल कंज्यूमर हेल्पलाइन पर मिली लगातार शिकायतों और मीडिया रिपोर्ट्स के बाद उठाया गया है। शिकायतों में यह बात सामने आई थी कि कई रेस्तरां मेन्यू में लिखी कीमत और लागू टैक्स के अलावा भी ग्राहकों के बिल में ईंधन के नाम पर वसूली कर रहे हैं। सीसीपीए ने इस बात पर गंभीरता से ध्यान दिया है और पाया है कि रेस्टोरेंट्स ऐसा करके असल में सर्विस चार्ज से जुड़े मौजूदा नियमों से बचने की कोशिश कर रहे हैं। प्राधिकरण का मानना है कि इस तरह की प्रथाओं से न केवल पारदर्शिता खत्म होती है, बल्कि ग्राहकों पर बिना वजह का आर्थिक बोझ भी पड़ता है।

लागत को मेन्यू में करें शामिल, अलग से वसूली गैरकानूनी

सीसीपीए ने कहा है कि ईंधन, एलपीजी, बिजली और अन्य परिचालन खर्चे किसी भी व्यवसाय को चलाने का बुनियादी हिस्सा होते हैं। इसलिए, इन खर्चों को मेन्यू आइटम की कीमत तय करते समय ही उसमें शामिल किया जाना चाहिए। इन परिचालन लागतों को अलग से एक अनिवार्य शुल्क के रूप में वसूलना उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम की धारा 2(47) के तहत अनुचित व्यापार व्यवहार माना जाएगा।

'धुरंधर-2' के खिलाफ शिकायत दर्ज सिख समुदाय की भावनाएं हुई आहत

मुंबई। फिल्म 'धुरंधर 2' बॉक्स ऑफिस सफलता के बीच मुश्किलों में भी घिर गई है। इस फिल्म के मेकर्स और अभिनेता रणवीर सिंह के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई गई है। शिकायत दर्ज कराने वाले संगठन का आरोप है कि फिल्म के जरिए सिख समुदाय की धार्मिक भावनाओं को आहत किया गया है। शिकायतकर्ता संगठन सिख्स इन महाराष्ट्र के मुताबिक फिल्म 'धुरंधर 2' के एक पोस्टर में रणवीर सिंह को पगड़ी, लंबी दाढ़ी और 'कड़ा' (कलाई पर पहना जाने वाला कंगन) पहने हुए दिखाया गया है। ये तीनों ही सिख समुदाय के पवित्र प्रतीक माने जाते हैं। इसी पोस्टर में अभिनेता को हाथ में सिगरेट पकड़े हुए भी दिखाया गया है। इस संगठन ने 17 मार्च को मुलुंड पुलिस स्टेशन में इसी मामले को लेकर शिकायत दर्ज कराई और आरोप लगाया कि इस तरह के चित्रण से सिख समुदाय की धार्मिक भावनाएं गहरी आहत हुई हैं। सिख संगठन ने फिल्म 'धुरंधर 2' के निर्देशक, निर्माता और रणवीर सिंह के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि अब तक कोई एफआईआर दर्ज नहीं की गई है और मामले की जांच जारी है। 'धुरंधर 2' ने छठे दिन 56.55 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया है, जबकि पांचवें दिन इसने 65 करोड़ रुपये कमाए थे।

दिल्ली में यात्री बस पलटने से दो लोगों की मौत, 23 घायल

नई दिल्ली (वार्ता)। राष्ट्रीय राजधानी के करोल बाग स्थित हनुमान मंदिर के पास मंगलवार देर रात एक स्लीपर पर्यटक बस के पलट जाने से दो यात्रियों की मौत हो गयी एवं 23 घायल हो गए।

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि रात एक बजकर पांच मिनट पर हुए इस हादसे में जयपुर-दिल्ली मार्ग की इस बस में करीब 30 यात्री सवार थे। बस पलटने से कई यात्री अंदर ही फंस गए।

खाड़ी देशों में ब्रिटिश हवाई रक्षा प्रणाली की तैनाती : लंदन/वार्ता। ईरानी मिसाइल और ड्रोन हमलों के बढ़ते खतरे को देखते हुए ब्रिटेन ने खाड़ी क्षेत्र में अपनी सक्रियता बढ़ा दी है।

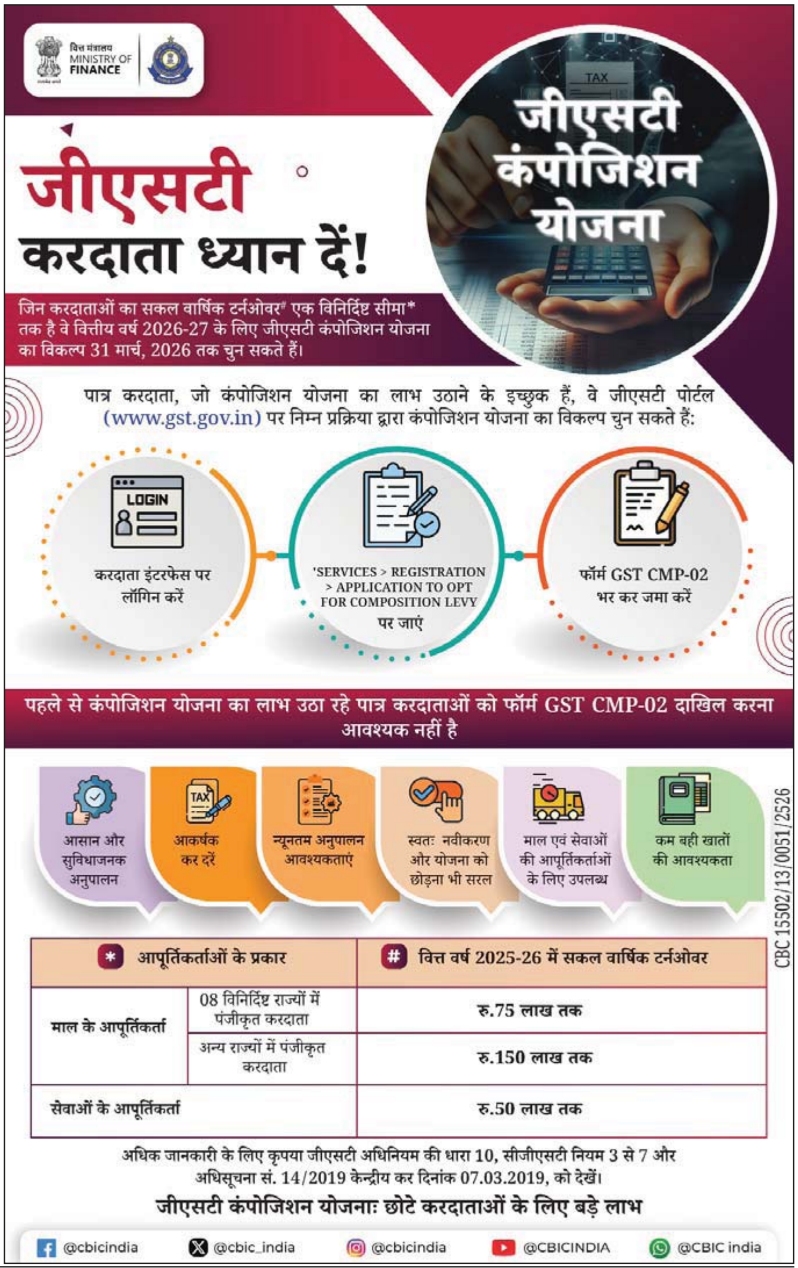

न्यूज गैलरी

विधानसभा-लोकसभा चुनाव ड्यूटी में लगे वाहनों का होगा भुगतान

रायपुर/नवप्रदेश। विधानसभा निर्वाचन-2023, लोकसभा निर्वाचन-2024 और उप विधानसभा निर्वाचन-2024 के दौरान जिले के कई विधानसभा क्षेत्रों तिल्दा, धरसींवा, रायपुर ग्रामीण, रायपुर नगर पश्चिम, रायपुर नगर उत्तर, रायपुर नगर दक्षिण, आरंग और अभनपुर में चुनाव कार्य के लिए अधिग्रहित किए गए वाहनों के भुगतान को लेकर जिला निर्वाचन कार्यालय ने महत्वपूर्ण सूचना जारी की है। जिला निर्वाचन कार्यालय रायपुर के अनुसार अब तक कई वाहन मालिक अपने वाहनों का भुगतान लेने के लिए कार्यालय में उपस्थित नहीं हुए हैं। इनमें स्कूल बस, विश्वविद्यालय बस के साथ-साथ छोटे वाहन जैसे स्कॉर्पियो और इनोवा आदि के मालिक शामिल हैं। ऐसे सभी वाहन मालिकों से अपील की गई है कि वे 30 मार्च 2026 को दोपहर 2 बजे तक कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन कार्यालय, रायपुर के कक्ष क्रमांक 9 में उपस्थित होकर निर्वाचन पर्यवेक्षक से संपर्क करें और जरूरी दस्तावेज जमा करें। भुगतान प्राप्त करने के लिए वाहन मालिकों को आरसी बुक, वाहन अधिग्रहण आदेश, आधार कार्ड, पैन कार्ड, जीएसटी नंबर और बैंक विवरण के लिए कैंसल चेक साथ लाना अनिवार्य है। निर्धारित समय सीमा में उपस्थित नहीं होने पर संबंधित राशि शासन को जमा कर दी जाएगी, जिसकी जिम्मेदारी जिला निर्वाचन कार्यालय की नहीं होगी।

31 मार्च से पहले प्रॉपर्टी टैक्स भरें, वरना सीलिंग-कुर्की तय

रायपुर/नवप्रदेश। रायपुर नगर निगम ने बकायेदारों को साफ चेतावनी दी है कि, 31 मार्च 2026 से पहले अपना पूरा प्रॉपर्टी टैक्स जमा कर दें, वरना कुर्की और सीलबंदी जैसी सख्त कार्रवाई की जाएगी।

तय समय सीमा के बाद बकाया राशि पर 17त्न अधिभार के साथ वसूली की जाएगी। निगम के राजस्व विभाग ने अपील की है कि, सभी बड़े बकायेदार तत्काल बकाया जमा कर कार्रवाई से बचें। साथ ही आम नागरिकों से भी समय पर टैक्स जमा करने की अपील की गई है, ताकि अतिरिक्त शुल्क और कार्रवाई से बचा जा सके। खास बात यह है कि लोगों की सुविधा के लिए नगर निगम के सभी 10 जोन कार्यालयों के राजस्व विभाग 31 मार्च तक छुट्टियों में भी खुले रहेंगे। 26 मार्च (रामनवमी), 28-29 मार्च (शनिवार-रविवार) और 31 मार्च (महावीर जयंती) को भी टैक्स जमा किया जा सकेगा। इसके अलावा ऑनलाइन भुगतान की सुविधा भी उपलब्ध है। नागरिक 'मोर रायपुर' ऐप या नगर निगम की वेबसाइट के जरिए घर बैठे आसानी से संपत्ति कर जमा कर सकते हैं। निगम ने ज्यादा से ज्यादा लोगों से इस सुविधा का लाभ उठाने की अपील की है।

रायपुर में पैकेज्ड ड्रिंकिंग के दुकानों पर रेड

रायपुर/नवप्रदेश। रायपुर में गर्मी के मौसम में गुणवत्ताहीन पेय पदार्थों की बिक्री पर रोक लगाने के लिए खाद्य एवं औषधि प्रशासन जिले में विशेष जांच अभियान चला रहा है। नियंत्रक दीपक कुमार अग्रवाल (आईएएस) के निर्देश पर अधिकारियों की टीम लगातार दुकानों और उत्पादन इकाइयों का निरीक्षण कर रही है।

संदिग्ध उत्पादों के नमूने एकत्र किए जा रहे हैं। इस अभियान के तहत भाठागांव स्थित मेसर्स टीएससी सन्स एक्वाईन से एक्वा इन पैकेज्ड ड्रिंकिंग वाटर के दो नमूने लिए गए। वहीं, अग्रसेन चौक की मेसर्स सिद्धार्थ मिनरल्स से होमीप्योर और अवंती विहार कॉलोनी की मेसर्स सन प्रोडक्ट्स से सन एक्वा पैकेज्ड ड्रिंकिंग वाटर का एक-एक नमूना संग्रहित किया गया। इसके अलावा बोरियाकला क्षेत्र में भी कार्रवाई करते हुए मेसर्स महेश गृह उद्योग से पार्थ लीची ड्रिंक और मेसर्स मीनाक्षी बेवरेजेस से मंगल्या पैकेज्ड ड्रिंकिंग वाटर के नमूने लिए गए। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि अभियान के दौरान किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

बिलासपुर में बर्ड फ्लू, रायगढ़ में हाई अलर्ट, पोल्ट्री सेक्टर पर सख्त निगरानी

रायगढ़ /नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिले में बर्ड फ्लू की पुष्टि के बाद रायगढ़ जिले में भी प्रशासन ने सतर्कता बढ़ाते हुए हाई अलर्ट जारी कर दिया है। संभावित संक्रमण को ध्यान में रखते हुए पशु चिकित्सा विभाग और जिला प्रशासन ने पूरे जिले में पोल्ट्री फार्म और मुर्गी दुकानों की निगरानी तेज कर दी है। आधिकारिक जानकारी के अनुसार बिलासपुर के कोनी स्थित सरकारी पोल्ट्री फार्म में बीते पांच दिनों के भीतर करीब पांच हजार से अधिक मुर्गे-मुर्गियों की मौत हुई थी। इसके बाद जांच के लिए भेजे गए नमूनों में मंगलवार को बर्ड फ्लू की पुष्टि हुई, जिससे आसपास के जिलों में भी सतर्कता बढ़ा दी गई है। रायगढ़ प्रशासन ने विशेष रूप से इस तथ्य को ध्यान में रखा है कि बिलासपुर से जिले में चूजों की नियमित आपूर्ति होती है। इसी के मद्देनज़र एहतियातन अलर्ट जारी करते हुए अधिकारियों ने निर्देश दिए हैं कि कहीं भी मुर्गियों की असामान्य मौत की स्थिति में तत्काल सूचना दी जाए। पशु चिकित्सा विभाग के फील्ड अमले द्वारा जिलेभर में पोल्ट्री फार्म और मुर्गी विक्रेताओं के प्रतिष्ठानों का लगातार निरीक्षण किया जा रहा है। साथ ही संचालकों को साफ-सफाई, सतर्कता और किसी भी संदिग्ध स्थिति की जानकारी तुरंत प्रशासन को देने के निर्देश दिए गए हैं। गौरतलब है कि फरवरी 2025 में भी रायगढ़ जिले में बर्ड फ्लू के मामले सामने आ चुके हैं। उस दौरान सरकारी पोल्ट्री फार्म में लगातार पक्षियों की मौत के बाद जांच में संक्रमण की पुष्टि हुई थी, जिसके बाद नियमानुसार संक्रमित पक्षियों को नष्ट कर नियंत्रण उपाय किए गए थे। इस संबंध में सरकारी पोल्ट्री फार्म के प्रभारी डॉ. डीआर प्रधान ने बताया कि फिलहाल रायगढ़ जिले में स्थिति सामान्य है।

नक्सली पापा राव के समर्पण पर डिप्टी सीएम बोले-आगे भी बरतनी होगी सावधानी

■ 31 मार्च के बाद हैप्पी न्यू ईयर नहीं होगा

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ के गृह मंत्री और डिप्टी सीएम विजय शर्मा सोमवार को जगदलपुर रवाना हुए। रवाना होने से पहले उन्होंने नक्सल मोर्चे पर राज्य की बड़ी उपलब्धियों और आने वाले दिनों की रणनीति पर स्पष्ट बयान दिया। उन्होंने कहा कि, छत्तीसगढ़ अब नक्सलवाद की समाप्ति के बिल्कुल अंतिम चरण में है और 31 मार्च तक इसका पूर्ण सफाया हो जाएगा। लेकिन 31 मार्च की रात कोई हैप्पी न्यू ईयर नहीं है और सुरक्षा में बिल्कुल ढिलाई नहीं बरती जाएगी।

पापाराव का आज पुनर्वास

विजय शर्मा ने बताया कि कुख्यात नक्सली पापाराव आज समाज के सामने आत्मसमर्पण करने वाला है। उसके साथ 8 एके-47 और अन्य हथियार भी जमा कराए जाएंगे। उन्होंने कहा कि सरकार की पुनर्वास नीति के सकारात्मक परिणाम मिल रहे हैं और नक्सली संगठन लगातार कमजोर हो रहे हैं।

30-35 नक्सली बाकी, उनका भी होगा पुनर्वास

गृहमंत्री ने कहा कि, राज्य में नक्सलवाद लगभग समाप्ति की स्थिति में पहुँच चुका है। अब मात्र 30-35 सक्रिय नक्सली बचे हैं, जिनका भी जल्द पुनर्वास सुनिश्चित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह सरकार की दृढ़ इच्छाशक्ति और सुरक्षा बलों की लगातार कार्रवाई का नतीजा है।

वरिष्ठ नक्सल लीडरों पर भी बयान

गृहमंत्री विजय शर्मा ने बताया कि शीर्ष नक्सली नेता गणपति की लोकेशन की जानकारी वर्तमान में उपलब्ध नहीं है, जबकि मिशीर अब भी सक्रिय है। उन्होंने कहा कि सुरक्षा एजेंसियां इन दोनों पर कड़ी निगरानी बनाए हुए हैं।

31 मार्च की रात कोई हैप्पी न्यू ईयर नहीं

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि, 31 मार्च से राज्य नक्सल मुक्त होने की ओर बढ़ेगा, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि सावधानी कम हो जाएगी। 31 मार्च की रात कोई हैप्पी न्यू ईयर नहीं है, सुरक्षा में ढिलाई बिल्कुल नहीं बरती जाएगी।

लघु उद्योगों के साथ ही मिनी स्टील प्लांट, रोलिंग मिल और स्पंज आयरन का काम प्रभावित

गैस संकट से संकट में लघु उद्योग उत्पादन प्रभावित, वेल्डिंग काम बंद

■ उद्योगों में कटिंग-वेल्डिंग का काम लगभग बंद

रायपुर/नवप्रदेश। प्रदेशभर के एमएसएमई यानी लघु उद्योगों के साथ ही मिनी स्टील प्लांट, रोलिंग मिल और स्पंज आयरन का काम भी गैस सिलेंडर न मिलने से प्रभावित हो गया है। कटिंग के साथ वेल्डिंग का काम लगभग बंद कर दिया गया है। उत्पादन भी 30 फीसदी तक प्रभावित हो गया है। यदि आने वाले समय में सिलेंडर नहीं मिले, तो आधे से ज्यादा उत्पादन प्रभावित होगा और फिर उद्योग बंद भी करने पड़ सकते हैं। उद्योग बंद होने से जहां प्रदेश सरकार को भी राजस्व का नुकसान होगा, वहीं रोजगार पर भी असर पड़ेगा।

एलपीजी गैस सिलेंडरों को लेकर हाहाकार मचा हुआ है। जहां एक तरफ घरेलू गैस सिलेंडरों को लेकर मारा मारी है, वहीं सबसे बड़ी परेशानी कमर्शियल गैस सिलेंडरों को लेकर हो रही है। हालांकि केंद्र सरकार ने राज्यों को अब 40 फीसदी तक सप्लाई करने का फैसला किया है, लेकिन इसके बाद भी कम से कम उद्योगों को सिलेंडर मिल ही नहीं रहे हैं।

एक भी नहीं मिल रहा: मिनी स्टील प्लांट के महासचिव मनीष धुप्पड़ ने कहा कि, मिनी स्टील प्लांट, रोलिंग मिलों को आज की तारीख में एक भी गैस सिलेंडर नहीं मिल रहा है। ऐसे में कटिंग और वेल्डिंग का काम रोक दिया गया है। जो जरूरी है, वही काम कर रहे हैं। उत्पादन 25 फीसदी तक प्रभावित हो गया है।

उत्पादन प्रभावित: उरला एसोसिएशन के अध्यक्ष अश्विन गर्ग ने बताया कि, अध्यक्ष एमएसएमई के उद्योगों को भी सिलेंडर नहीं मिल पा रहे हैं। उद्योग विभाग के साथ बैठक करके समस्या का समाधान करने की मांग रखी गई है। उत्पादन प्रभावित हो रहा है। आने वाले समय में सरकार के राजस्व का भी नुकसान संभव है। अश्विन गर्ग, अध्यक्ष, उरला एसोसिएशन

इन उद्योगों के लिए जरूरी: एलपीजी गैस सिलेंडर की जरूरत लघु उद्योगों में इंजीनियरिंग का काम करने वालों को ज्यादा पड़ती है। इन उद्योगों से जुड़े लोगों का कहना है कि सही संख्या का बता पाना संभव नहीं है, उद्योगों के हिसाब से किसी को एक दिन में एक सिलेंडर लगता है तो किसी को उसके काम के हिसाब से पांच से दस सिलेंडर भी लग जाते हैं। इसी के साथ मिनी स्टील प्लांट और रोलिंग मिलों में सरिया बनाने के काम आने वाले बिलेट की कटिंग करने के लिए गैस सिलेंडर की जरूरत पड़ती है।

मिनी स्टील प्लांट और रोलिंग मिल का कारोबार करने वालों के मुताबिक एक छोटे उद्योग को हर माह 15 से 25 सिलेंडरों की जरूरत पड़ती है। स्पंज आयरन उद्योग को भी गैस सिलेंडर लगते हैं। प्रदेश में 150 रोलिंग मिल, 120 मिनी स्टील प्लांट और 70 स्पंज आयरन उद्योगों के साथ भारी संख्या में एमएसएमई के उद्योग हैं। इनको सिलेंडर मिल ही नहीं पा रहे हैं।

ब्लैक में कीमत डबल से ज्यादा: कमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमत प्रदेश में करीब 21 सौ रुपए है, सामान्य समय में उद्योगों को इसी कीमत पर जब भी जरूरत रहती है सिलेंडर मिल जाते थे। लेकिन अब सिलेंडर मिल ही नहीं रहे हैं। ब्लैक में जरूर आज भी सिलेंडर आसानी से मिल जा रहे हैं। इसके दाम चार से पांच हजार लिए जा रहे हैं। जिन उद्योगों को ज्यादा जरूरत है, उनको ब्लैक में लेना पड़ रहा है ताकि काम न रूके।

शिकार के लिए बिछाए करंट की चपेट में आने से युवक और सियार की मौत

सरगुजा/नवप्रदेश। मैनपाट के बड़ेरा मड़वासराई जंगल से दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। जहां जंगली जानवर का शिकार करने के लिए 11 हजार केवी से अवैध हुकिंग कर बिछाए गए जे ई तार की चपेट से मूर्ताडांड निवासी युवक और एक सियार की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई।

मिली जानकारी के अनुसार, मैनपाट के बड़ेरा मड़वासरई के जंगल बिट क्रमांक 2355 में रवई लकड़ी लेंने जाना महंगा पड़ गया। जहां जंगली जानवर का शिकार करने 11 हजार केवी से अवैध हुकिंग कर बिछाए गए जे ई तार के चपेट में आने से बतौली के मूर्ताडांड निवासी मिश्रा यादव पिता काशी यादव उम्र लगभग 35 वर्ष को अपनी जान गंवानी पड़ गई।

मैनपाट के घने जंगलों में बिछाया मौत का जाल: आपको जान कर हैरानी होगी कि, वन विभाग के नाक के नीचे मैनपाट के घने जंगल बड़ेरा मड़वासरई में अक्सर जंगली सुअर का शिकार करने 300 मीटर तक घने जंगल के बीच जे ई तार को लकड़ी का खंबा लगा बिछाया गया था।

पहले भी हो चुकी है चार भैंसों की मौत

इससे साफहै कि, जंगल में अवैध शिकार के लिए खतरनाक जाल अक्सर बिछाया जाता है। इसी करेंट के जाल में जंगल रवई लकड़ी लेने आए मिश्रा यादव भी फंस गया, जो तार में फंसकर मौके पर ही तड़पते हुए जान गंवा बैठा। जबकि उसके साथी भी तार के चपेट में आने से बाल-बाल बच गए। नहीं तो उनको भी अपनी जान गंवानी पड़ती। पूर्व में भी 4 भैंसों की मौत इसी करेंट के जाल में फंसने से हो चुकी है।

कार्रवाई की मांग

ग्रामीणों में भारी आक्रोश है और दोषियों के खिलाफकड़ी से कड़ी कार्रवाई की मांग उठ रही है। घने जंगलों में जानवरों की अवैध शिकार की बात हो या जंगलों के बीच जमीन हथियाने की बात हो। जहां ग्रामीण बिट प्रभारी और उच्च अधिकारियों की मिली भगत का आरोप लगाकर दोषियों पर करवाई की बात कर रहे हैं।

दो दिन बाद फिर बदलेगा मौसम अंधड़ और बारिश की चेतावनी

■ 30-40 किलो मिटर की रफ्तार से हवा चलेगी

■ 4 दिन राहत के बाद तापमान 2-3 डिग्री बढ़ने के आसार

रायपुर/नवप्रदेश। प्रदेश में फिर बदलने वाला है मौसम। तूफान का असर कम होते ही अब गर्मी बढ़ेगी। फिलहाल प्रदेश के कई हिस्सों में पारा सामान्य से 2 से 4 डिग्री नीचे बना हुआ है। दो दिन बाद एक-दो जगहों पर गरज-चमक के साथ हल्की बारिश और 30-40 किमी की रफ्तार से हवा चलने की संभावना है। इसके बाद अगले 4 दिनों में अधिकतम तापमान में 2 से 3 डिग्री तक बढ़ोतरी हो सकती है।

अब ड्राई मौसम के कारण सूरज के तेवर तीखे होने शुरू हो जाएंगे। पिछले 24 घंटों की बात करें तो मंगलवार को शुष्क मौसम बना रहा। अधिकतम तापमान राजनांदगांव में 38 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि न्यूनतम तापमान अंबिकापुर में 17 डिग्री रहा। पूरे प्रदेश में कहीं भी बारिश नहीं हुई। मौसम विभाग के अनुसार, आज और 26 मार्च को भी मौसम शुष्क रहने की संभावना है। फिलहाल कोई विशेष चेतावनी जारी नहीं की गई है।

आज मुख्य रूप से साफ आसमान रहेगा, दोपहर या शाम तक बादल छा सकते हैं। अधिकतम तापमान 37 डिग्री और न्यूनतम तापमान 22 डिग्री के आसपास रहने की संभावना है। मौसम विज्ञानियों के मुताबिक, प्रदेश में फिलहाल कोई मजबूत सिस्टम सक्रिय नहीं है।

प्रेमिका से शादी की जिद में 40 फीट मोबाइल टावर पर चढ़ा युवक

अंबिकापुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ के सरगुजा जिले के अंबिकापुर शहर में एक युवक ने अपनी मनपसंद लड़की से शादी की जिद को लेकर ऐसा हंगामा खड़ा कर दिया। जिससे पूरे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। करीब 40 फीट ऊंचे मोबाइल टावर पर चढ़कर युवक ने आत्मघाती कदम उठाने की धमकी दी, जिसके बाद पुलिस और परिजनों को घंटों मशक्कत करनी पड़ी।

मिली जानकारी के अनुसार, मामला लुंड्रा थाना क्षेत्र के छीरोपारा का है, जहां 27 वर्षीय योगेश यादव अचानक मोबाइल टावर पर चढ़ गया। युवक ने साफ तौर पर कहा कि अगर उसकी शादी मनपसंद लड़की से नहीं कराई गई, तो वह टावर से कूदकर अपनी जान दे देगा। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पुलिस और स्थानीय लोग जुट गए।

मुनगा गांव में 25 साल से पेड़ के नीचे चल रही आंगनबाड़ी, एक छोटी दरी में बैठते हैं 40 बच्चे

■ सलवा जुडूम काल के बाद झोपड़ी हो गई नष्ट, प्रशासन नहीं दे रहा ध्यान

बीजापुर/नवप्रदेश। बीजापुर जिला मुख्यालय से लगभग 25 किलोमीटर दूर मुनगा गांव में स्थित आंगनबाड़ी केंद्र की स्थिति बेहद चिंताजनक है। पिछले कई वर्षों से यहां उचित भवन न होने के कारण खुले आसमान के नीचे, आम के एक पेड़ के तले बच्चों की शिक्षा और पोषण गतिविधियाँ संचालित की जा रही हैं। यह तस्वीर महिला एवं बाल विकास विभाग की गंभीरता पर प्रश्नचिह्न खड़ा करती है।

आंगनबाड़ी संचालिका के अनुसार, 1999 में यहां झोपड़ी में आंगनबाड़ी की शुरुआत हुई थी, लेकिन सलवा जुडूम काल के बाद झोपड़ी भी नष्ट हो गई, जिसके बाद से लगभग 7-8 वर्षों से आम के पेड़ के नीचे ही आंगनबाड़ी चल रही है। यहां न तो पठन-पाठन सामग्री उपलब्ध है, न बच्चों के लिए पर्याप्त जगह, न बैठने की उचित सुविधा। करीब 40 बच्चों के लिए सिर्फ एक छोटी सी दरी का इंतजाम है।

मुनगा आंगनबाड़ी में न शेड है, न सुरक्षा, न पीने के पानी की व्यवस्था, और न ही बच्चों के लिए पढ़ाई का कोई बुनियादी साधन। जिसके कारण बारिश हो, तेज धूप हो या ठंड- बच्चों की कक्षाएं इसी पेड़ के नीचे चलती हैं। यह व्यवस्था नौनिहालों की सुरक्षा और स्वास्थ्य दोनों के लिए जोखिमपूर्ण है। एक ओर सरकार बस्तर में उन्नति, सड़क, बिजली और नक्सल-मुक्त क्षेत्र का दावा करती है, लेकिन दूसरी ओर मुनगा गांव में बच्चों को पेड़ के नीचे पढ़ने की मजबूरी इन दावों पर बड़ा सवाल है। अगर विभाग और प्रशासन ने समय रहते ध्यान दिया होता, तो शायद 25 साल बाद भी बच्चे ऐसी परिस्थितियों में न पढ़ रहे होते।

हाथियों का आतंक: हाथियों का दल रिहायशी इलाके में पहुंच गया, गांव में दहशत

पत्थलगांव में 11 हाथियों के दल ने 3 घर तोड़े, फसलें रौंदी

जशपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ के पत्थलगांव वन परिक्षेत्र में इन दिनों हाथियों का आतंक थमने का नाम नहीं ले रहा है। तिलडेगा ग्राम पंचायत के भद्रापारा में बीती रात 11 हाथियों का दल रिहायशी इलाके में पहुंच गया, जिससे ग्रामीणों में हड़कंप मच गया।

दरअसल, पिछले एक माह से 11 हाथियों का दल इलाके में डेरा जमाए हुए है। बीती रात ये दल भद्रापारा पहुंचा और तीन घरों को तोड़ दिया। घर में रखा अनाज को भी हाथियों ने चट कर लिया।

इतना ही नहीं, हाथियों ने खेतों में लगी टमाटर, केला और प्याज की फसलों को भी बर्बाद कर दिया, जिससे ग्रामीणों को भारी नुकसान उठाना पड़ा है।

नुकसान का आकलन शुरू: घटना के बाद वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और नुकसान का आकलन शुरू कर दिया है। वन विभाग का अमला पूरी रात हाथियों की निगरानी करता रहा। वन विभाग द्वारा ग्रामीणों को लगातार समझाइश दी जा रही है कि वे हाथियों से दूर रहें और जंगल की ओर न जाएं। स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है।

वन विभाग ने ग्रामीणों से की सतर्क रहने की अपील

वन विभाग ने ग्रामीणों से अपील की है कि हाथी देखने के लिए जंगल या उनके नजदीक जाने की कोशिश न करें। क्योंकि जरा सी लापरवाही बड़ी घटना को न्योता दे सकती है। फिलहाल, गांव में दहशत का माहौल बना हुआ है और वन विभाग की टीम लगातार हालात पर नजर बनाए हुए है।

कोरिया जिले में दो बछड़ों का सिर काटा, तीन हिरासत में

कोरिया/नवप्रदेश। कोरिया जिले के ग्राम खाड़ा में बुधवार को दो बछड़ों का सिर कटा शव खेत में पड़ा मिला। इस घटना को लेकर हिंदू संगठनों ने थाने पहुंचकर शिकायत की और तुरंत कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने जांच के बाद बछड़ों के मालिक और उसके परिवार के तीन लोगों को हिरासत में ले लिया है। मामला पटना थाना क्षेत्र का है। जानकारी के मुताबिक, पटना थाना क्षेत्र के खाड़ा गांव के हरिजनपारा के पास खेतों में दो बछड़े मृत हालत में मिले, जिससे इलाके में तनाव की स्थिति बन गई।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक यशवंत धोटे* द्वारा मिनल पब्लिकेशन एंड प्रोडक्शन प्रा.लि. शेड नं. 74 सेक्टर-सी, उरला इंडस्ट्रीयल एरिया से मुद्रित कर रजबंधा मैदान प्रेस काम्पलेक्स रायपुर से प्रकाशित, समाचार संपादक-संदीप दीवान, RNI NO.CHHHIN/2012/41806
(पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के लिए उत्तरदायी) फोन : 0771-3526755, 6262188999, Gmail: navpradesh@gmail.com